हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11

खेल

सचिन तेंदुलकर और खेलना चाहते थे लेकिन 1 फोन कॉल ने खत्म किया वनडे करियर

Page 09

देश

अखिलेश और सपा की काट के लिए भाजपा का बड़ा दांव, पार्षद मनोनयन में पीडीए पर ही फोकस

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, उत्तर भाद्रपद, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • गुरूवार • 19 मार्च 2026 • वर्ष 28 • अंक 106 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,44,600	₹ 2,65,000

आज का इतिहास

1944 : आजाद हिंद फौज ने पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

2011 : लीबिया के गृहयुद्ध-फ्रांसीसी वायु सेना ने ओपेरेशनहार्मट्टन का शुभारंभ किया, जिसमें लीबिया में विदेशी सैन्य हस्तक्षेप की शुरुआत हुई।

न्यूज बाइट्स

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 मौतें

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली के पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के कर्मियों ने 10 लोगों का रेस्क्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल हैं। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेजी से फैल गई। इमारत में उस समय 10-15 लोग मौजूद थे। इनमें कुछ शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

पंचायतों में सोलर लाइट लगाने में देरी पर सख्ती

पटना (नि.सं.)। बिहार में पंचायत स्तर पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने में हो रही देरी को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। पंचायती राज निदेशक नवीन कुमार सिंह ने बुधवार को दक्षिण बिहार के 17 जिलों में सोलर लाइट सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए लापरवाह एजेंसियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि पटना सहित दक्षिण बिहार के 17 जिलों की ग्राम पंचायतों में अब तक 3 लाख 64 हजार 605 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं। इनमें अकेले पटना जिले की पंचायतों में 37 हजार 656 सोलर लाइट स्थापित की गई हैं। इसके बावजूद कई स्थानों पर कार्य में देरी को लेकर नाराजगी जताई गई।

मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान जमुई जिले को दी 914 करोड़ की योजनाओं की सौगात

189 योजनाओं का किया शिलान्यास

निज संवाददाता | जमुई

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के तहत जमुई जिले को बड़ी विकासात्मक सौगात दी। इस दौरान उन्होंने 27031.47 लाख रुपए की लागत से निर्मित कुंडघाट जलाशय योजना का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने जलाशय क्षेत्र का निरीक्षण किया और अधिकारियों से परियोजना की उपयोगिता की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि इस जलाशय में बरसात के दौरान पहाड़ी और जंगलों का पानी संग्रहित होगा, जिससे आसपास के किसानों को सिंचाई में काफी मदद मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स निर्माण, स्टेडियम जीर्णोद्धार, प्राकृतिक उद्यान, मंदिर विकास, सड़क और पुल निर्माण, जलाशय योजनाएं, डिग्री कॉलेज और प्रखंड कार्यालय भवन निर्माण जैसी कई योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। लछुआड़ में आयोजित कार्यक्रम से मुख्यमंत्री ने जिले के लिए कुल 914 करोड़ रुपए की लागत से 370 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 602 करोड़ रुपए की 181 योजनाओं का उद्घाटन और 312 करोड़ रुपए की 189 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, ताकि आम लोगों को इसका सीधा लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत 1073 लाभार्थियों को 5 करोड़ से अधिक की सहायता राशि, जीविका समूहों को बैंक ऋण के तहत 114 करोड़ रुपए से अधिक तथा अन्य योजनाओं के तहत करोड़ों रुपए के सांकेतिक चेक वितरित किए। साथ ही आयुष्मान कार्ड और स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के लाभुकों को भी लाभ प्रदान किया गया।

जीविका दीदियों की चर्चा

नारी सशक्तिकरण में जीविका दीदियों से लेकर पंचायत और नगर निकाय में महिलाओं को 50 प्रतिशत तथा पुलिस एवं सभी सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था को भी उन्होंने महत्वपूर्ण कदम बताया। 25 से 30 का संकल्प दोहराते हुए उन्होंने कहा औसत आय को दोगुना करना तथा प्रत्येक जिले में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना सरकार की प्राथमिकता में है। पुरानी बंद चीनी मीलें चालू होंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि डेयरी और मछली पालन के क्षेत्र में भी विशेष काम करने की योजना है। उन्नत शिक्षा और उज्जवल भविष्य के तहत प्रत्येक प्रखंड में आदर्श विद्यालय और डिग्री कॉलेज खुलेंगे।

औरंगाबाद में विकास योजनाओं की मिलेगी सौगात

सैकड़ों परियोजनाओं का मुख्यमंत्री करेंगे शिलान्यास व उद्घाटन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार के माननीय मुख्यमंत्री की प्रस्तावित "समृद्धि यात्रा" के दौरान औरंगाबाद जिले को विकास योजनाओं की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। इस यात्रा के क्रम में विभिन्न विभागों के अंतर्गत सैकड़ों योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया जाएगा, जिससे जिले के आधारभूत ढांचे और जनसुविधाओं में व्यापक सुधार की उम्मीद है। समृद्धि यात्रा के दौरान कुल 120 योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, जिनकी कुल प्राक्कलित लागत 55,506.77 लाख से अधिक है। इनमें सबसे अधिक 75 योजनाएं लघु जल संसाधन विभाग की हैं, जिन पर करीब 19,141 लाख खर्च होंगे। इसके अलावा पथ निर्माण विभाग की 3 बड़ी योजनाएं लगभग 29,725 लाख की लागत से जुड़ी हैं, जो जिले में सड़क नेटवर्क को मजबूत करेंगी। नगर विकास एवं आवास विभाग की 19 योजनाएं, बिहार चिकित्सा सेवा एवं आधारभूत संरचना निगम की एक योजना, भवन निर्माण विभाग, पुलिस भवन निर्माण निगम तथा अन्य विभागों की योजनाएं भी इस सूची में शामिल हैं। वहीं, इस अवसर पर कुल 142 योजनाओं का उद्घाटन भी किया जाएगा, जिनकी कुल लागत 12,318.50 लाख से अधिक है। उद्घाटन होने वाली योजनाओं में लघु जल संसाधन विभाग की 86 योजनाएं प्रमुख हैं। इसके अलावा ग्रामीण विकास विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज विभाग और भवन निर्माण विभाग की कई योजनाएं भी शामिल हैं, जो सीधे तौर पर गांवों और शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देंगी। इन योजनाओं के जरिए सिंचाई, सड़क, भवन निर्माण, शहरी विकास, स्वास्थ्य सेवाएं और पंचायत स्तर पर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। समृद्धि यात्रा के दौरान इन परियोजनाओं की शुरुआत और लोकार्पण से औरंगाबाद जिले में विकास की रफ्तार तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

बिहार के शहरी उपभोक्ताओं को राहत

अब सस्ती होगी बिजली, एक अप्रैल से लागू होगी नई दरें

निज संवाददाता | पटना

बिहार के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। अब शहरों में भी घरेलू उपभोक्ताओं को गांवों की तरह एक ही दर पर बिजली मिलेगी। बिहार विद्युत विनियामक आयोग ने बिजली दरों के ढांचे में बदलाव करते हुए दो स्लैब की व्यवस्था को खत्म कर दिया है, जिससे शहरी उपभोक्ताओं को सीधा फायदा मिलेगा। नई दरें एक अप्रैल 2026 से लागू होंगी और इसके तहत प्रति यूनिट करीब 1.53 रुपये तक की कमी आएगी।

दरअसल, बिजली कंपनियों ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 35 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया था, लेकिन आयोग ने इसे खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान पाया गया कि बिजली कंपनियां पहले से ही मुनाफे में हैं, ऐसे में उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालने की जरूरत नहीं है। इसी के साथ आयोग ने शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एक समान दर लागू करने का भी फैसला लिया। इस फैसले का असर सीधे तौर पर उन उपभोक्ताओं पर पड़ेगा, जो 125 यूनिट से ज्यादा बिजली की खपत करते हैं। राज्य में जुलाई 2025 से 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में आमतौर पर खपत इससे अधिक होती है। ऐसे में अब मुफ्त सीमा के ऊपर खर्च होने वाली यूनिट पर भी उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी परिवार की खपत 225 यूनिट है, तो 125 यूनिट मुफ्त मिलने के बाद बची 100 यूनिट पर उन्हें करीब 153 रुपये की बचत होगी। वहीं, 300 यूनिट की खपत पर यह बचत लगभग 268 रुपये तक पहुंच सकती है।

पहले शहरी उपभोक्ताओं से दो अलग-अलग स्लैब में शुल्क लिया जाता था, जिसमें 100 यूनिट तक 4.12 रुपये प्रति यूनिट और उससे अधिक खपत पर 5.52 रुपये प्रति यूनिट देना पड़ता था। अब इस व्यवस्था को खत्म कर एक समान दर लागू कर दी गई है, जिससे बिलिंग प्रणाली भी सरल होगी और उपभोक्ताओं को राहत भी मिलेगी। इस निर्णय का लाभ केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के व्यावसायिक उपभोक्ताओं को भी सस्ती बिजली मिलेगी। ग्रामीण व्यावसायिक उपभोक्ताओं को 42 पैसे और शहरी व्यावसायिक उपभोक्ताओं को 1.20 रुपये प्रति यूनिट तक राहत दी गई है। इस फैसले से राज्य के करीब 27 लाख उपभोक्ताओं को फायदा होने का अनुमान है। कुल मिलाकर, यह फैसला महंगाई के दौर में आम लोगों को राहत देने वाला माना जा रहा है, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग के बिजली बिल में हर महीने कमी देखने को मिलेगी।

पहले दो स्लैब थे, अब एक ही स्लैब

पहलेः 1-100 यूनिट- 4.12 रुपये प्रति यूनिट

100+ यूनिट- 5.52 रुपये प्रति यूनिट

अबः दूसरी स्लैब हटा दी गई है। सभी उपभोक्ताओं को एक ही दर पर बिजली बिल मिलेगा।

125 यूनिट मुफ्त सीमा से ऊपर कितना होगा फायदा

जुलाई 2025 से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त मिल रही है। शहरों में बिजली का ज्यादा उपभोग होता है। उदाहरण के लिए बताएं तो पटना में कोई परिवार अगर 225 यूनिट बिजली खर्च करता है, तो 125 यूनिट मुफ्त के बाद बाकी 100 यूनिट पर 153 रुपये की बचत होगी। अगर किसी घर में 300 यूनिट का उपभोग है, तो महीने में 268 रुपये तक की बचत होगी।

शहरी और ग्रामीण व्यावसायिक उपभोक्ताओं को भी फायदा

आयोग ने निर्णय लिया कि ग्रामीण व्यावसायिक उपभोक्ता को 42 पैसे प्रति यूनिट सस्ती बिजली, शहरी व्यावसायिक उपभोक्ता को 1.20 रुपये प्रति यूनिट सस्ती बिजली मिलेगी। इससे पूरे प्रदेश के करीब 27 लाख उपभोक्ताओं को लाभ होगा।

बिहार में पुलिस महकमे में फेरबदल, कई अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

निज संवाददाता | पटना

बिहार में एक बार फिर पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल किया गया है। राज्य सरकार ने छह पुलिस अधिकारियों का तबादला करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। गृह विभाग की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार इस तबादले में चार आईपीएस और बिहार पुलिस सेवा के दो अधिकारी शामिल हैं। नवगछिया की एसपी रहीं प्रेरणा कुमार को अब लखीसराय का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वहीं मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो में पदस्थापित एसपी राजेश कुमार को नवगछिया का एसपी नियुक्त किया गया है। लखीसराय के मौजूदा एसपी अवधेश दीक्षित को स्थानांतरित कर बिहार पुलिस मुख्यालय में एसपी कार्मिक-एक की जिम्मेदारी दी गई है।

इसके अलावा कटिहार में साइबर अपराध डीएसपी के पद पर कार्यरत रामकृष्णा को पटना के बाढ़ अनुमंडल में एसडीपीओ-एक बनाया गया है। बाढ़ में एसडीपीओ के पद पर तैनात रहे आनंद कुमार सिंह को अब पटना उच्च न्यायालय सुरक्षा का डीएसपी बनाया गया है। राज्य सरकार द्वारा किए गए इस प्रशासनिक फेरबदल को कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा प्रशासनिक कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इससे पहले भी इसी वर्ष जनवरी में बड़े स्तर पर अधिकारियों का तबादला किया गया था, जिसमें आईएएस और बिहार प्रशासनिक सेवा के कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं।

कानून-व्यवस्था पर फोकस

गृह विभाग द्वारा जारी इस आदेश के बाद सभी नए पदस्थापन लागू हो गए हैं। इसे प्रशासनिक संतुलन बनाए रखने और पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि नए अधिकारियों की तैनाती से कानून-व्यवस्था मजबूत होगी, साथ ही मद्य निषेध और एंटी-नारकोटिक्स अभियानों में भी तेजी आएगी।

छह लोगों की जिंदा जलने से मौत, इलाज कराने गए थे इंदौर, किशनगंज में फैला मातम

पूरे परिवार समेत बिहार के बड़े कारोबारी की दर्दनाक मौत

- कारोबारी विजय सेठिया अपने परिवार के साथ इलाज कराने के लिए इंदौर गए थे, लेकिन वहां भीषण अग्निकांड में उनकी पत्नी, बेटी, बहन और बहनोई समेत उनकी मौत हो गई

निज संवाददाता | किशनगंज

बिहार के किशनगंज जिले से जुड़ी एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में हुए भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के 6 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। यह हादसा इतना भयावह था कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। बताया जा रहा है कि यह परिवार घटना से महज एक दिन पहले ही इंदौर पहुंचा था। वे अपने एक रिश्तेदार के घर ठहरे हुए थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

घटना बुधवार तड़के करीब 4 बजे इंदौर के बंगाली चौराहे के पास स्थित ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी में हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घर के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग भड़क उठी।

आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थिति तब और भयावह हो गई जब घर के अंदर रखे गैस सिलेंडरों में विस्फोट होने लगे। लगातार धमाकों से मकान का एक हिस्सा भी ढह गया, जिससे अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिला। इस हादसे में कुल 8 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 6 लोग बिहार के किशनगंज जिले के एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। वहीं, 3 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विजय सेठिया की पत्नी और बेटी की भी मौत

अग्निकांड में दोनों बच्चों की मौत

इलेक्ट्रिक कार की चार्जिंग बनी हादसे की वजह

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घर के बाहर खड़ी एक इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पर लगी थी। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट हुआ और कार में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थिति तब और भयावह हो गई जब घर में रखे एलपीजी गैस सिलेंडरों में विस्फोट होने लगे। लगातार धमाकों के कारण आग तेजी से फैली और अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका।

तीन दिन पहले बेटी अपने बच्चों को लेकर पहुंची थी इंदौर

मृतक की बहू प्रियंका सेठिया ने बताया बुधवार की सुबह नींद से उठने के बाद कोलकाता से उनके रिश्तेदार ने फोन कर घटना की जानकारी दी। घटना की खबर मिलते ही विजय सेठिया के पुत्र विकास सेठिया और कई रिश्तेदार किशनगंज से इंदौर के लिए रवाना हो गए हैं।

20 दिन पहले माउथ कैंसर का हुआ था ऑपरेशन

मृतक विजय सेठिया की बहू प्रियंका सेठिया ने बताया कि उनके ससुर और सास करीब 20 दिन पहले इंदौर कैंसर के इलाज के लिए गए थे, जहां कोकिला बेन अस्पताल में उनके ससुर का माउथ कैंसर का ऑपरेशन हुआ था, जिसके बाद से उनके ससुर और सास इंदौर स्थित उनके छोटी बुआ सुनीता पुगलिया के घर रह रहे थे। 'कैंसर के ऑपरेशन के बाद ससुर का रेडिएशन का इलाज चल रहा था। मंगलवार को भी ससुर को तीसरा रेडिएशन अस्पताल में दिया गया था। वहीं 3 दिन पहले मेरी छोटी ननद, अपने दो बच्चों और भतीजे के साथ अपने पिता को देखने किशनगंज से इंदौर ट्रेन से गई थी और चारों मंगलवार की सुबह इंदौर पहुंचे थे।

मृतकों के नाम

किशनगंज के एक ही परिवार के छह लोगों की मौत से पूरा इलाके के लोग गहरे सदमे में हैं। मृतकों में किशनगंज निवासी कॉस्मेटिक कारोबारी विजय सेठिया (65), सुमन (60), मनोज (65), सिमरन (30), छोटू सेठिया (22) और राशि सेठिया (12) शामिल हैं। सभी किशनगंज के टाउन थाना क्षेत्र के रहने वाले थे।

इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग के बीच भारत की मानवीय पहल

भारत ने ईरान को भेजी मेडिकल मदद

- भारत में ईरानी दूतावास ने इस सहायता के लिए भारतीय जनता का आभार जताया।
- इजराइल ने दावा किया कि एयरस्ट्राइक में इस्माइल खातिब मारे गए।
- हालांकि इस दावे की ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एजेंसी | नई दिल्ली

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण हालात के बीच भारत ने मानवीय पहल करते हुए ईरान को मेडिकल सहायता की पहली खेप भेजी है। न्यूज एजेंसी के अनुसार यह सहायता ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी गई, जिसमें जरूरी दवाइयां और अन्य मेडिकल उपकरण शामिल हैं। भारत में मौजूद ईरानी दूतावास ने इस मदद के लिए भारतीय जनता का आभार जताया है और कहा है कि यह सहयोग सफलतापूर्वक जरूरतमंदों तक पहुंचा दिया गया है। दूतावास ने इसका वीडियो भी साझा किया है। इस बीच युद्ध से जुड़ा एक बड़ा दावा सामने आया है। इजराइल ने कहा है कि उसने एयरस्ट्राइक में इस्माइल खातिब को मार गिराया है, जो ईरान के इंटेलिजेंस मंत्री थे। हालांकि इस दावे की अभी तक ईरान की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस्माइल खातिब को ईरान की आंतरिक सुरक्षा और खुफिया तंत्र का अहम चेहरा माना जाता था, जो देश के भीतर और बाहर दोनों स्तर पर सुरक्षा रणनीतियों को संचालित करते थे।

इसी दौरान ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर भी सामने आई है। भारतीय झंडे वाला तेल टैंकर 'जग लाडकी' सुरक्षित रूप से गुजरात के मुंद्रा स्थित अडाणी पोर्ट्स पर पहुंच गया है। यह जहाज यूएई के फुजैराह पोर्ट से होकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार करते हुए भारत पहुंचा है। इस टैंकर पर करीब 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा हुआ है, जो देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा। गौरतलब है कि भारत में प्रतिदिन करीब 5.5 से 5.6 मिलियन बैरल कच्चे तेल की खपत होती है। ऐसे में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद तेल आपूर्ति का सुचारू बने रहना भारत के लिए राहत की बात मानी जा रही है।

राज्यसभा में 59 सांसदों को विदाई, प्रधानमंत्री ने संसद को बताया 'ओपन यूनिवर्सिटी'

- विदाई पाने वालों में एचडी देवगौड़ा, शरद पवार, हरिवंश और रामदास आठवले शामिल रहे।

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली में राज्यसभा का माहौल बुधवार को भावुक और राजनीतिक रंगों से भरा रहा, जब अप्रैल से जुलाई के बीच रिटायर होने वाले 59 सांसदों को विदाई दी गई। इस सूची में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, वरिष्ठ नेता शरद पवार, उपसभापति हरिवंश और आरपीआई नेता रामदास आठवले जैसे दिग्गज शामिल रहे। हालांकि शरद पवार और रामदास आठवले दोबारा राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं।

विदाई समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद को एक "ओपन यूनिवर्सिटी" बताते हुए कहा कि यहां हर दिन सीखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कभी पूर्ण विराम नहीं होता और सार्वजनिक जीवन में अनुभव का महत्व हमेशा बना रहता है। प्रधानमंत्री ने रिटायर हो रहे सांसदों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनका अनुभव देश के लोकतांत्रिक जीवन का स्थायी हिस्सा रहेगा।

इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने संबोधन में हल्के-फुल्के अंदाज में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा का जिक्र करते हुए कहा, "मोहब्बत हमारे साथ की, लेकिन शादी मोदीजी के साथ की।" उनके इस बयान पर सदन में मुस्कुराहट का माहौल बन गया। खड़गे ने शेर पढ़ते हुए विदाई की परंपरा का जिक्र किया और कहा कि ऐसा काम करना चाहिए कि लोग लंबे समय तक याद रखें। खड़गे के संबोधन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी काव्यात्मक अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि ऐसा कर्म करना चाहिए कि जहां-जहां से व्यक्ति गुजरे, वहां से उसे सम्मान मिले। राज्यसभा का यह विदाई सत्र जहां एक ओर अनुभवी नेताओं के योगदान को याद करने का अवसर बना, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक नोकझोंक और सौहार्द का संतुलित दृश्य भी देखने को मिला।

19 मार्च से हिंदू नव वर्ष और चैत्र नवरात्रि की शुरुआत

पटना (नि.सं.)। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से हिंदू नव वर्ष की शुरुआत होती है। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का भी आरंभ होता है, जिसे देवी शक्ति की आराधना का विशेष पर्व माना जाता है। इस वर्ष 19 मार्च से हिंदू नव वर्ष और चैत्र नवरात्रि प्रारंभ हो रहे हैं। भारतीय संस्कृति में यह दिन नई ऊर्जा, नवसृजन और सकारात्मक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस दिन को अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है, लेकिन इसके मूल में प्रकृति, संस्कृति और आध्यात्मिकता का सुंदर संगम देखने को मिलता है। कहीं इसे गुड़ी पड़वा के रूप में मनाया जाता है तो कहीं उगादी के रूप में, जबकि उत्तर भारत में इसे नवसंवत्सर या हिंदू नव वर्ष कहा जाता है। हिंदू नव वर्ष का धार्मिक और पौराणिक महत्व भी अत्यंत विशेष माना गया है। मान्यता है कि इसी दिन सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था। पुराणों के अनुसार ब्रह्मा ने इसी तिथि से सृष्टि निर्माण की शुरुआत की थी, इसलिए इसे सृष्टि के आरंभ का दिन भी कहा जाता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

डीडीएम कॉलेज के ब्याख्याता हुए सम्मानित

नरहट (नवादा)। प्रखण्ड के काजीपुरा निवासी डीडीएम कॉलेज हिसुआ के भूगोल विभाग के लेक्चरर अजय कुमार को चाणक्य फाउंडेशन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ द्वारा अंगवस्त्र एवं डायरी देकर सम्मानित किया गया। यह उत्कृष्टता पुरस्कार कॉलेज में बेहतर कार्य के लिए दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर फाउंडेशन के सीईओ डॉ दीव्या ज्योति द्वारा कॉलेज के कई और शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

चैनपुरा विद्यालय में तीन माह से बंद है मध्यान भोजन

नरहट (नवादा)। प्रखण्ड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चैनपुरा में प्रधानाध्यापिका एवं विद्यालय शिक्षा सचिव के विवाद के कारण स्कूल में करीब तीन माह से बच्चों का पोषाहार मध्याह्न भोजन बंद है। मध्याह्न भोजन बंद रहने के कारण दूर दराज के सैकड़ों बच्चों को भूखे रहना पड़ रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापिका मुन्नी कुमारी ने बताया कि विद्यालय में अगस्त 2025 से 10 जनवरी 2026 तक अपने पैसे से मध्याह्न भोजन बनवाने का काम किया।उन्होंने बताया कि ज्यादा दिनों तक राशि के अभाव में सक्षम नहीं हुए इसके बाद से मध्याह्न भोजन बनना बन हो गया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में कुल 338 विद्यार्थी नामांकित है। प्रधान शिक्षिका ने बताया कि विद्यालय शिक्षा समिति के सचिव से विवाद के कारण राशि की निकासी नही होने के कारण मध्याह्न भोजन बंद है, जिससे बच्चों की उपस्थिति प्रभावित हो रही है।

ऋषि राज ने नवोदय विद्यालय की परीक्षा में लहराया परचम

कौआकोल। प्रखण्ड के सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित नवसृजित प्राथमिक विद्यालय शिरी के वर्ग पांचवीं कक्षा के छात्र ऋषि राज ने वर्ष 2026 में घोषित जवाहर नवोदय विद्यालय की परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र व विद्यालय का नाम रोशन किया है। उसके इस सफलता पर उसके पिता बिनोद कुमार,माता नीलम देवी सहित अन्य स्वजन गर्व महसूस कर रहे हैं। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राकेश कुमार ने बताया कि वर्ग पांचवीं कक्षा के छात्र ऋषि राज पढ़ने में काफी लगनशील एवं मेहनती है। इसी कारण उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय की परीक्षा में सफलता हासिल किया। प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी अजीत कुमार ने छात्र ऋषि राज के इस सफलता पर खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दिया तथा छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राधा-कृष्ण कथा का आज चौथा दिन

मोतिहारी। परम श्रद्धेय जगत गुरु श्रीराम कृपालु महाराज प्रेम मंदिर वृन्दावन की छायारूपी शिष्या सुश्री शक्तिश्वरी देवी की राधा-कृष्ण कथा का आयोजन विराट नगर सत्यसंग समिति के द्वारा राधा कृष्ण सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के राधा कॉन्फ्रेन्स हॉल में आयोजन प्रारम्भ हुआ। राधा-कृष्ण कथा का आज चौथा दिन है। राधा कृष्ण प्रेम प्रसंग पर देवी ने कृत्तन भजन से श्रद्धालु भाव विभोर होकर अश्रु धारा से नाचने गाने लगे। अंत में आरती का आयोजन हुआ, तथा उक्त प्रेम प्रसंग की मुक्त कंठ से लोगों ने सराहना की। श्री सीकरीया ने कहा कि ऐसा लगता हैं कि स्वंय कृपालु जी पधार गये है। कथा में शहर के गणमान्य व्यक्तियों के अलावा काफी मात्रा में श्रद्धालु उपस्थित थे। जिसमें महिलाओं की संख्या काफी ज्यादा थी। डॉ रमेश कुमार, भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया एवं अनिल प्रसाद ने काफी सराहना की।

मादक पदार्थ के साथ कढ़ान से एक तस्कर गिरफ्तार

केसरिया, पू.च। थाना क्षेत्र के कढान गांव में पुलिस ने छापेमारी कर मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर कढान निवासी रामएकबाल राय है। केसरिया थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी तस्कर के कढान स्थित घर पर छापेमारी की गई। इस दौरान करीब 3 किलोग्राम गांजा व 64 हजार रुपये नकद, एक यांत्रिक तराजू तथा गांजा पैक करने के लिए प्रयुक्त पुड़िया बरामद किया गया। सभी बरामद सामान को जब्त कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जनगणना कार्य के सफल संचालन को लेकर हुई बैठक

केसरिया, पू.च। प्रखंड सभागार में बुधवार को जनगणना कार्य के सफल संचालन को लेकर प्रखंड स्तरीय कोषांग में तैनात कर्मियों की बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बीडीओ कुमुद कुमार ने कहा कि पर्यवेक्षक व प्रगणक अपने-अपने क्षेत्र का डाटा पूरी सावधानी से तैयार कर समय पर इंट्री सुनिश्चित करें। साथ ही सभी कर्मियों का यूजर आईडी, अप्वाइंटमेंट व पहचान पत्र शीघ्र तैयार करने पर जोर दिया, ताकि कार्य में बाधा न आए। जनगणना कार्य की नियमित मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक पंचायत में टीम गठित करने की बात कही गई। बताया गया कि 15 अप्रैल से प्रखंड कार्यालय में हेल्प डेस्क कार्यरत होगा, जहां जनगणना से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मौके पर विभिन्न विभागीय पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

21 मार्च से होने वाले केसरिया महोत्सव को लेकर तैयारी तेज

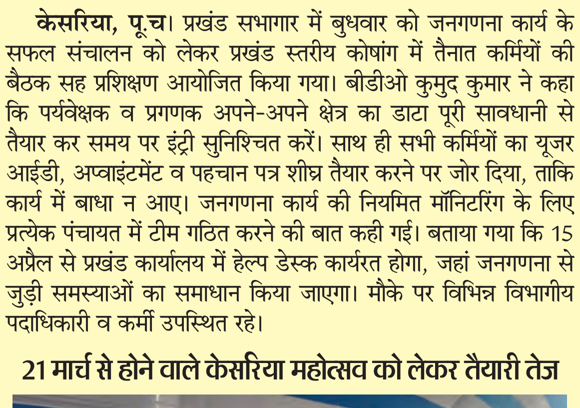

केसरिया, पू.च। 21 मार्च से शुरू होने वाले तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। इसी क्रम में चकिया एसडीओ शिवानी शुभम ने बुधवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान केसरिया बीडीओ कुमुद कुमार, बीईओ विनय कुमार तिवारी, आदित्य मानस सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसडीओ ने कार्यक्रम स्थल पर बन रहे पंडाल, मंच, दर्शक दीर्घा, वाहन पार्किंग स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महोत्सव को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए हर स्तर पर तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया गया कि 21 मार्च को मशहूर लोकगायिका मालिनी अवस्थी और कुमार सत्यम अपनी प्रस्तुति देंगे। 22 मार्च को कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें दिनेश बावरा, नीलोत्पल मृणाल सहित अन्य प्रसिद्ध कवि शामिल होंगे। वहीं 23 मार्च को पार्श्वगायिका ऐश्वर्य पंडित और अतुल पंडित अपनी टीम के साथ प्रस्तुति देंगे। विधि-व्यवस्था को लेकर 20 स्थानों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, जबकि भीड़ नियंत्रण के लिए 100 पुलिसकर्मी भी लगाए जाएंगे।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक पर सवार रहे तीन लोगों को कुचला

एक की हालत चिंताजनक, दो रेफर

एनएच-20 पर टोल प्लाजा के समीप हुई दुर्घटना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के एनएच -20 पर करिगांव स्थित टोल प्लाजा के समीप बुधवार की दोपहर लगभग 12:30 बजे एक भयंकर सड़क दुर्घटना हुई। इस दुर्घटना में एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक पर सवार रहे तीन लोगों को कुचलते हुए भाग खड़ा हुआ। स्थानीय लोगों के द्वारा डायल 112 की टीम को मदद हेतु बुलाया गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने घायल तीनों बाइक सवारों को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. नीतीश कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों में छोमुहा गांव निवासी मिथलेश मिस्त्री के पुत्र प्रिंस कुमार,दिलीप प्रसाद के पुत्र विक्रम कुमार एवं श्री प्रसाद के पुत्र रौशन कुमार के रूप में हुई है। चिकित्सक

अस्पताल में इलाजरत घायल बाइक सवार

ने कहा कि सभी घायलों का प्राथमिक इलाज कर जरूरी सुई व दवाइयां दी गई है। साथ ही कहा कि घायल प्रिंस कुमार के पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गम्भीर चोटें आई है एवं विक्रम कुमार का हाथ टूटा हुआ है,जिसे बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया है।

सड़क दुर्घटना की खबर मिलते ही घायलों के परिजन अस्पताल परिसर पहुंचे एवं उनकी स्थितियों को देखकर रोने-बिलखने लगे। घायलों ने बताया कि वे रजौली से नवादा दवाई लाने जा रहे थे,इसी बीच वे जैसे ही टोल प्लाजा पार किए कि एक अनियंत्रित ट्रैक्टर उनके कुचलते हुए भाग गया। घायलों ने इलाज के बाद थाना को लिखित आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों अथवा उनके परिजनों द्वारा लिखित आवेदन मिलने पर अग्रतर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

चैत्र नवरात्रि के आगमन पर निकली भव्य कलश यात्रा, भक्तिमय हुआ वातावरण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कौआकोल। वासंतिक (चैत्र) नवरात्रि के पावन अवसर पर बुधवार को गायत्री ज्ञान मंदिर कौआकोल से एक भव्य और दिव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला,जहाँ सैकड़ों कलशधारी बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलश यात्रा गायत्री ज्ञान मंदिर कौआकोल से प्रारंभ होकर बाजार भ्रमण करते हुए थाना रोड से सूर्य मंदिर पहुँची। यहाँ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवित्र जल भरकर श्रद्धालु पुनः बीझो गांव होते हुए आश्रम जोगाचक मोड़ से। गायत्री ज्ञान मंदिर लौटे,जहाँ यात्रा का विधि-विधान से समापन हुआ। पीले और लाल वस्त्रों में सजी महिलाओं के 'जय माता दी' के जयघोष से पूरा मार्ग गुंजायमान हो उठा। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सुरेश प्रसाद यादव, उपेंद्र कुमार, रविंद्र प्रसाद, अजय कुमार, माला सिंह, उषा कंचन, सुनीता कुमारी, आशा देवी, सविता देवी, डॉ. सियामणि, श्रीकांत प्रसाद, श्रीचंद प्रसाद,आयुष कुमार साव सहित क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी रही। आयोजकों ने बताया कि चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति के लिए इस कलश यात्रा का आयोजन किया गया है। गुरुवार को विधिवत कलश स्थापना के साथ ही नौ दिनों तक चलने वाली माँ दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना का संकल्प लिया जाएगा।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए 19 मार्च को नामांकन करेंगे नीतीश कुमार

निर्विरोध चुने जाना तय, संगठन चुनाव के बीच तेज हुई प्रक्रिया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) में इन दिनों सांगठनिक चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष के बाद अब राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर गतिविधियां बढ़ गई हैं। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 19 मार्च को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 22 मार्च निर्धारित है। हालांकि नीतीश कुमार के अलावा किसी अन्य नेता के नामांकन की संभावना नहीं है, जिससे उनका निर्विरोध चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में ललन सिंह के इस्तीफे के बाद से ही नीतीश कुमार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। अब वे अगले तीन वर्षों के लिए फिर इस पद पर काबिज हो सकते हैं। पार्टी की ओर से 27 मार्च को चुनाव की तिथि तय की गई है, लेकिन सर्वसम्मति की स्थिति में 22 मार्च को ही उन्हें निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। औपचारिक घोषणा राष्ट्रीय परिषद की बैठक में होगी, जो 29 मार्च को प्रस्तावित है। इससे पहले जदयू के प्रदेश अध्यक्ष पद पर भी कोई मुकाबला नहीं हुआ

था और उमेश कुशवाहा को लगातार तीसरी बार यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्रों के अनुसार नीतीश कुमार जल्द ही राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ले सकते हैं। ऐसे में उनके मुख्यमंत्री पद छोड़ने की भी अटकलें तेज हैं, हालांकि पार्टी की कमान उनके पास ही रहने की संभावना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी संगठन में बड़े बदलाव संभव हैं। वर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा को दोबारा जिम्मेदारी मिल सकती है, साथ ही नए और वरिष्ठ नेताओं को भी अहम पद दिए जा सकते हैं। कुल मिलाकर जदयू में नेतृत्व परिवर्तन की कोई संभावना नहीं दिख रही है और पार्टी की कमान एक बार फिर नीतीश कुमार के हाथों में ही रहने वाली है।

रजौली के चटकरी गांव में बांझपन शिविर का आयोजन, 107 पशुओं का निःशुल्क उपचार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड क्षेत्र के सवैयाटांड पंचायत के चटकरी में एक दिवसीय पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 49 पशुपालकों के 107 पशुओं का निःशुल्क उपचार एवं परामर्श किया गया। शिविर का आयोजन प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय सपही के तत्वाधान में किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपप्रमुख, रजौली विनोद राजवंशी ने की। शिविर में रजौली प्रखंड के पशु चिकित्सा दल के डॉ. नीरज कुमार सिंह, एवं डॉ. रेषु कुमार के साथ कर्मी, सोनू कुमार मौजूद रहे। शिविर में पशुपालकों को पशु बांझपन के कारण, रोकथाम एवं समय पर उपचार के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पशुपालकों को बताया गया कि पशुओं में बांझपन की समस्या को कैसे रोका जा सकता है और समय पर उपचार कैसे किया जा सकता है। शिविर में ग्रामीण

शिविर का उद्घाटन करते चिकित्सक व अन्य

पशुपालकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने पशुओं का निःशुल्क उपचार करवाया। पशुपालकों ने शिविर के आयोजन के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया और कहा कि इस तरह के शिविरों का आयोजन आगे भी किया जाना चाहिए।इस शिविर के माध्यम से पशुपालकों को अपने पशुओं के स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें पशुओं की देखभाल के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और पशुपालकों को इसका लाभ मिला। शिविर में मैत्री कर्मी सह टीकाकर्मी अशोक प्रसाद, दीपक कुमार एवं सुधांशु कुमार ने सक्रिय सहयोग किया।

महवतपुर में ग्यारह कुण्डीय श्री सीताराम महायज्ञ की तैयारी तेज

बुधवार की अहले सुबह ग्रामीणों ने निकाली प्रभात फेरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली अनुमंडल क्षेत्र के सिरदला प्रखंड अंतर्गत महवतपुर गांव इन दिनों भक्ति के रंग में सराबोर है। आगामी अप्रैल माह में आयोजित होने वाले भव्य 'ग्यारह कुण्डीय श्री सीताराम महायज्ञ' को लेकर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। इसी सिलसिले में बुधवार की अहले सुबह ग्रामीणों ने प्रभात फेरी निकाली। इस दौरान श्रद्धालुगण भजन कीर्तन करते हुए गांवों में भ्रमण कर लोगों को यज्ञ के बारे में जानकारी दी। यज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष अंजनी कुमार और सचिव गुड्डू सिंह के नेतृत्व में यज्ञ का आयोजन 23 अप्रैल से 1 मई तक किया जाना है। इस यज्ञ को भव्य एवं दिव्य बनाने के

गांव में प्रभात फेरी करते ग्रामीण

लिए ग्रामीण पूरी जोर शोर से तैयारी में जुटे हुए हैं। महवतपुर समेत आसपास के गांवों के लोग काफी उत्साहित दिख रहे हैं। इसके पीछे का मुख्य कारण लंबे समय बाद गांव में इतने बड़े स्तर पर धार्मिक अनुष्ठान होने जा रहा है। यज्ञ के दौरान शाम और रात्रि के समय भक्तों के लिए विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होना है एवं वृंदावन के संतों और अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका का होगा समागम, इस महायज्ञ को सफल बनाने के लिए देश के प्रसिद्ध विद्वान और संत शिरकत करने वाले हैं। आयोजन समिति और समस्त महवतपुर ग्रामवासियों ने क्षेत्र के सभी धर्म प्रेमी बंधुओं, माताओं और बहनों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर सपरिवार पधारकर धर्म का लाभ उठाएं और महायज्ञ को सफल बनाएं। ग्रामीणों का कहना है कि यह आयोजन न केवल गांव की सुख-शांति के लिए है, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र में सामाजिक समरसता और भक्ति का संदेश जाएगा।

नालंदा में बिहारशरीफ-गया फोरलेन पर हादसा

बस अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराई

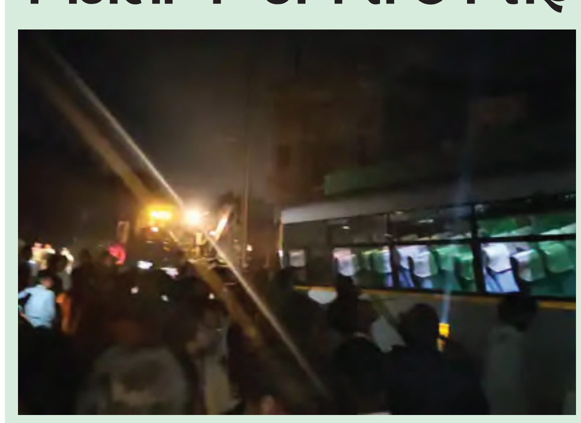

बिजली आपूर्ति हुई ठप

♦ इस भीषण टक्कर के बावजूद किसी की जान नहीं गई और एक बड़ा हादसा टल गया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालंदा। नालंदा में आज शाम एक सड़क हादसा होते-होते टल गया। यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे डिवाइडर को पार करते हुए बिजली के खंभे से जा टकराई। घटना बिहारशरीफ-गया फोरलेन पर दीपनगर थाना क्षेत्र के कोसुक गांव के पास की है। टक्कर के कारण बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और इलाके की बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई। गनीमत यह रही कि इस भीषण टक्कर के बावजूद किसी की जान नहीं गई और एक बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस बिहारशरीफ से यात्रियों को लेकर राजगीर की ओर जा रही थी। जैसे ही बस कोसुक गांव के पास पहुंची, ड्राइवर ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित बस डिवाइडर फांदते हुए सीधे बिजली के खंभे से जा भिड़ी और पास ही स्थित एक झोपड़ी को भी चपेट में ले लिया।

स्थानीय निवासी मुन्ना मांझी ने बताया कि हादसे के वक्त बस की रफ्तार काफी अधिक थी। उन्होंने यह भी शिकायत की कि सड़क पर उचित डिवाइडर व्यवस्था न होने के कारण वाहन अक्सर तेज गति में चलते हैं, जिससे इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

ड्राइवर समेत कुछ यात्रियों को हल्की चोटें: हादसे के तुरंत बाद बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ड्राइवर समेत कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आईं। हालांकि, चोटें मामूली होने के कारण अफरा-तफरी के बीच चालक और घायल यात्री अपने स्तर से प्राथमिक उपचार के लिए वहां से निकल गए। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

दीपनगर थानाध्यक्ष राजमणि पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को सड़क से हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है, ताकि यातायात बाधित न हो। थानाध्यक्ष ने बताया कि गाड़ी नंबर के आधार पर बस मालिक और चालक की पहचान की जा रही है और मामले की सघन जांच शुरू कर दी गई है। बिजली विभाग को भी खंभा क्षतिग्रस्त होने और आपूर्ति ठप होने की सूचना दे दी गई है।

बिक्रम नगर पंचायत में 81.59 करोड़ का बजट पास, विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रम, पटना। पटना जिले के बिक्रम नगर पंचायत में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 81.59 करोड़ रुपये का बजट सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इस बजट को लेकर आयोजित बैठक में नगर क्षेत्र के समग्र विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष रूप से चर्चा की गई। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने एकमत से यह तय किया कि नगर पंचायत को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए योजनाओं को तेजी से लागू किया जाएगा। बैठक नगर पंचायत अध्यक्षा मनीता कुमारी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें उपाध्यक्षा गुड़िया देवी, कार्यपालक पदाधिकारी संजीव कुमार सहित सभी पार्षद और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान बजट के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया और नगर

क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

पारित बजट में जहां कुल आय 81.59 करोड़ रुपये आंकी गई है, वहीं 74.37 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इस प्रकार नगर पंचायत को करीब 7.21 करोड़ रुपये का अधिशेष प्राप्त होने की संभावना जताई गई है। अधिकारियों का कहना है कि इस राशि का उपयोग आगे के विकास कार्यों में किया जाएगा, जिससे नगर क्षेत्र को और बेहतर बनाया जा सके।

नगर पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस बार के बजट में सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराए जाएं, ताकि किसी भी क्षेत्र की उपेक्षा न हो। योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की रणनीति बनाई गई है, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनी रहे।

आय के स्रोतों की बात करें तो नगर पंचायत को राज्य सरकार से मिलने वाले अनुदान, विभिन्न विकास योजनाओं, होल्डिंग टैक्स, जलकर, सफाई कर और बाजार शुल्क जैसे माध्यमों से राजस्व प्राप्त होगा। इन संसाधनों के आधार पर नगर के विकास को नई दिशा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यपालक पदाधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि नगर पंचायत का उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने भरोसा जताया कि सभी जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों के सहयोग से योजनाओं को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारा जाएगा। इस बजट के पारित होने के बाद अब नगर क्षेत्र में विकास कार्यों के तेज होने की उम्मीद है, जिससे लोगों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

भारतीय रेल आम आदमी और मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं की आधुनिक, सुरक्षित और सुगम सवारी : केंद्रीय रेल मंत्री

सरकार किफायती दरों पर यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाकर गरीब से गरीब व्यक्ति की सेवा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध

भारतीय रेलवे का 'धीमी प्रगति' से 'सुपर-फास्ट परिवर्तन' की ओर कदम, एक नए युग का सूत्रपात : केंद्रीय रेल मंत्री

लगभग 1,37,000 किलोमीटर के रेल मार्ग और 25,500 से अधिक ट्रेनों के विशाल नेटवर्क के साथ, भारतीय रेलवे देश के एक कोने से दूसरे कोने तक यात्रियों के आवागमन और माल ढुलाई को सुगम बनाकर लोगों को रोजगार से जोड़ने और अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है

अधिक नॉन-एसी कोच के साथ भारतीय रेलवे आम नागरिकों की जरूरतों को दे रही प्राथमिकता : केंद्रीय रेल मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव

भारत सरकार देश में भारी सब्सिडी वाली रेल यात्रा प्रदान कर रही है, सरकार प्रत्येक यात्री टिकट की लागत का 45 प्रतिशत हिस्सा स्वयं वहन करती है, जिससे आधुनिक यात्रा अनुभव सुनिश्चित होने के बावजूद यहाँ का किराया पड़ोसी देशों और विकसित देशों की तुलना में काफी कम है

कम दूरी की यात्रा को सुगम बनाने के लिए 200 नई इंटरसिटी ट्रेनें और मुंबई हेतु स्वचालित दरवाजों वाली 238 नई उपनगरीय ट्रेनें जल्द शुरू की जाएंगी

पिछले 10 वर्षों में 5 लाख नौकरियों और बीते 2 वर्षों में 1.43 लाख सीधी नियुक्तियों के अलावा, रेलवे की विभिन्न परियोजनाएं लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित कर रही हैं

स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं और तकनीक-आधारित रखरखाव पद्धतियां भारत में यात्रा के अनुभव को नया आयाम दे रही हैं

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल मंत्री
भारत सरकार

भारतीय रेलवे वर्तमान में अभूतपूर्व विस्तार और आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है, जिसे केंद्रीय बजट 2026-27 में 2.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड बजटीय आवंटन से सशक्त बनाया गया है। रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2026-27) पर संसद में हुई चर्चा का जवाब देते हुए, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेखांकित किया कि रेलवे में एक प्रमुख संरचनात्मक सुधार रेल बजट का आम बजट में विलय था, जिसके परिणामस्वरूप तीन प्रमुख लाभ हुए हैं। उन्होंने भारतीय रेल के वर्तमान रूपांतरण को 'धीमी प्रगति' से 'सुपर-फास्ट ट्रांसफॉर्मेशन' की ओर एक बड़े बदलाव के रूप में वर्णित किया, जो इस राष्ट्रीय परिवहन सेवा के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। सबसे पहले, इसने बजटीय सहायता में व्यापक वृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है, जो पहले के लगभग 25,000–30,000 करोड़ से बढ़कर वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग 2.78 लाख करोड़ हो गई है। दूसरा, इसने वर्ष भर निरंतर निर्णय लेने और आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाया है, जिसमें परियोजनाओं की मंजूरी, नई सेवाओं की शुरुआत और आधुनिक तकनीक को अपनाना शामिल है। तीसरा, इससे प्रणाली में बेहतर पारदर्शिता और संस्थागत निगरानी आई है, जहाँ अब परियोजनाओं की समीक्षा वित्त मंत्रालय और नीति आयोग से जुड़ी प्रणालियों के माध्यम से की जा रही है।

ऐतिहासिक बजटीय आवंटन और रेलवे की मजबूत वित्तीय स्थिति

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में भारतीय रेलवे के लिए रिकॉर्ड आवंटन किया गया है, जो देश भर के सभी राज्यों को लाभान्वित कर रहा है और बुनियादी ढांचे के त्वरित विकास को गति दे रहा है। श्री वैष्णव ने स्पष्ट किया कि रेलवे के प्रमुख व्यय मदों में लगभग 1.19 लाख करोड़ का कार्मिक व्यय, करीब 64,000 करोड़ का पेंशन व्यय, लगभग 32,000 करोड़ की ऊर्जा लागत और लगभग 23,000 करोड़ की वित्त लागत शामिल है। इन भारी खर्चों के बावजूद, रेलवे निरंतर सकारात्मक संतुलन बनाए हुए है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि रेल विद्युतीकरण के परिणामस्वरूप लगभग 6,000 करोड़ की बचत हुई है और विद्युतीकरण के बढ़ते दायरे के कारण डीजल की खपत में भी निरंतर गिरावट आ रही है।

परिचालन दक्षता और रेल नेटवर्क में वृद्धि

श्री वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 25,571 ट्रेनों का संचालन करती है, जिससे होली, दिवाली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान यात्रियों की यात्रा अधिक सुगम और सुविधाजनक सुनिश्चित होती है। कुल रेल नेटवर्क विस्तार बढ़कर लगभग 1,37,522 रूट किलोमीटर तक पहुँच गया है, जिसमें निरंतर वार्षिक वृद्धि देखी जा रही है। इसके अतिरिक्त, रेलवे के पास अब लगभग 3.86 लाख वैगन और करीब 98,000 कोच उपलब्ध हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड स्तर है।

नई रेल सेवाओं की शुरुआत

केंद्रीय मंत्री ने आधुनिक रेल सेवाओं की शुरुआत और उनके विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 160 से अधिक वंदे भारत सेवाएं संचालित हैं, साथ ही किफायती लंबी दूरी की यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली 60 अमृत भारत ट्रेन सेवाएं भी अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने यह भी इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और क्षमता में वृद्धि

श्री वैष्णव ने पिछले एक दशक में रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए महत्वपूर्ण विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माल ढुलाई 2013-14 के लगभग 1,055 मिलियन टन से बढ़कर अब लगभग 1,650 मिलियन टन हो गई है, जिससे भारतीय रेलवे वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा माल वाहक बन गया है।

रेलवे ट्रैक निर्माण की गति में व्यापक तेजी आई है, जिसके तहत लगभग 35,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं, जबकि इससे पिछली अवधि में यह आंकड़ा लगभग 15,000 किलोमीटर था। विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी तीव्र प्रगति देखी गई है, जो लगभग 5,200 किलोमीटर से बढ़कर करीब 47,000 किलोमीटर तक पहुँच गई है। इसके साथ ही भारतीय रेलवे ने 99 प्रतिशत से अधिक नेटवर्क विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर के संदर्भ में, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) की संख्या लगभग 4,000 से बढ़कर करीब 14,000 हो गई है। इसी तरह, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग (स्वचालित सिग्नल प्रणाली) का विस्तार भी लगभग 1,500 किलोमीटर से बढ़कर 4,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि एलएचबी कोचों की संख्या में, जो कि अधिक सुरक्षित और आधुनिक हैं, उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और हाल के वर्षों में लगभग 48,000 ऐसे कोच जोड़े गए हैं। इसके साथ ही, लोकोमोटिव का उत्पादन बढ़कर लगभग 12,000 यूनिट हो गया है, जबकि वैगन की संख्या 2 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई है। सूचित किया कि 133 अमृत भारत ट्रेनों का मैन्युफैक्चरिंग कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें भी शुरू की गई हैं और उनके प्रदर्शन को लेकर सकारात्मक फीडबैक प्राप्त हुआ है।

उन्होंने यह भी बताया कि रेलवे मुंबई के लिए ऑटोमैटिक डोर-क्लोजिंग सिस्टम (स्वचालित द्वार बंद होने की प्रणाली) वाली 238 नई उपनगरीय (सबअर्बन) ट्रेनों और कम दूरी की यात्रा के लिए लगभग 200 नई मेमू ट्रेनों के उत्पादन का कार्य कर रही है, जिन्हें 'इंटरसिटी' के नाम से जाना जाएगा।

र श्री वैष्णव ने बताया कि पिछले एक दशक में रेलवे में लगभग 5 लाख नौकरियां प्रदान की गई हैं, जबकि 1.43 लाख भर्तियों की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। उन्होंने एक व्यवस्थित वार्षिक भर्ती कैलेंडर की शुरुआत पर प्रकाश डाला, जो पूर्वानुमान और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। रेलवे की भर्ती परीक्षाएं 15 भाषाओं में और 150 शहरों में आयोजित की जा रही हैं, जिनमें लगभग 3.6 करोड़ उम्मीदवारों की भागीदारी देखी गई है। उन्होंने यह भी सूचित किया कि शिकायतों के त्वरित निवारण और परीक्षाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए एक केंद्रीय निगरानी प्रणाली (वार रूम) स्थापित की गई है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में विस्तार

श्री वैष्णव ने बताया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मिजोरम जैसे राज्यों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है, जबकि मणिपुर, नागालैंड और सिक्किम में कनेक्टिविटी परियोजनाओं का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल कनेक्टिविटी ने क्षेत्र में परिवहन लागत को कम करने, लॉजिस्टिक्स में सुधार और पहुंच को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रेलवे और सांस्कृतिक जुड़ाव

श्री वैष्णव ने देश भर के प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्रों के लिए रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। नासिक, उज्जैन, हरिद्वार, राजमुंदरी और कुंभकोणम जैसे शहरों में होने वाले कुंभ आयोजनों जैसे बड़े कार्यक्रमों के लिए व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास योजनाएं तैयार की गई हैं। इनमें यात्रियों की भारी संख्या को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए स्टेशनों का अपग्रेडेशन, अतिरिक्त पुल, अंडरपास, पटरियों का दोहरीकरण और सिग्नलिंग में सुधार शामिल हैं।

परियोजना कार्यान्वयन और भूमि अधिग्रहण की चुनौतियां

श्री वैष्णव ने कहा कि रेल परियोजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है, विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण के मामले में। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण में होने वाले विलंब ने परियोजनाओं की प्रगति को प्रभावित किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघीय ढांचे के तहत रेलवे का विकास एक सहयोगात्मक प्रयास है और भूमि अधिग्रहण में तेजी आने से सभी राज्यों में परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने में मदद मिलेगी। श्री वैष्णव ने यात्री अनुभव, विशेष रूप से स्वच्छता में सुधार लाने के उद्देश्य से चल रहे सुधारों पर प्रकाश डाला। लंबी दूरी की ट्रेनों में पायलट आधार पर एक नई पहल शुरू की गई है, जहाँ सामान्य कोचों सहित सभी श्रेणियों में प्रस्थान से गंतव्य तक निरंतर सफाई सुनिश्चित की जाती है। यह पहल विभिन्न जोन की चुनिंदा ट्रेनों में लागू की जा रही है और इससे यात्रियों की समग्र संतुष्टि में वृद्धि होने की उम्मीद है।

प्रमुख उपलब्धियां

- 300 किमी से अधिक वायाडक्ट निर्माण का कार्य पूर्ण।
- पिलर निर्माण, ट्रैक बिछाने और स्टेशनों के विकास में उल्लेखनीय प्रगति।
- कई नदियों पर पुलों का निर्माण कार्य संपन्न।
- भारत की पहली समुद्र के नीचे की रेल सुरंग पर कार्य जारी, जिसमें महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की गई है।
- उन्होंने बताया कि इस परियोजना को 2027 से चरणों में शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें ट्रेनों के 350 किमी/घंटा तक की गति से चलने की उम्मीद है। इससे मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय घटकर 2 घंटे से भी कम हो जाएगा।
- मंत्री महोदय ने यह भी सूचित किया कि सात अतिरिक्त हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई है, जो भविष्य में भारत के हाई-स्पीड नेटवर्क को लगभग 4,000 किलोमीटर तक विस्तारित करेंगे।

टनल, माल ढुलाई गलियारे (फ्रेट कॉरिडोर) और रणनीतिक संपर्क

श्री वैष्णव ने रेखांकित किया कि टनल निर्माण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि जहाँ 2014 तक लगभग 125 किलोमीटर टनल का निर्माण किया गया था, वहीं उसके बाद 486 किलोमीटर अतिरिक्त टनल बनाई गई हैं। इससे पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर जैसे कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में संपर्क में व्यापक सुधार हुआ है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) के निर्माण में व्यापक प्रगति हुई है, जिसके तहत लगभग 2,800 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो चुका है और इन कॉरिडोर पर प्रतिदिन लगभग 480 मालगाड़ियाँ संचालित हो रही हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और क्षमता में वृद्धि

श्री वैष्णव ने पिछले एक दशक में रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए महत्वपूर्ण विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माल ढुलाई 2013-14 के लगभग 1,055 मिलियन टन से बढ़कर अब लगभग 1,650 मिलियन टन हो गई है, जिससे भारतीय रेलवे वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा माल वाहक बन गया है।रेलवे ट्रैक निर्माण की गति में व्यापक तेजी आई है, जिसके तहत लगभग 35,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं, जबकि इससे पिछली अवधि में यह आंकड़ा लगभग 15,000 किलोमीटर था। विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी तीव्र प्रगति देखी गई है, जो लगभग 5,200 किलोमीटर से बढ़कर करीब 47,000 किलोमीटर तक पहुँच गई है। इसके साथ ही भारतीय रेलवे ने 99 प्रतिशत से अधिक नेटवर्क विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर के संदर्भ में, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) की संख्या लगभग 4,000 से बढ़कर करीब 14,000 हो गई है। इसी तरह, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग (स्वचालित सिग्नल प्रणाली) का विस्तार भी लगभग 1,500 किलोमीटर से बढ़कर 4,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि एलएचबी कोचों की संख्या में, जो कि अधिक सुरक्षित और आधुनिक हैं, उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और हाल के वर्षों में लगभग 48,000 ऐसे कोच जोड़े गए हैं। इसके साथ ही, लोकोमोटिव का उत्पादन बढ़कर लगभग 12,000 यूनिट हो गया है, जबकि वैगन की संख्या 2 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई है।

सुरक्षा व्यवस्था में सुधार

श्री वैष्णव ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। इसके लिए ट्रैक रखरखाव, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव, अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने और प्रशिक्षण पद्धतियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेलवे दुर्घटनाओं में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है, जिसे 'रूट कॉज़ एनालिसिस' (व्यवस्थित मूल कारण का विश्लेषण) और सुधारात्मक उपायों के माध्यम से संभव बनाया गया है। सुरक्षा में निवेश भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है, जिसके तहत सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए लगभग 1.2 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं। सुरक्षा तकनीक पर चर्चा करते हुए, उन्होंने स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि लगभग 3,000 किलोमीटर के नेटवर्क को पहले ही इसके दायरे में लाया जा चुका है, जबकि करीब 20,000 किलोमीटर पर कार्य प्रगति पर है और लगभग 8,000 रेल इंजनों में इसे लगाने की योजना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'कवच' एक व्यापक सुरक्षा प्रणाली है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, टेलीकॉम टावर, डेटा सेंटर और ऑनबोर्ड उपकरण शामिल हैं। इसकी जटिलता एक पूर्ण टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के समान है।

स्टेशनों का कायाकल्प और क्षमता में वृद्धि

श्री वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे ने वैश्विक स्तर पर स्टेशन पुनर्विकास के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक शुरू किया है, जिसके तहत लगभग 1,300 स्टेशनों को कवर किया जा रहा है। इनमें से लगभग 180 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि करीब 500 स्टेशन पूर्ण होने के उन्नत चरण में हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक प्रथाओं के विपरीत, जहाँ पुनर्निर्माण के दौरान स्टेशनों को अक्सर बंद कर दिया जाता है, भारतीय रेलवे निरंतर ट्रेन संचालन को बनाए रखते हुए पुनर्विकास कार्य कर रही है। इससे सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ-साथ यात्रियों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, 48 अधिक मांग वाले शहरों में क्षमता विस्तार के कार्य शुरू किए गए हैं, जिनमें अतिरिक्त प्लेटफार्मों, स्टेबलिंग लाइनों, पिट लाइनों और कोचिंग टर्मिनलों का निर्माण शामिल है। ये कार्य आने वाले वर्षों में परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे।

रेलवे में तकनीक, नवाचार और 'मेक इन इंडिया'

अपनी बात जारी रखते हुए, श्री अश्विनी वैष्णव ने परिचालन, रखरखाव, बुनियादी ढांचे और यात्री सेवाओं सहित भारतीय रेलवे के सभी क्षेत्रों में तकनीक और 'मेक इन इंडिया' की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सूचित किया कि जुलाई 2025 में लॉन्च किए गए रेलवन (RailOne) ऐप ने व्यापक लोकप्रियता हासिल की है, जिसके अब तक 2.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं और इसके माध्यम से प्रतिदिन लगभग 9.5 लाख टिकटों का सफल ट्रांजेक्शन हो रहा है। यह ऐप आरक्षित और अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन पूछताछ, पीएनआर स्थिति और शिकायत निवारण जैसी कई यात्री सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करता है। मंत्री महोदय ने आगे बताया कि यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) को कई दशकों के बाद व्यापक रूप से आधुनिक बनाया गया है। इस उन्नत प्रणाली को अलग-अलग चरणों में लागू किया जा रहा है और इससे बुकिंग की दक्षता एवं पारदर्शिता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, तत्काल बुकिंग प्रणाली में भी सुधार लागू किए गए हैं ताकि ऑटोमेटेड बॉट्स और अनधिकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से होने वाले दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सके, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए टिकटों की उपलब्धता बेहतर हुई है। श्री वैष्णव ने वन्यजीव संरक्षण के लिए कैमरों सहित एआई आधारित प्रणालियों की तैनाती और पूरे नेटवर्क में प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस के लिए आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग को भी रेखांकित किया। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, भारतीय रेलवे एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरा है, जिसके तहत रेलवे निर्यात 24,000 करोड़ के पार पहुंच गया है। भारतीय रेल तकनीक और उत्पादों का निर्यात जर्मनी, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों को किया जा रहा है।

यात्री सेवाएँ और सस्ती यात्रा की सुविधा

श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे आम नागरिकों के लिए किफायती यात्रा को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है। लगभग 70 प्रतिशत कोच जनरल और स्लीपर श्रेणी के हैं, जो अधिकांश यात्रियों के लिए सुलभता सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने सूचित किया कि अतिरिक्त जनरल कोच (सामान्य श्रेणी के डिब्बे) शुरू किए गए हैं, जिनमें वर्ष 2024-25 में लगभग 1,250 कोच और 2025-26 में करीब 860 कोच शामिल हैं। उन्होंने जानकारी दी कि रेलवे वर्तमान में प्रतिवर्ष लगभग 60,000 करोड़ की यात्री सब्सिडी प्रदान कर रही है, जो प्रति यात्री औसतन लगभग 45 प्रतिशत की छूट के बराबर है। इसके अतिरिक्त, मुंबई जैसे उपनगरीय (सबअर्बन) इलाकों में लगभग 3,000 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

पीएम गति शक्ति - रेलवे परियोजनाओं का एकीकृत एवं त्वरित कार्यान्वयन

केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि रेलवे विस्तार की योजना अब पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के माध्यम से बनाई जा रही है, जो एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के लिए जियोस्पेशियल मैपिंग का उपयोग करता है। उद्योगों, शहरी केंद्रों और लॉजिस्टिक्स नोड्स से जुड़ी मांग के वैज्ञानिक आकलन के माध्यम से, नई रेलवे परियोजनाओं की व्यवस्थित रूप से पहचान की गई है। वर्ष 2014 से अब तक, लगभग 27,000 किलोमीटर की नई रेलवे परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें कुल निवेश लगभग 4.27 लाख करोड़ है।

सीमावर्ती बुनियादी ढांचे और सामरिक संपर्क

अपने उत्तर के समापन में, श्री अश्विनी वैष्णव ने सीमावर्ती और सामरिक क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी पर दिए जा रहे विशेष बल को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जो सामरिक आवाजाही और क्षेत्रीय विकास दोनों को बढ़ावा देंगी। जम्मू-कश्मीर में बारामूला-उरी विस्तार (डीपीआर चरण), काजीगुंड-बडगाम दोहरीकरण और जम्मू-राजौरी-पुंछ कनेक्टिविटी के लिए सर्वेक्षण जैसे कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिनमें लंका-सिलचर, डेकरगांव-सिलघाट और अन्य सामरिक मार्गों जैसी नई लाइनों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना और उन्हें पूरा करना शामिल है। क्षमता वृद्धि के लिए सर्वेक्षण और निर्माण गतिविधियां भी चल रही हैं, जिनमें न्यू जलपाईगुड़ी और कामाख्या के बीच अतिरिक्त लाइनें बिछाने का कार्य शामिल है।m श्री वैष्णव ने आगे बताया कि अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जिसमें भूटान जैसे पड़ोसी देशों के साथ संपर्क स्थापित करना भी शामिल है। उत्तरी और पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्रों में, अनुपगढ़-खाजूवाला, जैसलमेर-बाड़मेर-भीलडी और भारत-पाकिस्तान सीमा के साथ अन्य मार्गों जैसी परियोजनाओं को पहुंच और लॉजिस्टिक्स में सुधार के लिए विकसित किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में, बेरी-मनाली-लेह (डीपीआर चरण) और घनाउली-बद्दी लाइन जैसे कार्य प्रगति पर हैं। इसी प्रकार, पंजाब और अन्य उत्तरी राज्यों में नई लाइनों और क्षमता विस्तार की परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने सिलीगुड़ी कॉरिडोर में एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजना पर भी प्रकाश डाला, जहाँ महत्वपूर्ण स्थितियों में निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने के लिए 30 किमी लंबे भूमिगत डबल-लाइन कॉरिडोर की योजना विकसित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, भारत-नेपाल सीमा पर क्रॉस-बॉर्डर कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास को मजबूत करने के लिए नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा-मुजफ्फरपुर जैसे खंडों सहित कई दोहरी रेल लाइन परियोजना और क्षमता वृद्धि की परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

विशेष रेलगाड़ियाँ और यात्रियों की सुलभता

श्री वैष्णव ने बताया कि पीक सीजन की मांग को पूरा करने के लिए विशेष ट्रेनों के संचालन का व्यापक विस्तार किया गया है। जहाँ पहले प्रतिवर्ष लगभग 2,000-2,500 विशेष ट्रेनें चलाई जाती थीं, वहीं इस बार लोगों की सुविधा के लिए रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। दिवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लगभग 12,383 विशेष ट्रेनें संचालित की गईं, जबकि होली के दौरान अब तक 1,500 से अधिक ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं। उन्होंने आगे बताया कि 75 प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया (प्रतीक्षा क्षेत्र) विकसित किए जा रहे हैं और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए 1,200 से अधिक नई ईएमयू/मेमू सेवाएं शुरू की गई हैं।

हाई-स्पीड रेल और बुलेट ट्रेन की प्रगति

श्री वैष्णव ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इसका निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

रेलवे कर्मचारियों की सराहना और भविष्य के लक्ष्य

श्री अश्विनी वैष्णव ने लगभग 12.5 लाख रेल कर्मचारियों के अमूल्य योगदान की सराहना की, जिनमें लोको पायलट, ट्रैक मेंटेनर, स्टेशन स्टाफ और तकनीकी कर्मी शामिल हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि ये कर्मचारी त्योहारों और कठिन परिस्थितियों की परवाह किए बिना देश भर में निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय रेलवे का यह कायाकल्प इसके समस्त कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है, जिसे सरकार की मजबूत नीतियों और निवेश का पूरा साथ मिला है। अनुदान की मांगों के माध्यम से रेल मंत्रालय के विस्तृत व्यय प्रस्तावों पर संसद की स्वीकृति मांगी गई। भारत की संचित निधि से होने वाले इस खर्च में मुख्य रूप से क्षमता विस्तार, सुरक्षा में सुधार, रेल नेटवर्क पर भीड़ कम करने और यात्री सुविधाओं जैसी प्राथमिकताओं को शामिल किया गया है, साथ ही रेलवे की परिचालन प्रतिबद्धताओं के बीच एक संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एलपीजी की किल्लत के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, कहा- महंगाई ने तोड़ी आम आदमी की कमर

नालंदा। नालंदा में रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि, आपूर्ति में किल्लत को लेकर जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष नरेश प्रसाद अकेला के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अस्पताल चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय से जुलूस की शक्ल में निकले, जो भैसासुर मोड़ होते हुए अस्पताल चौक पहुंचा। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष नरेश प्रसाद अकेला ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज देश की आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ती कीमतों से त्रस्त है, लेकिन प्रधानमंत्री इस ज्वलंत मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। विशेष रूप से एलपीजी सिलेंडर की किल्लत और बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। गरीब, मध्यम वर्ग, किसान और मजदूर वर्ग इस आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, परंतु केंद्र सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। नरेश प्रसाद अकेला ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनता के मुद्दों को सड़क से लेकर संसद तक उठाती रही है। इसी क्रम में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सांसदों ने सदन में भी इन जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज बुलंद की है। उन्होंने युवाओं के सामने खड़े रोजगार के संकट और किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य न मिलने पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। प्रदर्शन के अंत में जिला अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह स्थिति लोकतंत्र और जनहित के लिए चिंताजनक है। यदि केंद्र सरकार ने जल्द ही एलपीजी संकट, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी। नालंदा जिला कांग्रेस कमेटी जल्द ही आम जनता की राय लेकर जिले में चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत करेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से हैदर आलम, रमेश पासवान, राजेंद्र चौधरी, निसार अहमद, आयान आलम, शाहिल आलम, अमन राज, राकेश कुमार, संतु कुमार, शिवसदन सिंह, रौशन कुमार, शिशुपाल प्रसाद, दिलीप कुमार सिन्हा, अस्कर भारती, निपेन्द्र कुमार, अधिवक्ता मो. इम्तियाज आलम, शिवनाथ चौधरी, किरानी पासवान, वाल्मीकि पासवान, अनिल कुमार चंद्रवंशी, विछि ठठेरा और नजमी इम्तियाज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्कूल शिफ्टिंग का विरोध, ग्रामीणों ने कहा- नई जगह डेढ़ किमी दूर है, हमारे बच्चे सड़क पारकर कैसे जाएंगे

नालंदा। नालंदा के रहुई प्रखंड के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय, मल्लीचक को शिक्षा विभाग की ओर से दूसरे गांव (रामपुर या काजीचक) शिफ्ट करने का आदेश दिया है। जिसके बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। पिछले 12 साल से यह स्कूल गांव के ही पंचायत (सामुदायिक) भवन में चल रहा है। भवनहीन होने के कारण विभाग ने इसे स्थानांतरित करने का फैसला लिया है, लेकिन ग्रामीण इसके सख्त खिलाफ हैं। ग्रामीणों-अभिभावकों ने कह दिया है कि वे अपने छोटे-छोटे बच्चों को जान जोखिम में डालकर दूसरे गांव पढ़ने नहीं भेजेंगे। उनकी मांग है कि गांव में ही स्कूल का अपना भवन बनाया जाए। गांव के निशांत कुमार, शिव कुमार प्रसाद और वार्ड सदस्य ने बताया कि मल्लीचक से रामपुर स्कूल की दूरी करीब डेढ़ किलोमीटर है। वहां जाने के लिए छोटे बच्चों को मुख्य सड़क पार करनी पड़ेगी, जहां हमेशा तेज रफ्तार गाड़ियां चलती हैं। इससे किसी भी वक्त हादसे की आशंका बनी रहेगी। बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? महिला अभिभावक मंजू देवी और रसोइया ने भी स्पष्ट कहा कि वे किसी भी कीमत पर बच्चों को दूसरे गांव नहीं भेजेंगी। ग्रामीणों का यह भी तर्क है कि दूसरे गांव जाने पर बच्चों के बीच आपसी विवाद या झगड़े भी हो सकते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के पास ही जमीन उपलब्ध है, सरकार को वहीं जल्द से जल्द स्कूल भवन का निर्माण कराना चाहिए। स्कूल की प्रधान शिक्षिका (एचएम) प्रीति राज ने बताया कि वर्तमान पंचायत भवन में 70-75 बच्चों को पढ़ाने में भारी दिक्कत हो रही है। जगह की कमी के कारण बच्चों को कड़ी धूप में बैठना पड़ता है। इस नजरिए से सरकार का शिफ्टिंग का फैसला ठीक लगता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से यह संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि जिस रामपुर स्कूल में शिफ्ट करने की बात हो रही है, वहां के एचएम से उनकी बात हुई है। रामपुर स्कूल में भी मात्र 3 कमरे हैं और वहां पहले से ही 50-60 बच्चे नामांकित हैं। ऐसे में 75 नए बच्चों के लिए मात्र एक कमरा मिलेगा, जिसमें सभी बच्चों को व्यवस्थित करना पूरी तरह से असंभव है। प्रधान शिक्षिका ने बताया कि गांव में अभिभावकों के साथ एक 'आम सभा' (ग्राम सभा) बुलाई गई है। इस सभा में स्कूल शिफ्टिंग को लेकर अभिभावकों से उनका मंतव्य लिया जाएगा। ग्राम सभा में जो भी सर्वसम्मति से निर्णय या प्रस्ताव पारित होगा, उसे लिखित रूप में शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा, ताकि बच्चों के भविष्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उचित फैसला लिया जा सके।

कॉलेज पर जबरन कब्जे की कोशिश का आरोप, प्रिंसिपल-सचिव ने उपद्रवियों पर कार्रवाई की मांग की

नालंदा। बिहार शरीफ स्तिथ P.M.S. कॉलेज, पहाड़पुरा के सचिव डॉ. रघुनाथ प्रसाद कछवे,प्रिंसिपल बलराम प्रसाद और अन्य कॉलेज पदाधिकारियों ने एक मामले को लेकर आज प्रेस कांफ्रेंस की। जिसमें आरोप लगाया गया है कि कुछ लोग कॉलेज की संपत्ति और फंड पर अवैध कब्ज़ा करने के लिए हंगामा कर रहे हैं। मामले में राजकुमार प्रसाद, उनके भाई संजय कुमार, रंजय कुमार वर्मा उर्फ रंजू और उनके बेटे पर गंभीर आरोप लगे हैं, जिनमें जबरन कब्ज़ा करने की कोशिश, मारपीट, गाली-गलौज और कॉलेज के पदाधिकारियों को धमकाने जैसी हरकतें शामिल हैं। मंगलवार को पैरु महतो सोमरी महाविद्यालय के कुछ शिक्षक नालंदा कॉलेज पहुंचे और सचिव डॉ. रघुनाथ प्रसाद कछवे के खिलाफ बैनर-पोस्टर के साथ नारेबाजी की। इन शिक्षकों का आरोप था कि कॉलेज में सरकारी अनुदान के वितरण में अनियमितता और भेदभाव हुआ है। हालांकि, कॉलेज प्रबंधन ने इन आरोपों को निराधार बताया और कहा कि यह मामला दरअसल कॉलेज की संपत्ति पर अवैध कब्ज़ा करने की कोशिश से जुड़ा है। प्रबंधन का दावा है कि राजकुमार प्रसाद और उनके परिवार के सदस्य, जिन्होंने कॉलेज के लिए ज़मीन दान नहीं दी है, अब कॉलेज की संपत्ति पर दावा कर रहे हैं और प्रबंधन को धमका रहे हैं। प्रबंधन ने बताया कि राजकुमार प्रसाद,रंजय कुमार वर्मा उर्फ रंजू, संजय कुमार और उनके बेटे सूर्यकान्त ने कॉलेज के प्रिंसिपल और सचिव पद पर कब्ज़ा करने की धमकी दी है और कहा है कि वे किसी और को इन पदों पर नहीं रहने देंगे। प्रबंधन का आरोप है कि इन लोगों ने प्रबंधन के सदस्यों के साथ मारपीट करने की भी योजना बनाई है। कॉलेज प्रबंधन ने प्रशासन से इन उपद्रवी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है ताकि कॉलेज के पदाधिकारी सुरक्षित रह सकें और कॉलेज का कामकाज सुचारू रूप से चल सके। सचिव ने बताया कि कॉलेज के पास करीब चार करोड़ रुपये का फंड है, जिस पर राजकुमार प्रसाद और उनके परिवार की बुरी नज़र है। वे लोग कॉलेज पर अवैध कब्ज़ा कर इस फंड को लूटना चाहते हैं और कॉलेज की आय को अपनी निजी संपत्ति बनाना चाहते हैं। प्रबंधन का कहना है कि यह सब कुछ कॉलेज के सचिव डॉ. रघुनाथ प्रसाद कछवे की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के कारण ही मुमकिन नहीं हो पाया है। प्रबंधन ने राजकुमार प्रसाद और उनके परिवार पर अवैध बहालियां करने और कॉलेज के फंड का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इन लोगों ने अपने कुछ नाते-रिश्तेदारों को कॉलेज में नियुक्त किया है और उन्हें गलत तरीके से वेतन दे रहे हैं। प्रबंधन ने इन अवैध बहालियों की जांच करने की भी मांग की है। इस गंभीर मामले को देखते हुए कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस और प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। प्रबंधन ने कहा है कि कॉलेज के सचिव और उनके परिवार की जान को खतरा है और उन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से उपद्रवी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की भी अपील की है ताकि कॉलेज का माहौल शांत और सुरक्षित बना रहे। इस अवसर पर कॉलेज के सचिव, प्राचार्य, शिक्षक प्रतिनिधि, प्रभारी-प्राचार्य और बड़ाबाबू मौजूद रहें।

अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक में दिए कड़े निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास : नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन के समीप स्थित अजीत ऑडिटोरियम हॉल में बुधवार को आगामी ईद,चैती छठ और रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से मनाने के लिए अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता रोहतास एडीएम ललित भूषण रंजन ने की । बैठक में बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार, एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह,भूमि सुधार उपसमाहर्ता संतोष कुमार मुख्य रूप से रहे । उक्त अवसर पर बिक्रमगंज नगर परिषद व अन्य नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी समेत अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंडों के बीडीओ,सीओ,थानाध्यक्ष,अन्य अधिकारी,जनप्रतिनिधि,मीडिया प्रतिनिधि,सामाजिक कार्यकर्ता, शांति समिति और पूजा समिति के सदस्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे । बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने पर्वो से जुड़ी अपनी समस्याएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे । अधिकारियों ने सभी बातों को गंभीरता से सुना और आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया । एडीएम ललित भूषण रंजन ने कहा कि सभी पर्वो को भाईचारे और शांति के साथ मनाना प्रशासन की प्राथमिकता है । उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान साफ-सफाई,पर्याप्त लाइटिंग,पेयजल व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी होनी चाहिए । उन्होंने मादक पदार्थो,शरारती तत्वों,शराबियों, सोशल मीडिया पर नकेल कसने की बातें कही । श्री रंजन ने पर्व में सीसीटीवी कैमरा,वीडियो ग्राफी व ड्रोन कैमरे से निगरानी करने की बातें कही । उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की गाइडलाइन का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी । वहीं एसडीएम प्रभात कुमार,एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह व भूमि सुधार उपसमाहर्ता संतोष कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि पर्वो के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है । उन्होंने कहा कि डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध,शराब पर सख्ती,ड्रोन कैमरे, वीडियो ग्राफी व सीसीटीवी कैमरे से निगरानी करने की भी बातें कही । साथ ही साथ असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा । संयुक्त रूप से तीनों अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी । बैठक में जिला और अनुमंडल स्तर के सभी विभागों के अधिकारी,जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि और समिति सदस्य मौजूद थे,जिन्होंने प्रशासन के निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया । प्रशासन ने सभी को पर्वो के दौरान सहयोग और सतर्क रहने की अपील की ।

विक्रमगंज नगर एवं ग्रामीण उत्तरी दक्षिणी का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान का कार्यक्रम हुआ संपन्न

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज/रोहतास। आज दिनांक 18 मार्च 2026 को काराकाट विधानसभा के अंतर्गत विक्रमगंज नगर एवं ग्रामीण उत्तरी दक्षिणी का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसका विधिवत उद्घाटन अपने पुरोधा के प्रति पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात आए हुए सभी अतिथियों का अंग वस्त्र एवं फूल माला से सम्मानित किया गया। उद्घाटन सत्र जिला अध्यक्ष संतोष पटेल के उद्बोधन एवं वंदे मातरम गीत से हुआ। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी नवीन चंद्र साह ने की। जिला अध्यक्ष ने कहा प्रशिक्षण से कार्यकर्ता की दक्षता शक्ति बढ़ती है इसके बदौलत ही पार्टी अपने लक्ष्य को प्राप्त करती है। सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विषय वस्तु को कार्यकर्ताओं के बीच रखा उनमें विधानसभा पालक अखिलेश पांडेय ,जिला मंत्री सत्येंद्र दुबे ,जिला के प्रवक्ता नवीन चंद्र साह, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रितेश राज ,विनीत सोनी जिला के उपाध्यक्ष अरुण पांडेय । प्रशिक्षण में वर्ग अधिकारी के रूप में रहे धनंजय सिंह ,मंडल अध्यक्ष गौतम तिवारी ,पंकज सिंह ,नगर उपाध्यक्ष सुदर्शन प्रसाद वैश्य ,काशीनाथ पासवान, शारदा पांडेय ,राकेश शर्मा ,नीलम देवी, शैलेंद्र गिरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं वंदे मातरम जय हिंद जय भारत की उद्घोष के साथ संपन्न हुआ।

करगहर बाजार में जाम के खिलाफ पुलिस सख्त, अतिक्रमण हटाने को चला अभियान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

करगहर (रोहतास)। बाजार में लगातार लगने वाले जाम से परेशान लोगों को राहत दिलाने के लिए बुधवार को पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम खुद सड़कों पर उतरी और अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया। अचानक हुई इस कार्रवाई से दुकानदारों और वाहन चालकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

अभियान के दौरान सड़क किनारे खड़ी अवैध बाइकों, दुकानों के आगे लगाए गए ठेले और सड़क पर फैले सामान को हटवाया गया। ई-रिक्शा चालकों को भी सख्त हिदायत दी गई कि वे निर्धारित स्थान पर ही वाहन खड़ा करें। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि सड़क पर अतिक्रमण और मनमाने तरीके से वाहन खड़ा करना जाम की मुख्य वजह है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी होती है।

पुलिस ने मौके पर कई जगहों को अतिक्रमण मुक्त कराया और यातायात को सुचारु बनाने की कोशिश की। इस दौरान एसआई दिलीप राम, चौकीदार गुप्तनाथ सिंह, विजय सिंह, लालबाबू कुमार, धनजी कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी सक्रिय रूप से मौजूद रहे। थानाध्यक्ष ने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने दुकानदारों और वाहन चालकों से सहयोग की अपील करते हुए चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की और उम्मीद जताई कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलते रहे तो बाजार में जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकेगी।

शिवपुर पैक्स चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न : कड़ी सुरक्षा के बीच 50.51 प्रतिशत मतदान, देर रात तक आएंगे नतीजे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज / रोहतास : प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत शिवपुर पैक्स चुनाव बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया । निर्धारित समयानुसार मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 4:30 बजे तक चला । चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और पूरे दिन मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। मतदान के लिए राजकीयकृत मध्य विद्यालय शिवपुर को केंद्र बनाया गया था,जहां कुल तीन बूथ—12, 12(क) और 12(ख) स्थापित किए गए थे । मतदान की प्रक्रिया बैलेट पेपर के माध्यम से कराई गई । इस चुनाव में कुल 1445 मतदाता थे,जिनमें पुरुष और महिला दोनों शामिल थे । सुबह से ही मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला । लोग समय पर मतदान केंद्र पहुंचकर शांतिपूर्ण तरीके से अपने मताधिकार का प्रयोग करते रहे। चुनाव के दौरान वरीय अधिकारियों की सक्रियता भी लगातार बनी रही। एसडीएम प्रभात कुमार,बिक्रमगंज पुलिस इंस्पेक्टर शेर सिंह यादव, बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार, काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मतदान केंद्र का निरीक्षण करते रहे और व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे । वहीं निर्वाची पदाधिकारी सह बिक्रमगंज बीडीओ सुनील कुमार गौतम,पुलिस बल और सुरक्षाकर्मी मुस्तैद दिखे । निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ सुनील कुमार गौतम ने बताया कि शिवपुर पैक्स चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उन्होंने जानकारी दी कि इस चुनाव में लगभग 50.51 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने आगे बताया कि मतदान समाप्त होने के कुछ ही देर बाद प्रखंड कार्यालय बिक्रमगंज के परिसर में मतगणना की प्रक्रिया शुरू की जाएगी । प्रशासन की ओर से मतगणना को लेकर भी सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं । देर रात तक चुनाव परिणाम घोषित होने की संभावना जताई जा रही है ।

चैती नवरात्रि का शुभारंभ आज से, मां शैलपुत्री की आराधना के साथ भक्तिमय हुआ बिक्रमगंज क्षेत्र

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज / रोहतास : नगर सहित आसपास के सभी प्रखंडों के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में चैती नवरात्रि को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल चरम पर है । नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के लिए सभी देवालयों और घर-घर में व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं । मंदिरों की साफ-सफाई,सजावट और पूजा सामग्री की व्यवस्था पहले ही कर ली गई है,जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में रंग गया है । चैती नवरात्रि के प्रथम दिन यानी आज गुरुवार की अहले सुबह से ही मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधिवत पूजा-अर्चना शुरू होगी । सुबह ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धालु स्नान- ध्यान कर पूजा स्थलों पर पहुंचेंगे और माता रानी के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठेगा । पूजा प्रारंभ होने से पूर्व माता भगवती के निमित्त विद्वतजनों द्वारा वैदिक परंपरा के अनुसार विधि-विधान के साथ मुख्य यजमान के माध्यम से कलश स्थापना कराई जाएगी । इस दौरान मंत्रोच्चार और हवन के साथ विधिवत पूजन किया जाएगा । कलश स्थापना के बाद मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की आराधना की जाएगी, जिन्हें पर्वतराज हिमालय की पुत्री और शक्ति का प्रतीक माना जाता है ।नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धालु विशेष रूप से व्रत रखकर माता की पूजा करेंगे और दिनभर भजन-कीर्तन तथा दुर्गा सप्तशती के पाठ का आयोजन किया जाएगा । कई मंदिरों में अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाएगी,जो पूरे नौ दिनों तक निरंतर जलती रहेगी । इसके अलावा शाम के समय आरती और भक्ति कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे । स्थानीय बाजारों में भी नवरात्रि को लेकर खास रौनक देखने को मिली । फल, फूल,पूजा सामग्री,नारियल,चुनरी और प्रसाद की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी । दुकानदारों ने भी ग्राहकों की सुविधा के लिए विशेष तैयारियां की थी । श्रद्धालुओं का मानना है कि नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है । प्रशासन और स्थानीय समितियों द्वारा भी मंदिरों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्वक पूजा- अर्चना कर सकें । चैती नवरात्रि के आगमन के साथ ही पूरा बिक्रमगंज क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर हो गया है और हर ओर "जय माता दी" के जयकारे सुनाई दे रहे हैं ।

एक सौ अड़तीस लोगों को प्रशासन ने वितरित कराया गैस सिलेंडर

वितरण केंद्र पर लोग लाईन में लग करा रहें हैं सिलेंडर की केवाइसी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

राजपुर। प्रखण्ड मुख्यालय स्थित ग्रामीण इंडेन गैस ग्रामीण वितरण केंद्र पर बुधवार को स्थानिय प्रशासन ने पंचायत सचिव अंकित कुमार के निगरानी में 138 लोगों को गैस सिलेंडर वितरित कराया. जानकारी देते हुए पंचायत सचिव ने बताता कि गैस एजेंसी के पास प्रशासनिक स्तर पर जितना गैस सिलेंडर उपलब्ध है. मोबाइल नम्बर से बुकिंग किये धारकों के बीच वितरण कराया गया.

एजेन्सी संचालक विनीता प्रसाद के पति प्रदीप कुमार साह ने बताया कि गैस कनेक्शन लिये उपभोक्ताओं की बहुत बड़ी सख्या का केवाईसी पेंडिंग है.अब बुकिंग के उपरांत हीं सिलेंडर मिलना सरकार ने तय किया है.जिस कारण सभी कनेक्शन धारकों का केवाईसी किया जा रहा है.जिससे उपभोक्ताओं का सिलेंडर के लिए असानी से बुकिंग हो सके.

उधर गैस सिलेंडर के लिए एजेन्सी पर भारी संख्या में लोग लाईन में लग रहे हैं.लाईन में खड़े लोगों ने कहा कि बहुत परेशान हो रहे हैं.प्रतिदिन लाईन लगते हैं.बुकिंग के लिए मोबाइल से नम्बर लगया जा रहा है,लेकिन ओटिपी नहीं आ रहा है.

जीविका दीदियों को टीबी-एचआईवी जागरूकता का प्रशिक्षण, 100 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सीतामढ़ी। जिले में स्वास्थ्य जागरूकता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला यक्ष्मा केंद्र, सीतामढ़ी के सभागार में जीविका दीदियों के लिए टीबी एवं एचआईवी जागरूकता तथा सामाजिक सुरक्षा विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला यक्ष्मा पदाधिकारी सह जिला एड्स कंट्रोल पदाधिकारी डॉ. जेड जावेद की अध्यक्षता में दो अलग-अलग बैचों में संपन्न हुआ, जिसमें ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की लगभग 100 जीविका दीदियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस दौरान प्रतिभागियों को टीबी (क्षय रोग) एवं एचआईवी/एड्स से संबंधित आवश्यक जानकारी, उनके लक्षण, बचाव के उपाय, समय पर जांच एवं उपचार के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिससे प्रभावित व्यक्तियों को सरकारी सहायता प्राप्त हो सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जेड जावेद ने कहा कि जीविका दीदियां समुदाय में बदलाव लाने की सशक्त कड़ी हैं। उन्होंने बताया कि यदि ये दीदियां अपने-अपने क्षेत्रों में सही जानकारी पहुंचाएं, तो टीबी और एचआईवी जैसी बीमारियों की रोकथाम में काफी हद तक सफलता मिल सकती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे अपने गांव एवं मोहल्लों में लोगों को जागरूक करें और जरूरतमंदों को जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करें।

भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी रोकने को एनजीओ एकजुट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रक्सौल में समन्वय बैठक आयोजित

मेहसी। निर्मला पैलेस, रक्सौल में बुधवार को न्याय नेटवर्क प्रोजेक्ट (डंकन अस्पताल) के तत्वावधान में तथा इंटर एजेंसी ग्रुप, पूर्वी चंपारण के संयुक्त प्रयास से एनजीओ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता इंटर एजेंसी ग्रुप के संयोजक अमर ने की, जबकि संचालन न्याय नेटवर्क परियोजना प्रबंधक प्रणय सोमीत मोहंती ने किया।बैठक का शुभारंभ करते हुए अमर ने कहा कि भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र वर्षों से विकास, शिक्षा और रोजगार के अवसरों से वंचित रहा है।

साथ ही हर वर्ष आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण मानव तस्करी, बाल मजदूरी, बाल विवाह, कुपोषण और संचार व्यवस्था की कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, जो सरकारी उदासीनता के चलते और गंभीर हो रही हैं।बैठक में उपस्थित सभी सामाजिक संगठनों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि बच्चों को मानव तस्करी, शोषण और अन्य अपराधों से बचाने के लिए सभी संस्थाएं आपसी समन्वय और सहयोग के साथ कार्य करेंगी। इसके अलावा सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान, शीघ्र कार्रवाई और पीड़ित बच्चों के पुनर्वास के लिए एक सशक्त नेटवर्क तैयार करने पर भी सहमति बनी।सभी सदस्यों ने समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।इस अवसर पर बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप, आशीष परियोजना नेपाल, माइती नेपाल, ग्राम नियोजन केंद्र, बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन), चाइल्ड हेल्पलाइन, प्रयास संस्था, स्वच्छ रक्सौल, माहेर ममता निवास, प्रथम संस्था, नेत्रिका फाउंडेशन, सीबीआर प्रोजेक्ट, करुणा प्रोजेक्ट सहित भारत और नेपाल के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में न्याय नेटवर्क परियोजना निदेशक जॉन थो, कामेश पॉल, गौरव कुमार राव, राकेश कुमार, मथुरा राम, हामिद रज़ा, आरती कुमारी, ज्योति सिंह, संजय मिश्रा एवं अनिरुद्ध कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आईसीडीएस की संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी

अररिया। समेकित बाल विकास परियोजना के जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में सभी परियोजनाओं की महिला पर्यवेक्षिकाओं एवं प्रखंड समन्वयकों के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में आईसीडीएस द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की क्रमवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष में कोई भी आंगनबाड़ी केंद्र कच्चे मकान में संचालित नहीं होगा। साथ ही केंद्रों पर साफ-सफाई एवं सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में महिला पर्यवेक्षिकाओं को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सबसे पहले संबंधित पर्यवेक्षिका के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पोषण ट्रैकर में सभी गतिविधियों को समय पर सही तरीके से अपलोड एवं सत्यापित करने का निर्देश दिया गया। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत आवेदनों के निष्पादन में तेजी लाने पर बल देते हुए सभी लंबित आवेदनों को 24 घंटे के भीतर निष्पादित करने का सख्त निर्देश दिया गया। साथ ही परवरिश योजना के लाभुकों का सही सर्वे कर निर्धारित प्रपत्र में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया, ताकि योग्य लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिल सके। बैठक में जिला प्रोग्राम कार्यालय के कुणाल श्रीवास्तव, सोहेब रूमी, अनुज रंजन, अखिलेश कुमार, सभी प्रखंड समन्वयक एवं यूनिसेफ के प्रतिनिधि आशुतोष कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में गश्ती बढ़ाने और सतर्क रहने की सख्त हिदायत

अररिया। डीएम विनोद दूहन की अध्यक्षता में परमान सभागार में बुधवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 20 मार्च एवं 21 मार्च को मनाए जाने वाले ईद-उल-फितर तथा 27 मार्च को आयोजित होने वाले रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी ने विधि-व्यवस्था के संधारण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। साथ ही उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से गश्ती बढ़ाने एवं सतर्क रहने का निर्देश दिया। शांति समिति के सदस्यों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। सदस्यों ने आपसी भाईचारा बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेशों के प्रसार को रोकने पर विशेष बल दिया। साथ ही आम नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। बैठक में बताया गया कि पर्व के दौरान डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अतिरिक्त जुलूस मार्गों सत्यापन पूर्व में करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के आलाधिकारी मौजूद रहे।

असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन पद पर बहाली के लिए आवेदकों की काउंसलिंग की गयी

अररिया। डीडीसी सह अध्यक्ष जिला चयन समिति की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजनान्तर्गत असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन पद हेतु प्राप्त आवेदनों के आलोक में चयन प्रक्रिया को लेकर बुधवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में आवेदकों की काउंसलिंग की गई, जिसमें कुल 89 आवेदनों में 50 अभ्यार्थियों ने भौतिक रूप से उपस्थित होकर भाग लिया। काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों के शैक्षणिक प्रमाण पत्र, तकनीकी योग्यता एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का गहन जांच किया गया। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से सभी आवेदकों का क्रमवार मूल्यांकन किया गया। इस क्रम में अभ्यर्थियों से उनके कौशल एवं अनुभव से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की गई। बैठक में सहायक निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण,सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग तथा संबंधित प्रशिक्षण प्रदाता एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना के तहत युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी।

केमिस्टस एसोसिएशन के चुनाव में दाखिल सभी नामांकन पत्र वैध

अररिया। फारबिसगंज केमिस्टस एंड ड्रगिस्टस एसोसिएशन के सत्र 2026-29 के लिए 5 अप्रैल को होने वाले चुनाव के तहत नामांकन पत्रों की जांच एवं संविक्षा करने के बाद विभिन्न पदों के लिए कुल 12 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए गए। 6 पदों के लिए होने वाले इस संगठनात्मक चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए अवधेश कुमार साह एवं मो. इम्तियाज, सचिव पद के लिए शंकर प्रसाद साह, कुंदन कुमार एवं मनोज कुमार भारती, कोषाध्यक्ष पद के लिए सुनील गुप्ता एवं सुधीर कुमार जायसवाल, संगठन सचिव के लिए मुकेश जायसवाल एवं मणिशंकर कुमार, उपाध्यक्ष पद के लिए गोपाल कृष्ण सोनु एवं मनोज मेहता जबकि संयुक्त सचिव पद के लिए गणेश यादव प्रत्याशी हैं। सचिव पद के लिए त्रिकोणात्मक मुकाबला होगा। वहीं अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष संगठन सचिव, उपाध्यक्ष के बीच सीधी टक्कर होगी।जबकि संयुक्त सचिव पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार होने के कारण गणेश यादव निर्विरोध चुने जाएंगे। आशय की जानकारी मुख्य चुनाव पदाधिकारी संदीप डाबरीवाला,मार्गदर्शक विनोद सरावगी एवं सहायक चुनाव पदाधिकारी अजीत कुमार झा एवं मो. जासीम द्वारा दी गई। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सिद्धसागर भवन में 5 अप्रैल को चुनाव होगा और उसी दिन परिणाम की घोषणा भी की जाएगी।

जिले के 57 पंचायतों में पैक्स चुनाव को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से हुआ मतदान

अररिया। जिले के 57 पंचायतों में पैक्स चुनाव को लेकर बुधवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सुबह सात बजे से पैक्स चुनाव के लिए मतदाता मतदान के लिए मतदान केंद्रों पर पंक्तिबद्ध होकर खड़े हो गए।चुनाव को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।दंडाधिकारी के साथ पुलिस अधिकारियों और बलों की तैनाती मतदान केन्द्र पर की गई थी,ताकि मतदाता निर्भीक होकर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कर सके। जिले के कुल 186 मतदान केंद्रों पर मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारियों और भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। मतदान सुबह सात बजे से शाम 4 बजकर 30 मिनट तक चली।जिला प्रशासन ने स्वच्छ, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक बूथ पर दंडाधिकारी और पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किया था। जानकारी के अनुसार, जिले में कुल 69 पंचायतों में चुनाव प्रस्तावित था। इनमें से 9 पंचायतों में पैक्स चेयरमैन पद के लिए निर्विरोध निर्वाचन हो गया। वहीं, जोकीहाट प्रखंड की तीन पंचायतों में कोरम पूरा न होने के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया है। इस प्रकार, अब 57 पंचायतों में ही मतदान हो रहा है।खासतौर पर अररिया प्रखंड में 9 पंचायतों के लिए पैक्स चेयरमैन पद का चुनाव हो रहा है, जबकि 5 पंचायतों में कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए वोटिंग हुई।इन 9 पंचायतों के लिए कुल 25 बूथ बनाए गए थे, जहां पैक्स चेयरमैन पद के लिए 28 प्रत्याशी मैदान में हैं। इस बीच, कुसियारगांव पंचायत से निवर्तमान चेयरमैन धीरेंद्र प्रसाद सिंह और बेलवा पंचायत से पूर्व चेयरमैन तनवीर आलम निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

पटना हाईकोर्ट के सर्किट बेंच की स्थापना की मांग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में उच्च न्यायालय की खंडपीठ या पटना उच्च न्यायालय के सर्किट बेंच की स्थापना की मांग एक बार फिर जोर पकड़ती नजर आ रही है। यह मांग पिछले कई दशकों से लगातार उठती रही है। सामाजिक संगठनों, वकीलों और विभिन्न समुदायों की ओर से साल 1967 से ही इस मुद्दे को लेकर आंदोलन चलाया जा रहा है। आज धरना प्रदर्शन के 100 दिन पूरे हुए। जिसको लेकर कलेक्ट्रेट ऑफिस के ठीक पीछे अधिवक्ताओं ने धरना दिया।

15 जिलों के लोगों को भी इसका सीधा फायदा मिलेगाः वरिष्ठ अधिवक्ता ओमप्रकाश तिवारी ने कहा कि भागलपुर पूर्वी बिहार का महत्वपूर्ण केंद्र है और यहां उच्च न्यायालय की बेंच की स्थापना से न केवल न्यायिक प्रक्रिया सुगम होगी, बल्कि आसपास के करीब 15 जिलों के लोगों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि अभी इन जिलों के लोगों को पटना तक जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की काफी हानि होती है। आगे कहा कि इस मांग को लेकर वकील , अन्य सामाजिक संगठनों ने मिलकर लगातार आवाज उठाई है। अब रणनीति के तहत भागलपुर के साथ-साथ आसपास के जिलों के संगठनों को भी इस आंदोलन से जोड़ा जा रहा है, ताकि इसे व्यापक जनसमर्थन मिल सके। ओमप्रकाश तिवारी ने कहा कि यदि सरकार इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाती है, तो सड़क पर उतरकर आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस जनहित से जुड़े मुद्दे को विधानसभा में मजबूती से उठाएं। उन्होंने यह भी बताया कि यह मामला पहले संसद में उठाया जा चुका है, लेकिन उस समय यह कहकर टाल दिया गया था कि बिहार सरकार की ओर से कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

उच्च न्यायालय बेंच की स्थापना सुनिश्चित करें सरकारः ऐसे में अब आवश्यक है कि राज्य सरकार इस विषय पर पहल करे और भागलपुर में उच्च न्यायालय बेंच की स्थापना सुनिश्चित करें। स्थानीय लोगों और संगठनों को उम्मीद है कि इस बार उनकी वर्षों पुरानी मांग पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी और पूर्वी बिहार के लोगों को न्यायिक सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

गांजा के साथ 2 महिलाओं को किया गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान आरपीएफ-जीआरपी और CPDS की संयुक्त टीम ने 2 महिलाओं को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई भागलपुर रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में की गई। जहां पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर दोनों महिलाओं को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने दोनों महिलाओं के पास से कुल 6 किलो गांजा बरामद किया। जब्त गांजा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 लाख रुपए बताई जा रही है। इसके अलावा महिलाओं के पास से 6,000 रुपए नगद और 2 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान नवगछिया इस्माइलपुर क्षेत्र निवासी संजय मंडल की पत्नी सुगनी देवी (25) और जलधार मंडला की पत्नी अनीता देवी के तौर पर हुआ है। पुलिस की पूछताछ में दोनों महिलाओं ने स्वीकार किया कि वे गांजा की खेप को दिल्ली ले जाने की तैयारी में थी।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्जः प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस तस्करी के पीछे एक संगठित नेटवर्क सक्रिय हो सकता है, जिसकी जांच की जा रही है। RPF इंस्पेक्टर अमित कुमार गिरि ने बताया कि रेलवे परिसर में नशा तस्करी के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई, जिसमें बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया गया है। दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन छानबीन में जुटी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

बाइक सवार 4 युवकों को ट्रैक्टर ने रौंदा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में बुधवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक ही बाइक सवार चार युवकों को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बाख़रपुर थाना क्षेत्र के धनपाल टोला स्थित मुख्य मार्ग की है। मृतक की पहचान बाकरपुर पश्चिमी के रहने वाले प्रकाश मंडल के बेटे सिंटू कुमार के रूप में हुई है। वहीं, घायलों की पहचान गोलू कुमार, रवि कुमार और मिथुन कुमार के रूप में की गई है। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

टक्कर के बाद सड़क पर गिरे, कुचलते हुए निकला ट्रैक्टरः बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार चारों युवक धनपाल टोला चौक की ओर से आ रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गए और ट्रैक्टर उन्हें कुचलते हुए आगे बढ़ गया, जिससे सिंटू कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय निवासी सुमित ने बताया कि घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को पीरपैंती रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। सूचना मिलते ही परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। घटनास्थल पर मौजूद राजेश नाम के प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि चारों लड़के एक ही बाइक पर सवार थे। चारों डीजे का काम करते थे। ट्रैक्टर और उसे चला रहे ड्राइवर की पहचान नहीं हो पाई है। हादसे की सूचना के बाद घायल के परिजन और दोस्त मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

एलपीजी के लिए लाइन में खड़े लोग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के अलग-अलग एलपीजी गैस एजेंसियों पर आज सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। खासकर जगदीशपुर प्रखंड के डाउट वाट स्थित एचपी गैस एजेंसी पर बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर लेने के लिए पहुंचे। एजेंसी की ओर से कतारबद्ध तरीके से एलपीजी सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है, लेकिन तेज धूप के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रतनगंज निवासी दीपक कुमार ने बताया कि उन्होंने होली के आसपास ही गैस सिलेंडर के लिए बुकिंग कराई थी। उन्हें डिलीवरी का मैसेज भी हासिल हो गया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अब तक सिलेंडर नहीं मिल सका है। सुबह से लाइन में खड़े रहने के बावजूद वितरण में देरी हो रही है, जिससे लोगों को असुविधा हो रही है। वहीं, एलपीजी सिलेंडर लेने पहुंचीं राबिया खातून ने बताया कि वह छोटे बच्चों के साथ लाइन में खड़ी हैं, लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि भीड़ और धूप के कारण स्थिति और भी कठिन हो गई है।

DM बोले- एलपीजी सिलेंडर की कोई कमी नहींः DM नवल किशोर चौधरी ने कहा कि जिले में एलपीजी सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। एचपी गैस एजेंसी की डिस्ट्रीब्यूटर मौसमी रानी ने बताया कि सिलेंडर की कमी को लेकर फैलाई जा रही खबरें पूरी तरह अफवाह हैं।

जवान का सरकारी पिस्टल चोरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर में विशेष न्यायाधीश द्वितीय उत्पाद न्यायालय के अंगरक्षक का सरकारी पिस्टल चोरी हो गया है। यह घटना कासिम बाजार थाना क्षेत्र के संदलपुर में हुई। पीड़ित जवान ने 15 मार्च को प्राथमिकी दर्ज कराई, लेकिन दो दिन बाद भी पिस्टल बरामद नहीं हो सका है। विशेष न्यायाधीश उत्पाद द्वितीय मुंगेर के अंगरक्षक अमरनाथ कुमार यादव संदलपुर कुम्हार टोली स्थित श्यामदेव राय के मकान में किराए पर रहते हैं। उनके पास सरकारी पिस्टल था। जवान अमरनाथ कुमार यादव 14 मार्च को न्यायाधीश से अनुमति लेकर अपने परिवार को घर पहुंचाने गए थे। 15 मार्च की सुबह वह पुलिस लाइन लौटे।

वर्दी पहनकर पिस्टल लेने बक्से के पास गएः सुबह 6 बजे ड्यूटी पर जाने के लिए जब वह अपने कमरे पर पहुंचे और वर्दी पहनकर पिस्टल लेने बक्से के पास गए, तो देखा कि बक्से का कुंडी टूटा हुआ था। पिस्टल बक्से में नहीं मिला। जवान ने पहले कमरे में और फिर घर के चारों ओर पिस्टल की तलाश की। इस दौरान उन्होंने पाया कि घर के अंदर आने वाले दूसरे दरवाजे का ताला भी टूटा हुआ था। जब पिस्टल का कोई सुराग नहीं मिला, तब उन्होंने थाने में सरकारी पिस्टल चोरी होने का मामला दर्ज कराया। इस घटना में पुलिस जवान की लापरवाही भी सामने आ रही है। नियमानुसार, जब कोई पुलिसकर्मी ड्यूटी से छुट्टी पर जाता है, तो उसे सुरक्षा की दृष्टि से सरकारी हथियार पुलिस लाइन शस्त्रागार में जमा करना होता है। इस मामले में ऐसा नहीं किया गया।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

सं. सीओएम/पार्सल/सीपीआरओ/एम/25 **दिनांक** 16.03.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (नीलामी संचालन अधिकारी), पूर्व रेलवे, मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, डाकघरः झलझलिया, जिला मालदा, पिनः732102 (पश्चिम बंगाल) ने मालदा मंडल के तहत एसएलआर में पार्सल जगह के परिचालन के लिए **www.ireps.gov.in** पर ई-ऑक्शन कैटलॉग प्रकाशित किया गया है। **ऑक्शन कैटलॉग नं.** : पार्सल-ईए-एमएआर-5, **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय** :30.03.2026 को 11.45 बजे। **क्रम सं. :1, लॉट सं.**: 13466-एसएलआर-एफ2-एमएलडीटी-एचडब्ल्यूएच-25-3 (पार्सल एसएलआर), **क्रम सं.:2, लॉट सं.**: 14003-एसएलआर-एफ1-एमएलडीटी-एनडीएलएस-25-3 (पार्सल-एसएएलआर), **क्रम सं.**: 3, **लॉट सं.**: 13466-एसएलआर-एफ1-एमएलडीटी-एचडब्ल्यूएच-25-3 (पार्सल-एसएलआर), **क्रम सं.**: 4, **लॉट सं.**:13072-एसएलआर-एफ1-जेएमपी-एचडब्ल्यूएच-25-2 (पार्सल-एसएलआर)। प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी के लिए आईआरईपीएस ई-ऑक्शन मॉड्यूल देखें।

MLD-375/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार सरकार

जल संसाधन विभाग
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
सिंचाई प्रमंडल, दाउदनगर।

E-mail ID- irrigationdivision.daudnagar@gmail.com

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 02/2025–26

(केवल ई–टेन्डर पद्वति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)

1.कार्य का विवरण :–

ग्रुप संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण – विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑन लाईन मोड में) (रू० में)	बेल्ट्रॉन को देय बिड प्रोसेसिंग फी (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑन लाईन मोड में) (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation and Restoration of Protection wall at right bank of chanda dy. at km 6.40 and km 15.20 and Renovation and Restoration work between km 12.13 to 13.13, Protection wall at km 3.20 and bed flooring of Tuturkhi Distributory and out let at Dihra feeder and Baffle wall.	29.80	59600.00	5000.00	590.00	45 दिन

2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत करने की तिथि :– दिनांक 13.03.2026
3. निविदा कागजात डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि :– दिनांक 24.03.2026 से दिनांक 04.04.2026 के 3:00 बजे अपराहन तक। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
4. प्री बीड मीटिंग की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक 02.04.2026 के 3:00 बजे अपराहन में कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, सिंचाई प्रमंडल, दाउदनगर।
5. निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 04.04.2026 के 3:00 बजे अपराहन । (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
6 तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 06.04.2026 के 3:30 बजे अपराहन । (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
7. वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय :– सक्षम पदाधिकारी द्वारा बाद में घोषित की जायगी। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
8. निविदा खोलने का स्थान :– www.eproc2.bihar.gov.in पर
9. निविदा की वैधता की अवधि :– 120 दिन
10. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, सिंचाई प्रमंडल, दाउदनगर।
11. विशेष जानकारी प्राप्त करने हेतु वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर देखा जा सकता है।

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता,
सिंचाई प्रमंडल, दाउदनगर।
मो0 नं0–07463889729

PR- 26650 (W R D) 2025-26

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

GOVERNMENT ENGINEERING COLLEGE, AURANGABAD
Arthua, Kasma, Rafiganj Aurangabad Bihar-824125
Website:- www.gecaurangabad.ac.in
Email. principal@gecaurangabad.ac.in

Govt. of Bihar

Ref. No. : GEC/Acc/Abad/ 68 /2026

Science, Technology & Technical Education Dept.

Inviting Short-term e-Tender Notice

(Through e-procurement mode only https://eproc2.bihar.gov.in)

E-Tender Notice No-GEC/Abad/Security/2025-26/01

Name of Work: "Tender for outsourcing of services of security guard, housekeeping (including sweeper) staff and gardener in government engineering college Aurangabad."

Sl. No.	Scope of work	Estimated cost (In Rupees)	Cost of tender document (In Rupees)	Tender processing Fee (Non-Refundable) (Inclusive GST)	Earnest Money (In Rupees)
1	Tender for outsourcing of services of security guard, house keeping (including sweeper) staff and gardener	NA	Rs. 5000.00 (Five Thousand only)	Rs. 590.00 (Five Hundred Ninety)	Rs. 200000.00 (Rupees Two Lacs only)

Tender Schedule/Program

S. No.	Event Description	Timeline
1	Last date & time of downloading the RFP	Till 04.04.2026 **up to 04:00 PM**, on eproc2.bihar.gov.in
2	Pre-bid meeting	**30.03.2026 at 11:00 AM**
3	Submission (upload) of online bidding document.	Till 04.04.2026 **up to 05:00 PM**, on eproc2.bihar.gov.in
4	Submission of EMD	Till 04.04.2026 **up to 05:00 PM**, in offline mode to Government Engineering College Aurangabad
5	Bid Opening Date	06.04.2026 at 01:00 PM on the eproc2.bihar.gov.in
6	Pre- bid meeting venue	Government Engineering College Aurangabad (Bihar) ,Arthua,Kasma,Rafiganj,Aurangabad,Bihar-824125
7	Contact person	Principal, Government Engineering College Aurangabad(Bihar) Mobile no : +91 8743074732 Email ID: principal@gecaurangabad.ac.in

Note:-Government Engineering College Aurangabad, reserves the right to Accept/Cancel/Reschedule tenders without assigning any reasons.

For further details please visit : www.state.bihar.gov.in/prdbihar

Principal
Government Engineering College, Aurangabad

PR- 026590 (Sci. & Tech.) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त समाचार

चैती छठ पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था व शांति के लिए जिला प्रशासन चौकस

आरा। ईद, रामनवमी व चैती छठ पर्व के दौरान जिले में विधि-व्यवस्था व शांति बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन चौकस व सतर्क है। मंगलवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार, आरा में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सबसे पहले सभी अनुमंडल पदाधिकारी व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों से उनके-अपने क्षेत्रों में आयोजित शांति समिति की बैठकों की स्थिति और विधि-व्यवस्था संधारण के लिए की गयी तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की गयी। इसके बाद शांति समिति के सदस्यों के साथ उनके-अपने क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गयी और उनके द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों को गंभीरता से सुना गया।

विद्युत, सड़क, साफ-सफाई, अग्निशमन, चिकित्सा दल व एंबुलेंस सेवा पर चर्चा: बैठक में प्रमुख तौर से विद्युत आपूर्ति, सड़क व्यवस्था, साफ-सफाई, अग्निशमन वाहन की उपलब्धता, चिकित्सा दल की तैनाती व एंबुलेंस सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शांति समिति द्वारा उठाई गयी समस्याओं का समयबद्ध व प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। ताकि तीनों पर्व शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें।

सीमेंट का रेक पहुंचने पर डीलर में खुशी

आरा| हीडलबर्ग सीमेंट इंडिया लिमिटेड (मायसेम सीमेंट) का आरा वेयरहाउस में पहली बार सीमेंट का रेक पहुंचा। इस अवसर पर विधिवत पूजा के साथ रेक का उद्घाटन किया गया, जिससे क्षेत्र में निर्माण कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम में भोजपुर, बक्सर और पटना क्षेत्र के सीएनएफ एवं एसपीए सविता ट्रेडिंग के प्रोपराइटर कुमार जय मिश्रा के नेतृत्व में कई प्रमुख डीलरों ने भाग लिया। उद्घाटन फीता काटकर किया गया, जिसमें मा गायत्री ट्रेडर्स, विनायक ट्रेडर्स, मा भवानी ट्रेडर्स सहित कंपनी के सेल्स ऑफिसर सूरज कुमार और अन्य डीलर उपस्थित रहे।

बड़हरा व बहोरनपुर थाना में नए थानाध्यक्षों की नियुक्ति

आरा| कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस महकमे में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए है। भोजपुर एसपी राज ने जिले के बड़हरा और बहोरनपुर थाना में नए थानाध्यक्षों की नियुक्ति की है। आरा पुलिस कार्यालय में एसटीएफ के नोडल पदाधिकारी रहे इंस्पेक्टर नागेंद्र पाल को बड़हरा का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि चरपोखरी थाने में अपर थानाध्यक्ष के पद पर तैनात दारोगा अजय कुमार को बहोरनपुर की कमान सौंपी गई है। यह कार्रवाई डीआईजी सत्य प्रकाश के अनुमोदन के बाद की गई है। साथ ही बड़हरा के पूर्व थानाध्यक्ष रविकांत प्रसाद को अब एएलटीएफ, एएनपीएफ और मद्य निषेध कोषांग का नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से इन दोनो थाना के कामकाज को लेकर सवाल उठ रहे थे। पूर्व में एक महिला की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एसपी राज ने बड़हरा थानाध्यक्ष रहे रविकांत प्रसाद पर कार्रवाई की थी। वही बहोरनपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष विजय कुमार को गिरफ्तारी और लंबित कांडो के निष्पादन में विफल रहने के कारण लाइन हाजिर (लाइन क्लोज) कर दिया।

दंपती ने खाया जहर, पत्नी की मौत

आरा। आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र के धरहरा मुसहर टोली में जहर खाने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका टाउन थाना क्षेत्र धरहरा मुसहर टोली वार्ड नंबर-34 निवासी मो. शाहिद की 20 वर्षीय पत्नी नाजिया खातून है। औरंगाबाद जिला के हसपुरा थाना क्षेत्र के अमझरशरीफ गांव निवासी मृतका के पिता मो. मुस्तकीम ने बताया कि बेटी नाजिया खातून की 2024 में धरहरा मुसहर टोली निवासी मो. शाहिद से शादी की थी। शादी के कुछ महीने बीत जाने के बाद से ही घरेलू विवाद को लेकर उसकी सास-पति मारपीट करने लगे। इसी बीच उन्हें सूचना मिली कि जहर खाने से उनकी बेटी की मौत हो गई है। सूचना पाकर परिजन उसके ससुराल धरहरा मुसहर टोली पहुंचे। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। दूसरी तरफ मृतका के पिता मो.मुस्तकीम ने उसके पति मोहम्मद शाहिद और सास पर अपनी बेटी को जहर देकर मारने का आरोप लगाया है।

पति ने भी खाया था जहर: पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बता दे कि दोनों पति-पत्नी ने आपस में झगड़ने के बाद जहर खा लिया था। हालांकि. उसके पति मो. शाहिद की तबीयत बिल्कुल ठीक थी। लेकिन उसे गंभीर हालत में मोहल्ले वासियों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया था। बताया जाता है कि मृतका की सिर्फ एक बेटी सनिका परवीन है। इस घटना के बाद मृतका की मां और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हत्याकांड के 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

आरा। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही गांव में रविवार की रात इंटर के छात्र सुमित कुमार पांडेय की हत्या हुई थी। पुलिस ने 24 घंटे में 3 की गिरफ्तारी की है। आरोपितों में बनाही गांव निवासी अविनाश पांडेय, विराज पांडेय और हरिश पांडेय उर्फ राजधन पांडेय शामिल हैं। हालांकि, हत्या में इस्तेमाल हथियार अब तक बरामद नहीं हो सका है। मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में पुलिस ने बताया कि हत्याकांड के खुलासे के लिए तकनीकी अनुसंधान, मानवीय सूचना और सीसीटीवी फुटेज का सहारा लिया गया। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक राज ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया था। घटना के संबंध में मृतक के दादा रामाकांत पांडेय के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके पट्टीदार अविनाश पांडेय की उनके घर पर अक्सर आवाजाही थी और वह उनकी बहू पर गलत नजर रखता था। इस बात का विरोध सुमित कुमार पांडेय ने किया था, जिसके कारण दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था। आरोप है कि इसी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया।

कुसंग जीवन का विष, सत्संग अमृतः भारतभूषण

आरा। जगदेव नगर में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के प्रथम दिन श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के बीच प्रवचन करते हुए श्रीमत् सनातन शक्तिपीठाध्यक्ष आचार्य डॉ. भारतभूषण जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन कुसंग, कुमार्ग और कुचिंतन के विष में जलने के लिए नहीं, बल्कि सत्संग, सदाचार और परोपकार के अमृत से सिंचित होने के लिए मिला है। उन्होंने कहा कि जीवन परमात्मा का सर्वोत्तम उपहार है, जिसे सही दिशा में उपयोग करना ही सच्चा धर्म है। आचार्य ने कहा कि संस्कारों का क्षरण ही वास्तविक मृत्यु है। एक ही माता-पिता के संरक्षण में पले-बढ़े गोकर्ण और धुंधुकारी का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि कुसंग के कारण धुंधुकारी अधोगति को प्राप्त हुआ, जबकि श्रेष्ठ संस्कारों के कारण गोकर्ण महापुरुष बनकर पूरे समाज को मार्गदर्शन देने वाले बने। उन्होंने कहा कि गुरु, ग्रंथ और गोविंद के सेवन में ही जीवन की वास्तविक सफलता निहित है। श्रीमद्भागवत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आचार्य ने कहा कि इससे भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की वृद्धि होती है तथा भगवत्प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। कलियुग में धर्म के नाम पर बढ़ रहे दंभ, द्वेष और पाखंड पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज की तरह विनम्रता और समर्पण भाव से उपासना करने पर ही स्वयं और समाज का कल्याण संभव है। आचार्य ने कहा कि भगवान की भक्ति ही जीवन का परम धन है और कथा ही सत्संग तथा अमृत है, जो जीव के हृदय में परमात्मा की स्थापना का सर्वोच्च माध्यम है। सनकादि, नारद, व्यास और शुक जैसे महर्षियों ने भी कथामृत के माध्यम से लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 19 मार्च को कैंपस प्लेसमेंट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर के डुमरांव स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) में 19 मार्च 2026 को एक मुफ्त कैंपस प्लेसमेंट चयन शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला जन संपर्क कार्यालय, बक्सर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। प्राचार्य मो॰ मसूद रशीद ने बताया कि इस शिविर में आईटीआई और अन्य योग्य अभ्यर्थी रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इस कैंपस चयन प्रक्रिया में देश की प्रमुख विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। इनमें टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स और क्वेस कॉर्प लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल हैं, जो युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी।

लगभग 19,128 रुपए मासिक वेतन (CTC) दिया जाएगा: टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में केवल महिला अभ्यर्थियों के लिए अवसर उपलब्ध हैं। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता आईटीआई या बारहवीं पास निर्धारित की गई है। चयनित महिला अभ्यर्थियों को लगभग 19,128 रुपये मासिक वेतन (सीटीसी) दिया जाएगा और उनका कार्यस्थल तमिलनाडु में होगा। वहीं, टाटा मोटर्स कंपनी के लिए आईटीआई या बारहवीं पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इस कंपनी में चयनित उम्मीदवारों को 14,649 रुपये मासिक वेतन के साथ 2,500 रुपये अतिरिक्त भत्ता मिलेगा। कार्यस्थल गुजरात के सानंद में निर्धारित किया गया है।

◆ टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स सहित कई कंपनियां देंगी रोजगार

स्नातक, डिप्लोमा और आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए अवसर: इसके अतिरिक्त, क्वेस कॉर्प लिमिटेड में स्नातक, डिप्लोमा और आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए अवसर हैं। इस कंपनी में चयनित उम्मीदवारों को लगभग 19,719 रुपये मासिक वेतन (सीटीसी) प्रदान किया जाएगा। उनका कार्यस्थल कर्नाटक के कोलार में होगा। प्राचार्य ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे 19 मार्च को सुबह 10 बजे तक संस्थान परिसर में उपस्थित होकर इस कैंपस प्लेसमेंट में भाग लें। अभ्यर्थियों को अपने साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बायोडाटा, पासपोर्ट साइज फोटो और सभी आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा। उन्होंने युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

पति का काटा प्राइवेट पार्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में पत्नी ने गुस्से में आकर अपने नशेड़ी पति का प्राइवेट पार्ट काट दिया। घायल पति शिव कुमार मुसहर (24) है। जो शराब पीने की लत है। शिव ने कहा कि सोमवार रात नशे की हालत में मैं घर पहुंचा था। इसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि पत्नी ने धारदार हथियार से हमला कर दिया और मेरे प्राइवेट पार्ट काट दिया। शिव को इलाज के लिए अगिआंव पीएचसी ले जाया गया। जहां से उसे आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना खरईचा गांव की है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है: हालांकि घटना के पीछे की सटीक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजनों ने बताया कि घर में अक्सर नशे को लेकर विवाद होता था, लेकिन इस तरह की घटना ने सभी को चौंका कर रख दिया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर छानबीन की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक ने स्कूल वैन में मारी टक्कर, 7 बच्चे घायल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में बुधवार की सुबह सड़क हादसा हो गया। स्कूल वैन, ट्रक और ऑटो के बीच टक्कर हो गई। जिसमें 12 लोग घायल हो गए। घायलों में निजी स्कूल के 5 बच्चे, 2 शिक्षिका, ड्राइवर और ऑटो में सवार 2 लोग शामिल हैं। शिक्षिका हेमा ने बताया कि बक्सर से पटना की ओर जाने वाली लेन में जाम लगा हुआ था, जिसके कारण कई वाहन, जिनमें स्कूल वाहन भी शामिल था। इस कारण रॉन्ग साइड से चल रहे थे। तभी सामने से आरा की ओर ट्रक आ रहा था, जो अपने लेन में था। जिसके बाद हमारी गाड़ी से उसकी टक्कर हो गई। घटना कोइलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत पटना-बक्सर हाईवे पर हुई है।

ये लोग हुए हैं घायल: घायलों में यश राज (7), चौथी क्लास का युवराज (9), पहली कक्षा का पुष्कर (6), यूकेजी का अभिषेक (5), चौथी क्लास की हर्षिता कुमारी (10), पहली कक्षा का निर्मला कुमार (5), दूसरी कक्षा की पीहू कुमारी (6), स्कूल की शिक्षका हेमा कुमारी, प्रियंका कुमारी, ड्राइवर सुमन कुमार (34) शामिल हैं। वहीं, आटो में सवार मुस्तफा उर्फ गुड्डु (30) और इनका बेटा जहीरुद्दीन (6) शामिल है। ये इलाज के लिए सीएचसी कोईलवर आ रहे थे।

स्थानीय लोगों ने पहुचाया अस्पताल: स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोइलवर पहुंचाया, जहां उनका

प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों ने 2 बच्चों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, आरा रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। बताया जा रहा है कि सभी घायल बच्चे कुल्हड़िया गांव के निवासी हैं और स्कूल जाने के लिए वाहन से निकले थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं: हादसे के कारण कुछ देर के लिए हाईवे पर जाम लग गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात व्यवस्था ठीक की। वही ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि बच्चों के हाथ-पैर और मुंह में चोटे आई है। हालांकि सभी खतरे से बाहर है।

जिले का मनाया गया 36वां स्थापना दिवस

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले का 36वां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनमें शहरवासी, अधिकारी और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत नगर भवन में दीप प्रज्वलित कर हुई, जिसके बाद अधिकारियों और अतिथियों ने केक काटा। स्थापना दिवस के अवसर पर नगर भवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्थानीय कलाकारों, स्कूली बच्चों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों ने देशभक्ति गीत और लोकनृत्य सहित कई प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

रामरेखा घाट पर चला स्वच्छता अभियान: स्थापना दिवस के मौके पर सुबह ऐतिहासिक रामरेखा घाट पर एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिला प्रशासन के अधिकारियों,

नगर परिषद के कर्मियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने मिलकर घाट परिसर की सफाई की। इस दौरान लोगों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की अपील भी की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी साहिला ने बक्सर के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बक्सर जिले की पहचान उसके ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से जुड़ी है। जिलाधिकारी के अनुसार, स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जिले के गौरवशाली इतिहास को याद करने और उसके विकास के लिए संकल्प लेने का अवसर भी है।

पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास जारी: उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन बक्सर के समग्र विकास, स्वच्छता और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। जिलाधिकारी ने आम लोगों से जिले को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। स्थापना दिवस के अवसर पर पूरे शहर में उत्साह का माहौल देखा गया। लोगों ने अपने जिले के इस विशेष दिन को गर्व और उल्लास के साथ मनाया।

दूध-रोटी में जहर देकर विवाहिता की हत्या

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में मंगलवार को एक विवाहिता की संदिग्ध मौत हुई है। मृतका के मायके वालों ने दूध-रोटी में जहर मिलाकर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका संदेश थाना क्षेत्र के खंडोल गांव निवासी धनंजय कुमार की 20 वर्षीया पत्नी नेहा देवी है। मृतका के चाचा लक्ष्मण यादव ने बताया कि उसके पति -गोतनी खाने में जहर मिलाकर दिया है। दहेज हत्या की एफआईआर दर्ज हुई है। घटना संदेश थाना क्षेत्र के खंडोल गांव की है।

11 महीने पहले हुई थी शादी: मृतका के चाचा ने कहा कि हमें सूचना मिली तो भतीजी के ससुराल खंडोल गांव पहुंचे। पुलिस ने लाश का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में कराया है। मृतका चाचा लक्ष्मण यादव ने उसके पति धनंजय कुमार और गोतनी पर जान से मारने का आरोप लगाया

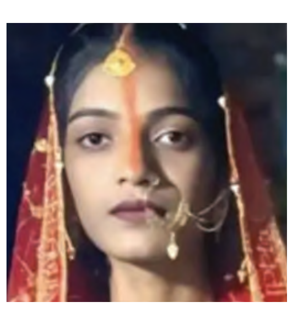

है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। मृतका की शादी 11 महीने पहले हुई थी।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी हो रही है: संदेश थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि मृतका की मां पंचरत्नी देवी ने पति धनंजय कुमार और गोतनी के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही है।

ईद की शॉपिंग को लेकर मार्केट में भीड़

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर शहर में इस वर्ष ईद-उल-फितर का त्योहार चांद दिखने के अनुसार 20 या 21 मार्च को मनाया जाएगा। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मुसाफिर गंज स्थित मदरसा दारुल उलूम अशरफिया मुख्तारुल उलूम ने अनुमंडल पदाधिकारी को विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में होने वाली नमाज के समय की सूची उपलब्ध कराई है। ईद के अवसर पर शहर की प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह 7:30 बजे से 8:30 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। जारी समय सारिणी के अनुसार, बड़ी मस्जिद में सुबह 8:15 बजे, कचहरी मस्जिद और गजाधर गंज मस्जिद में 8:00 बजे, मुसाफिर गंज और तुर्कपुरवा मस्जिद में 7:45 बजे नमाज होगी। सिविल लाइन मस्जिद में 7:30 बजे, नूरी मस्जिद सोहनी पट्टी और जामा मस्जिद सारिमपुर में 8:00 बजे नमाज का समय निर्धारित है। इसके अतिरिक्त, दूध पोखरी कोइरपुरवा मस्जिद में 8:30 बजे और बड़ी सारिमपुर ईदगाह में 7:45 बजे नमाज अदा की जाएगी।

सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम: जिला प्रशासन ने ईद के अवसर पर सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। सभी चिन्हित स्थलों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात किए जाएंगे, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचा जा सके और श्रद्धालुओं को नमाज अदा करने में सुविधा मिल सके। प्रशासन ने भीड़-भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए हैं। मदरसा के सचिव डॉ. मो. निसार अहमद और अध्यक्ष मो. मुहर्रम अली ने संयुक्त रूप से शहरवासियों से अपील की है कि वे ईद का त्योहार आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और प्रशासन का सहयोग करने का भी आग्रह किया है।

विशेष साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध: नगर परिषद से शहर में विशेष साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है, ताकि त्योहार के दौरान स्वच्छ वातावरण बना रहे। पुलिस प्रशासन से भी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत रखने की मांग की गई है। बक्सर में ईद के त्योहार को उत्साह और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

जदयू जिलाध्यक्ष राजकुमार का भव्य स्वागत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नवमनोनीत जिलाध्यक्ष राजकुमार शर्मा का बक्सर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। जिलाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जिला मुख्यालय पहुंचे राजकुमार शर्मा का स्वागत शहर के गोलंबर से लेकर रामरेखा घाट तक विभिन्न स्थानों पर किया गया। इस दौरान डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया।

सैकड़ों लोगों ने नागरिक अभिनंदन किया: अपने आगमन के क्रम में राजकुमार शर्मा ने स्टेशन रोड स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, कामरेड ज्योति प्रकाश और बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद वे रामरेखा घाट स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में लोहार कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष सतेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने उनका नागरिक अभिनंदन किया। उन्होंने रामेश्वर नाथ मंदिर में भी पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जदयू सलाहकार समिति के सदस्य शामिल हुए: स्वागत कार्यक्रम में सुदर्शन शर्मा, अशोक शर्मा, रामदेव शर्मा, विनोद शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जदयू प्रदेश सलाहकार समिति के सदस्य रविराज और

युवा जदयू के रविकांत कुशवाहा भी कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हुए। इसके बाद जिलाध्यक्ष का काफिला बाईपास रोड स्थित शिव प्रभा मैरिज हॉल पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में उन्होंने भाग लिया। इससे पहले राजकुमार शर्मा ब्रह्मपुर जाकर बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ के दर्शन कर आशीर्वाद ले चुके थे। शिव प्रभा मैरिज हॉल में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया।

जदयू का मूल उद्देश्य विकास और जनसेवा: उन्होंने कहा कि जनता दल यूनाइटेड बिहार की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसका मूल उद्देश्य विकास और जनसेवा है। उन्होंने संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन के बाद वे डुमरांव के लिए रवाना हुए, जहां जदयू कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

वन विभाग की मदद से संस्थान के आसपास ग्रीन बेल्ट विकसित करने की योजना

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। बिहार राज्य मानसिक स्वास्थ्य एवं सहबद्ध विज्ञान संस्थान, कोईलवर में जल्द ही घना हरित वन विकसित किया जाएगा। वन विभाग की पहल पर यहां मियावाकी तकनीक से मिनी फॉरेस्ट तैयार किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य परिसर में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ मानसिक रोगियों को प्राकृतिक और शांत वातावरण उपलब्ध कराना है, जिससे उनके उपचार में सकारात्मक मदद मिल सके। परियोजना के तहत मानसिक स्वास्थ्य एवं सहबद्ध विज्ञान संस्थान परिसर में, लगभग 1750 वर्ग फीट क्षेत्र में करीब 6125 पौधे लगाए जाएंगे। जगह चिन्हित कर लिया गया हैं। वन विभाग के अनुसार इतने छोटे क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में पौधारोपण मियावाकी तकनीक की विशेषता है, जिससे कुछ ही

वर्षों में घना और प्राकृतिक जंगल तैयार हो जाता है। वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव ने बताया कि मानसिक रोगियों के उपचार में दवाओं के साथ-साथ वातावरण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हरियाली, स्वच्छ हवा और प्राकृतिक ध्वनियां मरीजों के मन को शांत करती हैं। जब मरीज सुबह उठेंगे तो उन्हें चिड़ियों की चहचहाहट, पेड़ों की हरियाली और ताजी हवा का अनुभव होगा, जो उनके तनाव और अवसाद को कम करने में सहायक साबित हो सकता है। इसी उद्देश्य से मानसिक स्वास्थ्य एवं सहबद्ध विज्ञान संस्थान के आसपास ग्रीन बेल्ट विकसित करने की योजना बनाई गई है। 3 वर्ष तक देखभाल करेगा वन विभाग यह परियोजना शहरी वनीकरण, पर्यावरण संरक्षण की ओर से की जा रही है। वन विभाग अगले तीन वर्षों तक पौधों की देखरेख, सिंचाई, मल्चिंग, मिट्टी के पोषण और नियमित निगरानी का कार्य करेगा। तीन वर्षों में यह वन आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हो जाएगा। यदि किसी कारण से पौधे नष्ट हो जाते हैं तो उनकी जगह नए पौधे लगाए जाएंगे, ताकि वन का घनत्व बना रहे। बांस, शीशम, पीपल, बरगद जैसे छायादार वृक्षों के साथ-साथ औषधीय पौधे लगाए जाएंगे यह पहल मुख्य रूप से मिशन लाइफ (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट) के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस वन क्षेत्र को विकसित करने के लिए मियावाकी तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मसौढ़ी में आज से शुरू होगा रासलीला महोत्सव, एक सप्ताह तक गूंजेगी राधे-राधे की धुन

मसौढ़ी (पटना)। नगर मुख्यालय स्थित गांधी मैदान में आज से भव्य रासलीला महोत्सव का आयोजन शुरू हो रहा है। यह महोत्सव एक सप्ताह तक चलेगा, जिसमें वृंदावन से आए कलाकार श्री राधा-माधव की दिव्य लीलाओं का मंचन करेंगे। आयोजन समिति के अनुसार यह धार्मिक कार्यक्रम आज से प्रारंभ होकर 26 मार्च तक प्रतिदिन संध्या 6 बजे आयोजित किया जाएगा। महोत्सव को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजकों ने बताया कि रासलीला महोत्सव का आयोजन पूर्व में भी कई बार शांतिपूर्ण और सफल तरीके से किया जा चुका है। हर वर्ष इस कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की लीलाओं का आनंद लेते हैं। महोत्सव के दौरान श्रद्धालु 'राधे-राधे' का सुमिरण करते हुए भक्ति और आध्यात्मिक माहौल में डूब जाते हैं। आयोजकों का कहना है कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों के जीवन में आध्यात्मिकता का भाव बढ़ता है। स्थानीय प्रशासन भी कार्यक्रम के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था में जुटा हुआ है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पटना में दो दिवसीय कार्यशाला आज से, सतत विकास, पर्यावरण और लैंगिक आंकड़ों पर होगा मंथन

पटना। पटना में आज और 19 मार्च 2026 को सतत विकास लक्ष्यों, पर्यावरण लेखा संकलन और लैंगिक सांख्यिकी पर केंद्रित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले और विश्वसनीय आंकड़ों के आधार पर नीति निर्माण को मजबूत करना है। कार्यशाला का आयोजन सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा बिहार सरकार के सहयोग से तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के तकनीकी समर्थन से किया जा रहा है। इस कार्यशाला में विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और विशेषज्ञ संस्थानों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। आयोजन का मुख्य फोकस तीन अहम क्षेत्रों—सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), पर्यावरणीय लेखांकन और लैंगिक समानता से जुड़े आंकड़ों—पर क्षमता निर्माण करना है, ताकि साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जा सके। कार्यशाला के पहले दिन सतत विकास लक्ष्यों और लैंगिक सांख्यिकी पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसमें राष्ट्रीय संकेतक प्रारूप और राज्य स्तर पर एसडीजी संकेतकों के समन्वय जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित होंगे। विशेषज्ञ यह बताएंगे कि एसडीजी से जुड़े आंकड़े केवल प्रगति की निगरानी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे नीति निर्माण और सुशासन को दिशा देने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इसके साथ ही लैंगिक सांख्यिकी पर होने वाले सत्र में महिला-नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने और लैंगिक रूप से संवेदनशील प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कार्यशाला के दूसरे दिन पर्यावरणीय मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान पर्यावरण लेखांकन के विभिन्न प्रारूपों, वन संसाधनों, जैव विविधता और इकोसिस्टम सेवाओं के मूल्यांकन से जुड़े पहलुओं पर चर्चा होगी। राज्यों के प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करेंगे, जिससे पर्यावरणीय आंकड़ों के बेहतर संकलन और उपयोग की दिशा में नई रणनीतियां विकसित की जा सकें। इस आयोजन में बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के विशेषज्ञ शामिल होकर अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि यह कार्यशाला राज्य और देश में डेटा आधारित नीति निर्माण को नई मजबूती प्रदान करेगी।

पटना में बुलेट सवार चेन स्नैचर गिरफ्तार, सोना गलाने वाले दो कारोबारी भी पकड़े गए

6-7 महीने से दिनदहाड़े वारदात को दे रहा था अंजाम, 9.20 ग्राम पिघला सोना बरामद

पटना। पटना के अगमकुआं और शायरी इलाके में लगातार चेन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान खाजेकलां निवासी मोहम्मद शाहनवाज (33) के रूप में हुई है, जो पिछले 6-7 महीनों से बुलेट बाइक पर घूम-घूमकर दिन में स्नैचिंग कर रहा था। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि हाल के दिनों में बढ़ी स्नैचिंग की घटनाओं को देखते हुए एसडीपीओ सिटी-1 के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मोहम्मद शाहनवाज को उसकी बाइक के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने दो अन्य लोगों को भी पकड़ा है, जिनकी पहचान अनमोल कुमार केसरी और मुन्ना कुमार के रूप में हुई है। ये दोनों कारोबारी शाहनवाज द्वारा छीने गए सोने को गलाने और बेचने में उसकी मदद करते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 9.20 ग्राम पिघला हुआ पीला धातु (सोना) भी बरामद किया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसपी के अनुसार 9 मार्च को पंच शिव मंदिर के पास 65 वर्षीय मुन्नी देवी से चेन छीनने के दौरान आरोपी ने उन्हें घायल कर दिया था। महिला के विरोध करने पर आरोपी उन्हें घसीटते हुए फरार हो गया था। इस घटना में मुन्नी देवी का हाथ टूट गया था और उन्हें एक सप्ताह तक आईसीयू में भर्ती रहना पड़ा। जांच में सामने आया है कि मोहम्मद शाहनवाज पिरबहोर इलाके में सैलून चलाता था। बाद में सट्टेबाजी में नुकसान होने के बाद वह अपराध की दुनिया में आ गया और स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने लगा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी अन्य कितनी वारदातों में शामिल रहा है। साथ ही उसके आपराधिक नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। इस गिरफ्तारी को पटना पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे शहर में बढ़ रही चेन स्नैचिंग की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

नेउरा में फरार अभियुक्त गिरफ्तार, बाजार से पुलिस ने दबोचा कई महीनों से बदल रहा था ठिकाना, गुप्त सूचना पर कार्रवाई

बिहटा, पटना। पटना जिले के नेउरा थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे एक अप्राथमिकी अभियुक्त को नेउरा बाजार से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रवि कुमार, पिता रामअवतार राम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रवि कुमार पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी। थाना प्रभारी जगदीप राणा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नेउरा बाजार में छापेमारी कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब आरोपी के खिलाफ पूर्व में दर्ज मामलों में उसकी संलिप्तता की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह किन-किन घटनाओं में शामिल रहा है। थाना प्रभारी ने कहा कि फरार अभियुक्तों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और किसी को भी कानून से बचने नहीं दिया जाएगा। इस गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान नवादा जिले को दी 299 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- मुख्यमंत्री ने 55 करोड़ रुपये की लागत से 37 योजनाओं का उद्घाटन एवं 244 करोड़ रुपये की लागत से 21 योजनाओं का किया शिलान्यास
- मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज समृद्धि यात्रा के क्रम में नवादा जिले में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली और कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार बुधौल स्थित नवनिर्मित बिहार गृह रक्षा वाहिनी के परिसर पहुंचे। इस दौरान गृह रक्षा वाहिनी ने उन्हें सलामी दी। मुख्यमंत्री ने वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान वहां उपस्थित अधिकारियों से नवादा जिले में कराए जा रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी ली। इस क्रम में नवादा जिले के बहुद्देश्यीय प्रेक्षागृह का निर्माण कार्य, गोविंदपुर से दर्शन नाला (एस०एच०- 103) का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य, नारदीगंज प्रखंड अंतर्गत पाचू बिगहा एवं आदमपुर गांव के बीच तिलैया नदी पर निर्माण कार्य, रजौली प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रजौली पश्चिम में रजौली-शिवाला से रजौली-डीह को जोड़ने हेतु धनार्जय नदी पर निर्माण कार्य, नवादा शहर में सिटी सर्विलांस हेतु नियंत्रण कक्ष की स्थापना, नगर पंचायत रजौली में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज का निर्माण, नगर परिषद् के 44 वार्डों के आवासीत घरों के लिए जल आपूर्ति कार्य, पकरीबरावां अंचल के कचना मौजा में ग्रिड सब स्टेशन के निर्माण कार्य के संबंध में तथा एन0एच0-31 के 91 कि०मी० आदिलगंज एस०एच०-108 (सकरी नदी तक) बाईपास सह रेलवे क्रॉसिंग पर आर०ओ०बी० निर्माण कार्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

इसके पश्चात् बुधौल ग्राम स्थित कार्यक्रम स्थल से मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर नवादा जिले के लिए 55 करोड़ रुपये की लागत से 37 योजनाओं का उद्घाटन एवं 244 करोड़ रुपये की लागत से 21 योजनाओं का शिलान्यास किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने वहां विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों के उत्पादों एवं कार्यों को देखा और उसकी सराहना की। वहां उपस्थित जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि आपने महिलाओं की तरक्की के लिए काफी काम किया है। हम सभी जीविका दीदियां आपकी कृपा से जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोग ऐसे ही काम करते रहिए और आगे बढ़िए।

मुख्यमंत्री ने 13,241 जीविका स्वयं सहायता समूह की दीदियों को 226 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी सेविकाओं और वृद्धजन पेंशन योजना के लाभार्थियों सहित अन्य योजनाओं के लाभुकों से संवाद किया। सभी ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, श्रम संसाधन विभाग और उद्योग विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोग अच्छे से काम करिए। बिहार को मिल-जुलकर आगे बढ़ाइए। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मगध प्रमंडल की आयुक्त श्रीमती सफीना ए०एम०, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, नवादा के जिलाधिकारी श्री रवि प्रकाश, नवादा के पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव धीमान सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान नवादा जिले से संबंधित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की: नवादा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज समृद्धि यात्रा के दौरान नवादा के आई०टी०आई० मैदान में नवादा जिले से संबंधित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। समीक्षा बैठक के दौरान नवादा के जिलाधिकारी श्री रवि प्रकाश ने प्रगति यात्रा से संबंधित योजनाओं, सात निश्चय-2 की योजनाओं तथा सात निश्चय-3 की योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने जिले में किए जा रहे अन्य विकास कार्यों की भी जानकारी दी।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति यात्रा से संबंधित जिन योजनाओं की स्वीकृति दी गई है, उनका क्रियान्वयन तेजी से करें। सात निश्चय-2 योजना के तहत जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उनका बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-3 के तहत जो योजनाएं निर्धारित की गई हैं उस पर बेहतर ढंग से कार्य शुरू करें। अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ योजनाओं को तेजी से क्रियान्वित कर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों के हित में कार्य कर रही है, उसके लिये कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार द्वारा जनहित में किये गये कार्यों को जनता तक पहुंचायें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधायें देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। बिहार में उद्योग लगाने के लिये उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जा रहा है इससे राज्य में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को काफी मदद मिलेगी। उद्योग लगाने के लिये सभी जिलों में सुविधायें दी जा रही हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि बिहार में उद्योगों को और ज्यादा बढ़ावा मिले, बिहार के युवा दक्ष एवं आत्मनिर्भर हों तथा उन्हें अधिक से अधिक रोजगार मिल सके एवं उनका भविष्य सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप नीति बनाई गई है ताकि युवा अपना रोजगार शुरू कर सकें। हमारे राज्य के युवा दक्ष और सक्षम हों इसके लिए हमलोग कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 योजना के सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान (Ease of Living) का मुख्य मकसद राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। इसे लेकर हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। हमलोग राज्य के सभी नागरिकों की सुविधाओं का ख्याल रख रहे हैं। उनके जीवन को आसान और विकसित बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ योजनाओं को क्रियान्वित करें ताकि बिहार देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल हो सके।

समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री सह नवादा जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव / सचिव, मगध प्रमंडल की आयुक्त श्रीमती सफीना ए०एम०, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, नवादा के जिलाधिकारी श्री रवि प्रकाश, नवादा के पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव धीमान सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पटना में एलपीजी आपूर्ति पर प्रशासन सख्त, कालाबाजारी पर FIR के निर्देश

डीएम त्यागराजन एसएम बोले– जिले में गैस की कोई कमी नहीं, पैनिक बुकिंग से बचें

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना समाहरणालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने एलपीजी गैस की उपलब्धता, आपूर्ति और निगरानी को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। डीएम ने बताया कि पटना नगर निगम के सभी 75 वार्ड पार्षदों के साथ एलपीजी आपूर्ति को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की गई। इस बैठक में नगर आयुक्त, अपर जिला दंडाधिकारी (आपूर्ति) और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में पार्षदों को गैस बुकिंग और डिलीवरी से जुड़ी जानकारी दी गई और उनसे फीडबैक लिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी या अधिक कीमत वसूलने की शिकायत मिलने

पर तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। गैस एजेंसियों को भी जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया गया है। प्रेस वार्ता में बताया गया कि जिले में 136 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं और कुल 16,65,360 उपभोक्ता हैं। अब तक 6,89,055 सिलेंडर की बुकिंग हो चुकी है, जबकि प्रतिदिन औसतन 35 से 40 हजार बुकिंग हो रही है। सभी कंपनियों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जिससे आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। डीएम ने आम लोगों से अपील की कि वे किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और पैनिक बुकिंग से बचें। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए 24x7 हेल्पलाइन नंबर 0612-2219810 जारी किया गया है, जिस पर कॉल कर सहायता ली जा सकती है। डीएम के निर्देश पर विभिन्न अनुमंडलों में जांच के दौरान घरेलू गैस के दुरुपयोग के मामले सामने आए। दानापुर में "स्वाद सरोवर रेस्टोरेंट" को सील कर प्राथमिकी दर्ज की गई। बाढ़ में "नीलम किचन" के खिलाफ एफआईआर कंकड़बाग में "डाउन टाउन कैफे" को सील किया गया पटना सिटी में "चंपारण चूल्हा" के खिलाफ भी कार्रवाई इसके अलावा एक व्यक्ति के खिलाफ गैस सिलेंडर की जमाखोरी के आरोप में भी मामला दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि एलपीजी की पारदर्शी और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन की इस सख्ती से साफ है कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी रहेगी।

TRE-4 में देरी से उग्र हुए शिक्षक अभ्यर्थी, पटना की सड़कों पर प्रदर्शन तेज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना । बिहार में चौथे चरण की शिक्षक बहाली परीक्षा (TRE-4) को लेकर अनिश्चितता अब खुलकर विरोध में बदल गई है। लंबे समय से नोटिफिकेशन जारी नहीं होने से नाराज अभ्यर्थियों ने बुधवार को राजधानी पटना में प्रदर्शन किया और बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) से जल्द स्पष्ट तिथि घोषित करने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों का कहना है कि वे करीब दो वर्षों से शिक्षक बहाली की प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। हाल ही में शिक्षा विभाग द्वारा अधियाचना आयोग को भेजे जाने के बाद उम्मीद जगी थी कि प्रक्रिया तेज होगी, मगर परीक्षा की निश्चित तारीख अब तक सामने नहीं आई है। इससे अभ्यर्थियों में असमंजस और निराशा दोनों बढ़ी हैं।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा कि केवल संभावित महीने की घोषणा से तैयारी करना मुश्किल हो जाता है। उन्हें स्पष्ट तारीख चाहिए ताकि वे अपनी रणनीति तय कर सकें। जेपी गोलंबर के पास प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने आगे बढ़ने से रोका, जिसके बाद प्रशासन ने बातचीत के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने का प्रस्ताव दिया। छात्रों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए पांच सदस्यीय टीम गठित की। छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार स्तर पर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद आयोग द्वारा नोटिफिकेशन जारी करने में अनावश्यक देरी हो रही है। उनका कहना है कि इससे युवाओं का भरोसा कमजोर हो रहा है और रोजगार की उम्मीदें प्रभावित हो रही हैं।

आर्थिक दबाव भी अभ्यर्थियों की चिंता बढ़ा रहा है। कई छात्रों ने बताया कि पटना जैसे शहर में रहकर लंबे समय तक तैयारी करना अब मुश्किल होता जा रहा है। महंगाई और रोजमर्रा के खर्चों के बीच परीक्षा की अनिश्चितता उनके लिए बड़ी समस्या बन गई है। इस बीच, बड़ी संख्या में छात्राएं भी प्रदर्शन में शामिल रहीं। तेज गर्मी के बावजूद अभ्यर्थियों का उत्साह कम नहीं दिखा। कुछ छात्रों की तबीयत बिगड़ने की खबर भी सामने आई, लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शन जारी रहा। अभ्यर्थियों की मांग साफ है—चाहे पदों की संख्या कम हो या ज्यादा, लेकिन जल्द से जल्द TRE-4 का नोटिफिकेशन जारी किया जाए, ताकि लंबे समय से इंतजार कर रहे युवाओं को राहत मिल सके।

पूर्व मध्य रेल में 739 बालिकाओं को छात्रवृत्ति, 62 को साइकिल वितरण

महिला सशक्तिकरण के तहत हाजीपुर मुख्यालय में आयोजन, 1.33 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी गई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हाजीपुर, पटना। हाजीपुर स्थित वैशाली रेल प्रेक्षागृह में पूर्व मध्य रेल द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह ने संयुक्त रूप से किया। समारोह के दौरान पूर्व मध्य रेल के पांचों मंडलों और मुख्यालय के रेलकर्मियों की 739 चयनित पुत्रियों को उच्च तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए कर्मचारी कल्याण निधि से 1 करोड़ 33 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में कक्षा-8 में अध्ययनरत 62 बालिकाओं को साइकिल वितरित की गई, ताकि उनकी शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही इस माह सेवानिवृत्त हो रही 6 महिला रेलकर्मियों को भी सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज महिलाएं सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर रही हैं। रेलवे में भी महिलाएं लोको पायलट, गार्ड, स्टेशन मास्टर, इंजीनियर और ट्रैक मेंटेनर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व मध्य रेल की खिलाड़ी भारतीय महिला फुटबॉल टीम में देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, जिनके लिए आधुनिक खेल सुविधाएं और स्पोर्ट्स हॉस्टल की व्यवस्था की गई है। महाप्रबंधक ने कहा कि छात्रवृत्ति और साइकिल केवल एक प्रतीकात्मक सहायता है, जिसका उद्देश्य बालिकाओं को आगे बढ़ने और समाज व देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह ने कहा कि आज महिलाएं विश्व स्तर पर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से लेकर भारतीय रेल के शीर्ष पदों तक महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाएं आज सुखोई विमान उड़ाने से लेकर वंदे भारत ट्रेन की लोको पायलट, अंतरिक्ष यात्री और पर्वतारोही के रूप में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। समारोह के अंत में सभी सम्मानित बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिमी सिंहभूम के जंगल में मिला सड़ा-गला शव, हाथ बंधे होने से हत्या की आशंका

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के डेरवां जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शव की हालत और हाथ बंधे होने की स्थिति ने मामले को संदिग्ध बना दिया है, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गोइलकेरा-मनोहरपुर सड़क के पास जंगल में ग्रामीणों को तेज दुर्गंध महसूस हुई। इसके बाद आसपास तलाश करने पर झाड़ियों के बीच एक शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही गोइलकेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, शव काफी पुराना है और बुरी तरह सड़-गल चुका है। हालत इतनी खराब थी कि शरीर के कई हिस्सों में सिर्फ हड्डियां ही नजर आ रही थीं। मृतक के हाथ पीछे की ओर बंधे हुए पाए गए, जिससे यह संदेह गहरा गया है कि पहले उसे बांधकर प्रताड़ित किया गया और फिर हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। साथ ही मृतक की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही पहचान संभव हो सकेगी। यह क्षेत्र पहले से नक्सल प्रभावित रहा है, जिसके कारण घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि पुलिस ने किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं की जांच की बात कही है। थाना प्रभारी विकास मुंडा ने बताया कि शव की स्थिति अत्यंत खराब होने के कारण पहचान फिलहाल संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम और डीएनए रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाने का दावा कर रही है।

जमशेदपुर में घर के अंदर गिरने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र स्थित भुइयांडीह छायानगर में मंगलवार रात एक हादसे में 55 वर्षीय रवींद्र प्रसाद की मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक के परिजनों के अनुसार, रवींद्र प्रसाद रात करीब आठ बजे अपने घर में पलंग पर बैठकर टीवी देख रहे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जैसे ही वे टीवी बंद करने के लिए उठे और नीचे उतरने लगे, अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे जोर से जमीन पर गिर पड़े। गिरते ही उनकी हालत गंभीर हो गई और उन्हें खून की उल्टियां होने लगीं, जिससे घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तुरंत उन्हें इलाज के लिए लेकर निकले और करीब रात दस बजे एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनो ने बताया कि रवींद्र प्रसाद पिछले डेढ़ साल से डायबिटीज और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे, जिसके कारण उनका स्वास्थ्य पहले से ही कमजोर था। अचानक हुई इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। घर में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि रवींद्र प्रसाद गोलगप्पा बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं, जिनकी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी।

खूंटी में जर्जर सड़कों का मुद्दा विधानसभा में उठा, विधायक सुदीप गुड़िया ने जल्द मरम्मत की मांग की

खूंटी। खूंटी जिले के तोरपा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जरिया गढ़ पंचायत के विभिन्न गांवों में जर्जर सड़कों की समस्या को लेकर विधायक सुदीप गुड़िया ने बुधवार को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान जोरदार तरीके से मुद्दा उठाया। विधायक ने कहा कि खराब सड़कों के कारण स्थानीय ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सदन को बताया कि सड़कों की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि खासकर बारिश के मौसम में हालात और भी खराब हो जाते हैं। सुदीप गुड़िया के अनुसार, कीचड़ और गड्ढों से भरी सड़कों के चलते लोगों का चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जनहित को प्राथमिकता देते हुए इन सड़कों की शीघ्र मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर सड़क सुविधा मिलने से न केवल ग्रामीणों को राहत मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति मिलेगी। विधायक ने इस गंभीर समस्या पर सरकार से जल्द कार्रवाई की अपेक्षा जताई है, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

डीपीएस में स्वास्थ्य शिविर और प्रदर्शनी का आयोजन

खूंटी। दिल्ली पब्लिक स्कूल, खूंटी में बुधवार को परिणाम दिवस के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और शैक्षणिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कोबरा बटालियन के एसी अभिषेक यादव और श्रीधर उपस्थित थे। वहीं विद्यालय के निदेशक डॉ विवेक, प्राचार्या ममता और उप-प्राचार्या माधुरी ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। प्रदर्शनी में छोटे बच्चों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और विज्ञान के प्रति अपनी समझ और नवाचार क्षमता का परिचय दिया। इस अवसर पर आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में विद्यार्थियों और अभिभावकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के शिक्षकों—खुशबू, प्रीथा, अनन्या, काजल, पीयूष, इंदिरा, शिवांगी और निकिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झारखंड विधानसभा: जगराहा डैम पर सरकार लाएगी नई योजना, बिजली विभाग में जल्द होगी भर्ती

एजेंसी। रांची

रांची में चल रहे झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 17वें दिन बुधवार को चंदवा स्थित जगराहा डैम का मुद्दा सदन में प्रमुखता से उठा। इस दौरान जल संसाधन विभाग की नई योजना की महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। जमशेदपुर पूर्व से विधायक सरयू राय ने डैम की वर्तमान स्थिति को लेकर सरकार से कई सवाल पूछे। उन्होंने बताया कि टोरी रेलवे स्टेशन (चंदवा) के पास एक प्राकृतिक भूगर्भ जल स्रोत है, जहां से निरंतर स्वच्छ पानी निकलता है और करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित जगराहा डैम में जाकर जमा होता है। उन्होंने कहा कि यह डैम चंदवा क्षेत्र में जलापूर्ति और मत्स्य पालन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में डैम में प्लास्टिक, गाद, जलकुंभी और कचरे का जमाव बढ़ गया है, जिससे इसकी गहराई घट रही है और जलमार्ग संकरा होता जा रहा है। सरयू राय ने यह भी बताया कि डैम की सिंचाई क्षमता लगभग दो हेक्टेयर है और यह आसपास के क्षेत्र के भूजल स्तर को संतुलित रखने में भी मदद करता है। उन्होंने डैम में पानी लाने वाले नाले की सफाई और मरम्मत कराने की मांग की। इस पर जवाब देते हुए जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा कि यह डैम निजी जमीन (राजा की संपत्ति) में आता है, इसलिए विभाग सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि वर्तमान नीति के तहत पांच एकड़ से बड़े तालाबों का ही जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जाता है। हालांकि, मंत्री ने एक अहम घोषणा करते हुए कहा कि सरकार जल्द नई योजना लाने जा रही है, जिसके तहत अब 2.5 एकड़ तक के छोटे तालाबों का भी जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इससे छोटे जलस्रोतों के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। बिजली विभाग में जल्द शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया सदन में बिजली विभाग में रिक्त पदों को लेकर भी चर्चा हुई। डुमरी से विधायक जयराम महतो ने कहा कि पर्याप्त कर्मचारियों की कमी के कारण बिजली व्यवस्था प्रभावित हो रही है और लंबे समय से पद खाली पड़े हैं। इस पर ऊर्जा मंत्री योगेंद्र महतो ने जानकारी दी कि नियुक्ति के लिए नियमावली तैयार कर ली गई है और जल्द ही रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इससे विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी और बिजली आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी।

पश्चिमी सिंहभूम में अवैध साल लकड़ी से भरा 12 चक्का ट्रक जब्त

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले में वन विभाग ने बंदगांव थाना क्षेत्र के पोड़ाहाट वन क्षेत्र से अवैध लकड़ी से भरा एक 12 चक्का ट्रक जब्त किया है। ट्रक में भारी मात्रा में साल की लकड़ी लदी हुई थी। हालांकि वन कर्मियों को देखते ही चालक और उसके साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, सोंगरा-केरा वन क्षेत्र के रेंजर तरुण कुमार सिंह को मंगलवार शाम गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध लकड़ी की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम का गठन कर हेसाडीह क्षेत्र में छापेमारी के लिए भेजा गया। रात करीब 10 बजे टेबो जंगल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-75ई पर संदिग्ध ट्रक को रोका गया, लेकिन चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। तलाशी के दौरान ट्रक से 75 से 80 पीस साल लकड़ी के बोटे बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत सात से आठ लाख रुपये बताई जा रही है। वन विभाग की टीम ट्रक को जब्त कर चक्रधरपुर कार्यालय ले आई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि ट्रक पर लगा नंबर फर्जी है और उस पर चाईबासा का नया रजिस्ट्रेशन नंबर दर्शाया गया है। अब विभाग चेसिस नंबर के आधार पर वाहन के वास्तविक मालिक की पहचान करने में जुटा है। वन विभाग ने अज्ञात तस्करों और वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

खूंटी नगर पंचायत की नवनिर्वाचित अध्यक्ष रानी टूटी ने ली शपथ, उपायुक्त ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी। खूंटी

नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के तहत खूंटी नगर पंचायत को नई नेतृत्व टीम मिल गई है। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित गरिमामय समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष रानी टुटी को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आर. रॉनिटा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 से 19 तक के सभी निर्वाचित वार्ड पार्षदों को भी शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने का संकल्प लिया। समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त आर. रॉनिटा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सभी पार्षदों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनता ने जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरना सभी जनप्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि नगर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में निर्वाची पदाधिकारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी और उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों में अपने दायित्वों को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

झारखंड में 20 मार्च को ओलावृष्टि व वज्रपात का अलर्ट, 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी आंधी

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में मौसम ने करवट ले ली है। मौसम विभाग ने 20 मार्च को राज्य में गर्जन के साथ वज्रपात और ओलावृष्टि की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने की संभावना है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। विभाग ने बताया कि 21 मार्च तक राज्य के कई जिलों में हल्की बारिश, गर्जन और वज्रपात की स्थिति बनी रह सकती है। इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जो मौसम के आंशिक रूप से खराब रहने का संकेत देता है। तापमान की बात करें, तो पिछले 24 घंटों में डाल्टनगंज में सबसे अधिक 36.8 डिग्री सेल्सियस और कोडरमा में सबसे कम 14.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहे, जिससे धूप की तीव्रता कुछ कम महसूस की गई। गौरतलब है कि राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में पिछले चार-पांच दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। इस दौरान बादल, बारिश और तेज हवाओं के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है और तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री और न्यूनतम 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.1 और न्यूनतम 23.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 36.8 और न्यूनतम 19.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.2 और न्यूनतम 20.5 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 34.8 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने, खुले स्थानों से दूर रहने और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

पश्चिमी सिंहभूम में अवैध महुआ शराब भट्टी ध्वस्त, 4000 किलो जावा महुआ नष्ट, आरोपित फरार

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लतारसीका में उत्पाद विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित महुआ शराब भट्टी को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरणों को भी नष्ट कर दिया गया तथा करीब 4000 किलोग्राम जावा महुआ को विनष्ट किया गया। यह छापेमारी बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर की गई। उत्पाद निरीक्षक निर्भय कुमार सिन्हा ने बताया कि सहायक आयुक्त उत्पाद को सूचना मिली थी कि लतारसीका गांव में बड़े पैमाने पर अवैध महुआ शराब का निर्माण किया जा रहा है। इसके बाद विशेष टीम का गठन कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके से कई अस्थायी भट्टियां, ड्रम, पाइप, प्लास्टिक कंटेनर और अन्य उपकरण बरामद हुए, जिनका उपयोग अवैध शराब बनाने में किया जा रहा था। साथ ही भारी मात्रा में जावा महुआ भी मिला, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया, ताकि उसका दोबारा इस्तेमाल न हो सके। हालांकि, कार्रवाई की भनक लगते ही अवैध कारोबार में शामिल लोग मौके से फरार हो गए। विभाग द्वारा उनकी पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि वे अवैध शराब के निर्माण या बिक्री की सूचना प्रशासन को दें, ताकि समय रहते इस पर रोक लगाई जा सके।

झारखंड विधानसभा में गूंजा राशन डीलरों का कमीशन और आउटसोर्सिंग घोटाले का मुद्दा

एजेंसी। रांची

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 17वें दिन बुधवार को सदन में राशन डीलरों के कमीशन और आउटसोर्सिंग नियुक्तियों में अनियमितताओं का मुद्दा जोर-शोर से उठा। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। बरकट्ठा के विधायक अमित कुमार यादव ने परिवहन/वितरण प्रणाली (ट्रांसपोर्टेशन/डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम) के तहत मिलने वाले कमीशन को बढ़ाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डीलरों को मिलने वाला कमीशन पर्याप्त नहीं है, जिससे उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि डीलर दो किलोग्राम तक अनाज कम दे देते हैं, तो उसे गलत नहीं माना जाता, ऐसे में सरकार को उनकी स्थिति सुधारने के लिए कमीशन बढ़ाना चाहिए। इस पर जवाब देते हुए राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि सरकार की ओर से डीलरों को प्रति यूनिट लगभग डेढ़ रुपये का कमीशन दिया जा रहा है। उन्होंने इस मुद्दे को तोड़-मरोड़ कर पेश करने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार डीलरों के हितों को लेकर गंभीर है और व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही है।

आउटसोर्सिंग नियुक्तियों में गड़बड़ी का आरोप- सदन में आउटसोर्सिंग कंपनियों के जरिए मैनपावर नियुक्ति में अनियमितताओं को लेकर भी हंगामा हुआ। विधायक प्रदीप यादव ने आरोप लगाया कि कई कंपनियां युवाओं से पैसे लेकर नौकरी दिलाने का काम कर रही हैं, जिससे उनका शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आउटसोर्सिंग व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए नियमावली तो बनाई है, लेकिन उसका पालन नहीं हो रहा है। मीडिया में भी इस तरह की खबरें आने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस पर जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि आउटसोर्सिंग कर्मियों के शोषण को रोकने के लिए कैबिनेट द्वारा स्पष्ट नियमावली बनाई गई है। उन्होंने बताया कि विभागों को मैनपावर की जरूरत होने पर जैप आईटी प्रणाली के माध्यम से सूचीबद्ध एजेंसियों का चयन किया जाता है और फिलहाल 14 एजेंसियां पैनल में शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि एजेंसियों का काम योग्यता और अनुभव के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करना है। यदि कोई एजेंसी निर्धारित शुल्क से अधिक पैसे मांगती है, तो जांच में सही पाए जाने पर उसे ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। बहस के दौरान विधायक प्रदीप यादव ने फिर सवाल उठाया कि नियमावली के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है और पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित की जाएगी। इस बीच मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने भी माना कि यह गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि कई बार आरक्षण रोस्टर का सही तरीके से पालन नहीं हो पाता, जिस पर सख्ती से अंकुश लगाने की जरूरत है। सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्तियों में झारखंड के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

झारखंड हाई कोर्ट ने मां छिन्नमस्तिका मंदिर सौंदर्यीकरण मामले में रामगढ़ डीसी को तलब किया, अगली सुनवाई 25 मार्च को

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय में बुधवार को रामगढ़ के प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण से जुड़े मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने आदेश के अनुपालन को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष रामगढ़ के उपायुक्त (डीसी) पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि निर्देशों के तहत कुछ कार्य पूरे कर लिए गए हैं, जबकि कुछ कार्य अभी शेष हैं। उन्होंने जानकारी दी कि मंदिर परिसर में करीब आठ चेंजिंग रूम बनाए गए हैं और आसपास स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गई है। साथ ही सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कुछ कंपनियों के साथ एमओयू भी किया गया है। हालांकि, अदालत ने कार्यों को संतोषजनक नहीं मानते हुए अगली सुनवाई में पर्यटन सचिव और रामगढ़ डीसी दोनों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। अदालत ने आदेश के अनुपालन से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को निर्धारित की गई है। खंडपीठ ने रामगढ़ डीसी को मंदिर परिसर के आसपास अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही नदी तट पर रेड जोन बनाकर घेराबंदी करने को कहा, ताकि डूबने की घटनाओं को रोका जा सके। प्रार्थी संजीव कुमार की ओर से अधिवक्ता भरत कुमार ने अदालत को बताया कि पूर्व आदेश का पूर्ण पालन नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि चेंजिंग रूम नदी तट से दूर बनाए गए हैं और मंदिर परिसर के आसपास अतिक्रमण अब भी बना हुआ है। गौरतलब है कि यह अवमानना याचिका 11 अगस्त 2023 को जनहित याचिका में दिए गए आदेश के अनुपालन को लेकर दायर की गई है। उस आदेश में राज्य सरकार, पर्यटन विभाग, झारखंड पर्यटन विकास निगम और रामगढ़ जिला प्रशासन को मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, स्थायी स्नान घाट, चेंजिंग रूम, शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं और अतिक्रमण हटाने सहित कई आवश्यक निर्देश दिए गए थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू
Email:- palamunrep@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
ई0निविदा संख्या–RDD/NREP/Palamu 06/2025-26

विज्ञापन दाता का नाम	:–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू।
Website पर निविदा प्रकाशन की तिथि	:–	दिनांक 20.03.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि	:–	दिनांक 20.03.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से दिनांक 28.03.2026 (अपराह्न 5:00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:–	दिनांक 30.03.2026 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
निविदा खोलने का स्थान	:–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू।
कार्य की विस्तृत विवरणी :–		

क्र	प्रखण्ड	पंचायत	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आईडेन्टी फिकेशन संख्या
1	2		3	4	5	6	7	8
1	Sadar Mediningar	Chiyanki	Construction of Boundary wall of Chiyanki Panchayat Bhawan with mast light and chabutara.	1869200	37384	5000	03 माह	01/2025-26/ EE/RDD/NRE P/PALAMU
2	Sadar Mediningar	Chiyanki	Construction of Kitchen shed (1 Unit) in chiyanki Panchayat Building at Palamu District.	1691000	33820	5000	03 माह	02/2025-26/ EE/RDD/NRE P/PALAMU
3	Chainpur	Purbdiha	Construction of Boundary wall of Purbdiha Panchayat with high mast light.	1204100	24082	5000	03 माह	03/2025-26/ EE/RDD/NRE P/PALAMU
4	Chainpur	Purbdiha	Construction of Meeting hall with supplying interior items.	2007807	40156.14	5000	03 माह	04/2025-26/ EE/RDD/NRE P/PALAMU

नोट–
1. केवल ई0–निविदा ही स्वीकार होंगे।
2. निविदा डबल बीड पद्धति से होगी।
3. भवन प्रमण्डल, पलामू एवं आर0ई0ओ0, पलामू में समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदादाता की होगी।

निविदा की तकनिकी एवं सामान्य शर्तें www.palamu.nic.in एवं कार्यालय कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। वितृत जानकारी के लिए Website- www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,मेदिनीनगर पलामू

PR 375517 District(25-26).D

संक्षिप्त समाचार

मुफ्त बिजली और बेतहाशा दोहन ने पंजाब-हरियाणा को सुखाया

चंडीगढ़, एजेंसी। राज्य में कृषि ट्यूबवेलों को 24 घंटे मुफ्त बिजली देने और इसके कारण

भूजल के अत्यधिक दोहन के मुद्दे पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड को चार हफ्ते में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। एक याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि जब भूजल की उपलब्धता से अधिक उसका दोहन हो रहा है, तो यह स्थिति आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत खतरनाक है। मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि राज्य की नीति के अनुसार किसानों को केवल धान के सीजन में सीमित समय के लिए मुफ्त बिजली दी जानी चाहिए, लेकिन जमीनी स्तर पर कई स्थानों पर 24 घंटे मुफ्त बिजली का उपयोग किया जा रहा है। अदालत को बताया गया कि तरनतारन जिले के पट्टी क्षेत्र में लगभग 300 ऐसे कृषि कनेक्शन हैं, जहां 24 घंटे मुफ्त बिजली का उपयोग हो रहा है। यह बिजली का उपयोग केवल ट्यूबवेल तक सीमित नहीं है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि इस अनियंत्रित मुफ्त बिजली के कारण दोहरा नुकसान हो रहा है। एक तरफ बिजली की खपत बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में पंजाब में कुल भूजल रिचार्ज 18.84 बीसीएम था, जबकि दोहन 27.8 बीसीएम तक पहुंच गया, जो स्पष्ट रूप से अधिक है। राज्य की ओर से जवाब देते हुए बताया गया कि लंबे समय से नए कृषि ट्यूबवेल कनेक्शन जारी नहीं किए गए हैं।

राजस्थान सरकार ने कसी कमर, 2 करोड़ पशुओं को 'सुरक्षा कवच' देने की तैयारी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार 'खुरपका-मुंहपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम' के सातवें

चरण के तहत बड़े पैमाने पर 2 करोड़ पशुओं के टीकाकरण का अभियान शुरू करने जा रही है। राज्य स्तर पर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने जयपुर के पास बगरू स्थित रामदेव गौशाला से इस अभियान की शुरुआत कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सभी जिलों में 2.32 करोड़ पशुओं का टीकाकरण करना है। खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) वायरल बीमारी है जो कि मवेशी, सूअर, भेड़ और बकरियों को अपनी चपेट में लेती हैं। एक पशु संक्रमित हो जाए तो आसपास के अन्य पशुओं में तेजी से फैलता है। कई बार पूरे गांव के पशु इसकी चपेट में आ जाते हैं। इस बीमारी के चलते पशुओं को बुखार आता है या फिररमुंह, जीभ और खुरों पर छाले जैसे घाव हो जाते हैं। कुमावत ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को इस घातक संक्रमण से बचाव के लिए इस अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा है कि इससे पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा।

अखिलेश और सपा की काट के लिए भाजपा का बड़ा दांव, पार्षद मनोनयन में पीडीए पर ही फोकस

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के 914 नगरीय निकायों में 2802 पार्षदों को नामित कर भाजपा ने 'सोशल इंजीनियरिंग' का बड़ा दांव चला है। पार्टी ने पीडीए की काट तलाशने के लिए हाशिए पर रहने वाली पिछड़ी और दलित जातियों को सर्वाधिक तरजीह दी है। इसे सपा के पीडीए की काट के रूप में देखा जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी ने निकायों में नामित किए गए पार्षदों के जरिए बड़ा दांव खेला है। पार्टी ने निकायों में सर्वाधिक तरजीह पिछड़ी जातियों को दी है। खास बात यह है कि राजनैतिक दृष्टि से हाशिए पर मानी जाने वाली ओबीसी व दलित जातियों को प्रतिनिधित्व देकर सूबे की सियासी हवा का रुख अपनी ओर मोड़ने की कोशिश की है। माना जा रहा है कि भगवा दल ने समाजवादी पार्टी के पीडीए की काट के लिए छोटी जातियों पर फोकस किया है। भाजपा ने लंबी जद्दोजहद के बाद प्रदेश के 914 शहरी निकायों में 2802 पार्षदों को नामित कर दिया। लंबे इंतजार के जारी हुई इस सूची के जरिए पार्टी ने कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के साथ ही उन्हें सियासी रूप से सक्रिय करने का प्रयास किया है। हजारों और कार्यकर्ता भी जल्द जिला व क्षेत्रीय कमेटियों, आयोग, निगम, बोर्डों के साथ ही प्रदेश की टीम में समाहित होने वाले हैं। ऐसा करके भाजपा कई निशाने एक साथ साधने की फिराक में है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में बिखरे

सामाजिक गुलदस्ते को पार्टी ने फिर से सहेजने की कोशिश की है। मनोनीत पार्षदों की सूची इसी ओर इशारा करती है।

नगर निगमों से लेकर नगर पालिका और नगर पंचायतों में हुई नियुक्तियों के सामाजिक समीकरण देखें तो दीगर पिछड़ी जातियों के साथ ही तमाम ऐसी ओबीसी जातियां हैं, जो सियासी रूप से पूरी तरह गुमनामी का शिकार थीं। इनमें हलवाई, दर्जी, माली, पटवा, कसेरा, गोसाई, ठठेरा, कसौधन, कोष्ठा, कौशल, जोगी, धुरिया, पाटकार, रुहेला, रैकवार, भट्ट, कर्णवाल जैसी तमाम जातियां शामिल हैं। इन जातियों के प्रतिनिधियों को शहरी निकायों के सदन में भेजा गया है।

वहीं दलितों में भी वाल्मीकि, जाटव, कोरी, खटीक, पासी, धानुक, धोबी के अलावा हाशिए पर मानी जाने वाली वंशकार, भेला, भुईयार, बेलदार, बहेलिया, नट, दुगाम्य, गोंड, बंजारा, मुसहर, बाथम, धनकर, तुरहा, खरवार, कोल, कंजर जैसी तमाम जातियों को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। शहरी निकायों में यदि जातिगत प्रतिनिधित्व की बात करें तो अगड़ों और दलितों को साधने के साथ ही सर्वाधिक प्रतिनिधित्व पिछड़ी जातियों को दिया गया है। अगड़ों में सर्वाधिक हिस्सेदारी ब्राह्मण, वैश्य और क्षत्रियों को दी गई है। इसके साथ ही अल्पसंख्यकों को भी साधा गया है। इनमें सिख, जैन, ईसाई के साथ ही मुस्लिमों को भी निकायों में भागीदारी दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ मिलकर प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने इस पूरी कवायद को बेहद बारीकी और गोपनीयता से अंजाम दिया है।

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन मजदूरों की मौत, रामकृष्ण अस्पताल में हुआ हादसा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल में मंगलवार को एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की सफाई करने उतरे तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। तीनों मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ही सफाई करने उतरे थे। एक अन्य घायल बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रात लगभग आठ बजे अस्पताल प्रबंधन द्वारा सफाई के लिए मजदूरों को बुलाया गया था। बिना किसी सुरक्षा उपकरण के जैसे ही एक मजदूर टैंक में उतरा तो वह बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे बचाने के प्रयास में दो अन्य साथी भी नीचे उतरे, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। इसके बाद चौथा मजदूर मास्क लगाकर नीचे उतरा और कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। देर रात आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल के सामने पत्थरबाजी भी की। पुलिस लोगों को शांत कराने में जुटी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, एसटीपी में मीथेन और अन्य जहरीली गैसें मौजूद रहती हैं, जो कुछ ही सेकेंड में जानलेवा साबित होती है। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। घटना की जानकारी मिलते ही तीनों मजदूरों के स्वजन मौके पर पहुंचे। स्वजन आरोपितों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

आतंकी हमलों की साजिश का पर्दाफाश

सेना के मूवमेंट पर निगाह रखने के लिए कैंट के आसपास के स्टेशनों पर रख रहे थे निगाह

साहिबाबाद, एजेंसी। भारत में आतंकी हमलों की साजिश के पीछे आईएसआई व जैश-ए-मोहम्मद का गठजोड़ सामने आया है। सूत्र बता रहे हैं कि आईएसआई जैश की मदद से देश भर में आतंकी हमलों की साजिश रच रहा था। अंदेशा है कि हमलों से पहले की प्लानिंग जासूसी के माध्यम से आईएसआई कर रहा था

जबकि हमलों को अंजाम जैश को देना था। इसके लिए जैश अपना नेटवर्क भारत में स्थापित कर रहा था। जैश-ए-मोहम्मद देश में हमलों के लिए डिजिटल स्लिपर सेल माड्यूल तैयार कर रहा है जबकि आईएसआई फिजिकल नेटवर्क माड्यूल के माध्यम से विभिन्न सैन्य ठिकानों की रेकी करा रहा था। जैश देश विरोधी व जिहादी विचारधारा के लोगों को नेटवर्क से जोड़ रहा था। ये नेटवर्क आतंकी हमलों में मददगार साबित होता। मसूरी के नाहल और कौशांबी क्षेत्र में देश विरोधी गतिविधियों व जासूसी में पकड़े गए गिरोहों के बाद इसका पर्दाफाश हुआ है। मसूरी से भी आरोपितों का सीधे जैश व आतंकी फरातुल्ला घोरी से कनेक्शन सामने आया था। जैश के ट्रेनिंग कैंप के वीडियो प्रसारित किए जा रहे थे। जांच बढ़ने के साथ बड़ी और व्यापक स्तर पर हमलों की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। इसके बाद जांच में एनआईए के साथ आर्मी इंटेलीजेंस भी जुट गई है। साथ ही केंद्रीय जांच एजेंसियां व देश भर के राज्यों की एजेंसियां जांच कर रही हैं। वहीं पता चला है कि कनाडा में बैठकर साजिश रच रहा पाकिस्तानी आईएसआई का एजेंट भारतीय सिम इस्तेमाल कर रहा है और वह अपने गुर्गों से इंटरनेट कॉलिंग के माध्यम से बातचीत करता है। इस कारण उसकी लोकेशन भी अलग-अलग देशों की आ रही है, लेकिन पता चला है कि वह काफी समय से कनाडा में रह रहा है। जासूसी से जुड़ा नेटवर्क केवल रेलवे स्टेशनों की ही नहीं बल्कि सेना के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए मुंबई पोर्ट की भी रेकी कर रहा था। आरोपितों ने मुंबई बंदरगाह के आसपास की रेकी कराई और कई वीडियो तैयार कर पाकिस्तान भेजे। इसके साथ ही नौसेना युद्धपोतों व पनडुब्बुयों की वीडियो भी बनाई गईं। यहां की रेकी को लेकर सुरक्षा एजेंसिया सतर्क हो गई हैं। 26/11 को हुए मुंबई हमले में भी आतंकियों ने मुंबई पोर्ट को अपने भारत आने का माध्यम बनाया था। सैन्य ठिकानों के साथ देश में अन्य स्थानों पर भी हमलों की साजिश थी। इसके साथ ही कर्नाटक में कैंट और आर्मी ठिकानों की रेकी की भी पुष्टि हुई है। कर्नाटक के भी कई स्थानों की लोकेशन व वीडियो पाकिस्तान आईएसआई को भेजी गई हैं। वहीं राजस्थान और पंजाब में भी कई स्थानों पर रेकी की गई और वीडियो व लोकेशन ली गई हैं। सैन्य ठिकानों के आसपास की सबसे अधिक रेकी हो रही थी। कैंट, इसके आसपास की भौगोलिक स्थित, सैनिकों के मूवमेंट, आसपास के रास्तों की वीडियो बनाकर आका को भेजी जा रही थीं। इसके साथ ही सैनिकों के लिए चलने वाली ट्रेन, सेना के जवान किस समय पर अधिक छुट्टी जाते हैं समेत अन्य बिंदुओं पर निगाह रखने के लिए स्टेशनों पर कैमरे लगाए गए।

माओवाद की 'क्रूर फैक्ट्री': जहां नसबंदी कर बनाए जाते थे 'मानव हथियार'; 300 लड़ाकों से छीना संतान का अधिकार

जगदलपुर, एजेंसी। साल और सागौन के घने पेड़ों के बीच पसरा सन्नाटाः.. और उस सन्नाटे को चीरती बंदूक की नली, जो तय करती थी कि किसे जीना है और किसे मरना है। बस्तर के इन जंगलों में सक्रिय माओवादी बटालियन सिर्फ एक सैन्य इकाई नहीं, बल्कि एक ऐसी सुनियोजित 'फैक्ट्री' थी, जहां इंसान से उसकी संवेदनाएं छीनकर उसे हिंसक औजार में बदल दिया जाता था। आत्मसमर्पित माओवादी 'डॉक्टर' मड़कम केसा की आपबीती इस भयावह तंत्र की परत-दर-परत सच्चाई सामने लाती है। केसा के अनुसार, संगठन में शामिल होते ही युवाओं की दुनिया बदल दी जाती थी। पहले उनके हाथ में बंदूक थमाई जाती, फिर यह एहसास मिटा दिया जाता कि उनका कोई अपना है। इस तैयारी का सबसे कठोर हिस्सा नसबंदी था। करीब 300 से अधिक माओवादियों की नसबंदी कर उन्हें परिवार और भविष्य के हर मोह से काट दिया गया। इनमें कई शादीशुदा भी थे, लेकिन उन्हें पिता बनने का अधिकार नहीं मिला। खुद केसा भी इससे गुजरा। उसने चेतना नाट्य मंडली की सदस्य आयती से विवाह किया, लेकिन यह रिश्ता अधूरा रहा। अब आत्मसमर्पण के बाद दोनों

सामान्य जीवन में लौटना चाहते हैं और नसबंदी रिवर्स कराने की इच्छा रखते हैं, ताकि अपने गांव में परिवार के साथ सामान्य जीवन जी सकें। उसने बताता कि नसबंदी जैसी प्रक्रियाएं जंगलों में सीमित संसाधनों के बीच होती थीं। 'डॉक्टर' की भूमिका में उसने खुद कई साथियों की नसबंदी की। यह सिर्फ चिकित्सा नहीं, बल्कि लड़ाकों को उनके स्वाभाविक रिश्तों से काटने की रणनीति थी। यही कारण रहा कि इस बटालियन की क्रूरता कई बार रोंगटे खड़े कर देने वाली बनी- ताड़मेटला में 76 जवानों के बलिदान के बाद शवों के बीच जश्न और झीरम कांड में महेंद्र कर्मा की हत्या के बाद हिंसक उत्सव, संवेदनहीनता की चरम अभिव्यक्ति थी। बटालियन की रणनीति भी उतनी ही निर्मम थी। केसा के अनुसार, बड़े हमलों की योजना शीर्ष नेतृत्व बनाता, जबकि मुठभेड़ में वे पीछे रहते। अग्रिम पंक्ति में गांवों से लाए गए युवा होते, जो सबसे पहले गोलियों का सामना करते और सबसे ज्यादा हताहत होते। बटालियन का अनुशासन भय और अविश्वास पर टिका था। हिड़मा का इतना खौफ था कि सदस्य उससे सीधे संवाद से बचते। वह दूरी बनाए रखता, साथ खाना तक नहीं खाता था। सुकमा के पूवर्ती गांव का हिड़मा, जो कभी मवेशी चराता था, माओवादियों के साथ जाकर समय के साथ कुख्यात कमांडर बन गया।

चुनाव आयोग ने 13 जिलों के एसपी समेत 19 अधिकारियों का किया तबादला

कोलकाता, एजेंसी। चुनाव की घोषणा के दूसरे दिन भी निर्वाचन आयोग एक्शन में दिखा। आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए बंगाल और केरल के बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों को हटा दिए है। आयोग ने इस दौरान बंगाल के 13 जिलों के एसपी व एसएसपी को हटा दिया है, वहीं आइजी स्तर के भी छह अधिकारियों को हटाते हुए उनकी जगह नए अधिकारियों की तैनाती दी है। आयोग इसके साथ ही केरल के भी कई जिलों के निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधिकारियों को हटा दिया गया है। इससे पहले बंगाल में इससे पहले राज्य के मुख्य सचिव का भी तबादला किया जा चुका है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को आइपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया एडीजी नियुक्त किया गया है। वहीं के जयरामन को उत्तर बंगाल के एडीजी पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों 1997 बैच के वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी हैं। आसनसोल-दुर्गापुर, हावड़ा, बराकपोर और चंदननगर जिलों में भी नए कमिश्नर ऑफ पुलिस की नियुक्ति की गई है। 13 जिलों के पुलिस अधीक्षक भी ताजा फेरबदल में बदले गए हैं। विधानसभा चुनाव की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद निर्वाचन आयोग ने बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को उनके

पद से हटा दिया था। आयोग ने साफ किया कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक दोनों अधिकारी किसी भी चुनाव संबंधी काम में शामिल नहीं हो सकेंगे। नंदिनी चक्रवर्ती की जगह 1993 बैच के आईएएस अधिकारी दुश्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। 1997 बैच की अधिकारी संघमित्रा घोष को राज्य का नया गृह सचिव बनाया गया है। प्रेट्र के अनुसार, केरल में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को आइएएस और आइपीएस समेत कई अधिकारियों के तबादलों के आदेश दिए। निर्वाचन आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को संबोधित एक पत्र में फेरबदल को तत्काल लागू करने का निर्देश दिया है। आयोग के आदेश के अनुसार, नारायणन को कोझिकोड के जिला पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया है, जबकि थामसन जोस त्रिशूर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक के रूप में कार्य करेंगे। इनबासेखर को अलाप्पुझा का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। आयोग ने निर्देश दिया कि तबादले तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं और राज्य सरकार से 18 मार्च को सुबह 11 बजे तक अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने को कहा है। बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा होने के बाद बढ़ी राजनीतिक सक्रियता को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने पर्यवेक्षकों से 18 मार्च तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचने व उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए है।

चुनाव से पहले असम में कांग्रेस को बड़ा झटका, ताबड़तोड़ दो बड़े नेताओं का इस्तीफा

दिसपुर, एजेंसी। विधानसभा चुनाव से पहले असम की राजनीति में हलचल मच गई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख चेहरों में शुमार नगांव से सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। दूसरी ओर असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा असम में आगामी विधानसभा चुनावों से महज कुछ दिनों पहले आया है, जिससे कांग्रेस को गहरा धक्का लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे अपने त्यागपत्र में नवज्योति तालुकदार ने पार्टी की कार्यप्रणाली से लंबे समय से चली आ रही असंतुष्टि, समन्वय की कमी और अपनी बार-बार की गई शिकायतों के बावजूद कोई समाधान न मिलने का हवाला दिया। उन्होंने लिखा है कि ऐसी परिस्थितियों में पार्टी में बने रहना न तो स्वीकार्य है और न ही फलदायी है।

वहीं, नगांव से सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने अपने इस्तीफे पत्र में दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि अत्यंत दुख के साथ, मैं आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सभी पदों, विशेषाधिकारों और प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा देता हूं। बता दें कि दोनों इस्तीफा असम विधानसभा चुनावों से ठीक पहले आया है, जब पार्टी के अंदर टिकट वितरण और उम्मीदवार चयन को लेकर गहरी नाराजगी और अंतर्कलह सामने आ रही थी। बोरदोलोई ने हाल ही में पार्टी के असम प्रभारी और अन्य नेताओं को पत्र लिखकर लाहोरीघाट विधानसभा सीट के संभावित उम्मीदवार को लेकर गंभीर आपत्ति जताई थी और इस्तीफे की धमकी भी

दी थी।

इस्तीफे में तालुकदार ने क्या लिखा है?

दूसरी ओर अपने इस्तीफे में तालुकदार ने साफ-साफ कहा है कि मैं नवज्योति तालुकदार तत्काल प्रभाव से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उपाध्यक्ष पद, एआईसीसी सदस्य पद तथा प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। इसे इस मामले पर मेरा अंतिम संदेश समझें। मुझे उम्मीद है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा और मेरी सभी जिम्मेदारियां बिना देरी के समाप्त कर दी जाएंगी। बता दें कि यह घटना भूपेन कुमार बोराह के बाद कांग्रेस के लिए बैंक टू बैक तीसरा बड़ा झटका है। फरवरी में एपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोराह ने भी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था।

बता दें कि चुनाव आयोग ने रविवार को असम विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया। प्रदेश की सभी 126 सीटों पर एक ही चरण में 9 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होगी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा-नीत एनडीए सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस सत्ताधारी दल को हराकर सत्ता में वापसी का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी है। 2021 के चुनाव में एनडीए (भाजपा, एजीपी और यूपीपीएल) ने 75 सीटें जीती थीं, जिसमें भाजपा अकेले 60 सीटों पर काबिज हुई थी। कांग्रेस और एआईयूडीएफ सहित महागठबंधन को मात्र 16 सीटें मिली थीं। 2016 में भाजपा ने 60 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी।

शराब छोड़ो, 80 लाख लो! राजस्थान के शिक्षा मंत्री की शर्त ने बढ़ाई हलचल

कोटा , एजेंसी। राजस्थान के कोटा जिले में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने अपनी 'जन हिताय-जन सुखाय' पदयात्रा के अंतिम दिन एक अनोखी पहल के जरिए ग्रामीणों को नशामुक्ति का संदेश दिया। ग्राम पंचायत बोराबास के गांव भैरूपुरा में आयोजित चौपाल के दौरान मंत्री ने विकास कार्यों के बदले शराब छोड़ने की शर्त रख दी, जिसने पूरे इलाके में चर्चा पैदा कर दी।

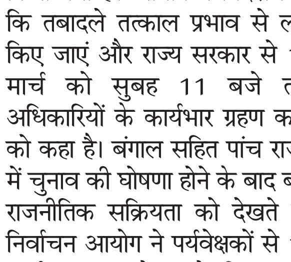

चौपाल में सुनी समस्याएं, रखी अनोखी शर्त: सोमवार को जब मंत्री की पदयात्रा भैरूपुरा गांव पहुंची, तो ग्रामीणों–विशेषकर महिलाओं और भील समाज के लोगों–ने अपनी विभिन्न समस्याएं उनके सामने रखीं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी मांगों को पूरा किया जाएगा, लेकिन इसके बदले एक शर्त रखी गई। दिलावर ने कहा कि उन्हें बदले में सिर्फ 'बोतल' चाहिए, यानी गांव के लोग शराब छोड़ने का संकल्प लें।

लोटे में पानी लेकर दिलाई सौगंध: मंत्री ने मौके पर पानी से भरा लोटा मंगवाया और ग्रामीणों से कहा कि वे इसे हाथ में लेकर कसम खाएं कि आज के बाद शराब का सेवन नहीं करेंगे। शुरुआत में कुछ लोग हिचकिचाए, लेकिन गांव के बुजुर्गों के समझाने पर एक-एक कर पुरुष मंच पर आए और पानी का लोटा हाथ में लेकर शराब छोड़ने की शपथ ली। इस दृश्य ने पूरे कार्यक्रम को भावनात्मक मोड़ दे दिया। मंत्री दिलावर ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि गांव में किसी ने फिर से शराब पीना शुरू किया, तो विकास कार्यों के लिए दी जाने वाली राशि रोक दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपने वादे पर अडिग रहने की अपील करते हुए कहा कि यह सिर्फ शपथ नहीं, बल्कि गांव के भविष्य का सवाल है। शपथ के बाद मंत्री ने गांव में विकास कार्यों के लिए कुल 80 लाख रुपए की घोषणा की। इसमें नाली निर्माण और सीसी रोड के लिए 30 लाख रुपए, आंगनबाड़ी भवन के लिए 35 लाख रुपए, श्मशान घाट की चारदीवारी के लिए 5 लाख रुपए और सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को इन कार्यों पर तुरंत कार्रवाई शुरू करने के निर्देश भी दिए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव में शिविर लगाकर पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद्य सुरक्षा योजना, निशुल्क गेहूं और पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का फायदा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। मदन दिलावर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शराब किसी भी रूप में लाभकारी नहीं है।

विचार-मंथन

संपादकीय

5 राज्यों में विधानसभा चुनाव का ऐलान

पांच राज्यों – असम, पश्चिम बंगाल , तमिलनाडु, केरल और एक केंद्र शासित पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। कहने के लिए ये राज्यों के इलेक्शन हैं, लेकिन इनमें ही जितने मतदाता रजिस्टर्ड हैं, उतने पूरे अमेरिका में नहीं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बहुत गर्व के साथ बताया भी कि ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा को मिलाकर कहीं 17.4 करोड़ वोटर्स होते हैं। लेकिन, इस चुनाव में संख्या इतनी बड़ी चुनौती नहीं है। चुनाव आयोग ने बताया कि आयोग ने सभी चुनावी राज्यों का दौरा कर तैयारी परखी है। उन्होंने एसआईआर का जिक्र किया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटना नहीं चाहिए और कोई भी अपात्र मतदाता सूची में शामिल नहीं होना चाहिए। हालांकि हकीकत यही है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से ही विवाद ज्यादा हुए हैं। बड़े पैमाने पर नाम कटने को लेकर विपक्ष के कई आरोप हैं। पश्चिम बंगाल में खासकर आयोग और सत्ताधारी टीएमसी के बीच टकराव देखने को मिला है। जब मुख्य चुनाव आयुक्त तैयारियों का जायजा लेने कोलकाता पहुंचे थे, तो उन्हें विरोध–प्रदर्शन का सामना करना पड़ा था। मतदाताओं के नाम काटने का आरोप लगाते हुए पिछले दिनों मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धरने पर बैठी थीं। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय ट्रिब्यूनल बनाने के निर्देश के बाद उन्होंने धरना खत्म किया था। राज्य में एसआईआर से लगभग 63.66 लाख नाम कटे हैं और 60 लाख से ज्यादा विचाराधीन हैं। सीईसी के खिलाफ प्रस्ताव। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर इस समय सबसे ज्यादा सवाल हैं। सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से जाहिर है कि विपक्ष का भरोसा पूरी तरह से टूट चुका है। यह प्रस्ताव टीएमसी की तरफ से लाया गया था और इस पर 193 सांसदों ने हस्ताक्षर किए। इसका मतलब, कम से कम इस मुद्दे पर विपक्ष एकजुट दिख रहा है।इसमें बिहार एसआईआर का जिक्र है और यह भी आरोप कि सीईसी एक खास दल के हित में काम करते हैं। अब मसला यह नहीं है कि प्रस्ताव पास होता है या नहीं, महत्वपूर्ण यह है कि इन चुनावों के दौरान आयोग किस तरह से अपनी निष्पक्षता जाहिर करता है। चुनाव में सभी को बराबर मौके मिलें और किसी के साथ पक्षपात न हो, यह आयोग की जिम्मेदारी है।

स्थिर आय के बीच बेकाबू होती रसोई की कीमतें

फरवरी में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई है। स्थिर आय के बीच खाने–पीने की चीजों के बढ़ते दाम और पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने से आम आदमी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जब किसी भी तरह के रोजगार से आय का स्तर ठहरा हुआ हो, जरिया सीमित हो, तो आम आदमी की उम्मीद यही होती है कि बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें उसकी पहुंच में हों या फिर कम से कम स्थिर रहें। मगर पिछले कुछ वर्षों से आमदनी की तुलना में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए लोगों को जितना खर्च करना पड़ रहा है, वह कई बार भारी पड़ता है।माना जाता है कि दिसंबर से फरवरी तक की अवधि में बाजार में सब्जियों की आवक ज्यादा होने की वजह से महंगाई काबू में रहेगी। मगर सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में खुदरा महंगाई फरवरी में बढ़ कर 3.21 फीसद हो गई। हालांकि जनवरी में यह 2.74 फीसद के स्तर पर रही थी। जाहिर है, सिर्फ एक महीने के भीतर जरूरी वस्तुओं की कीमतों में तेज इजाफा हुआ और यह पिछले दस महीने के सबसे उच्च स्तर पर दर्ज किया गया।कहा जा सकता है कि फरवरी के आंकड़े के मुताबिक महंगाई दर चार फीसद से नीचे है, लेकिन यह भी देखने की जरूरत है कि कीमतों के संदर्भ में जरूरी सामान तक आम लोगों की पहुंच किस हद तक आसान है। यह छिपा नहीं है कि रोजगार और आय की कसौटी पर देश की ज्यादातर आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। लंबे समय से स्थिर आमदनी और कमजोर क्रयशक्ति की स्थिति में जब सबसे जरूरी चीजों पर लोगों का खर्च थोड़ा भी बढ़ता है, तो उसके लिए मुश्किलें पैदा होती हैं।फरवरी में महंगाई के आंकड़ों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण दरअसल खाने–पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी रहा।

पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे राष्ट्रों में तो सरकारी दफ्तरों के लिए काम करने वाली गाड़ियों की संख्या को आधा कर दिया गया है और वहां दफ्तरों को हफ्ते में सिर्फ चार दिन खोलने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही वहां स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। भारत में भी युद्ध का असर दिखने लगा है। सरकार ने यहां पच्चीस दिनों बाद ही दूसरा एलपीजी सिलिंडर बुक करने का नियम लागू कर दिया है।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद गड़बड़ाई विश्व व्यवस्था

(उमेश चतुर्वेदी)

अमेरिका की शह पर सीरिया के शासक के खिलाफ बशर अल-असद के शासन के खिलाफ कार्रवाई जारी रही। सीरिया में तेरह वर्षों तक खूनी गृहयुद्ध चलता रहा। इसके बाद हार कर सात दिसंबर 2024 को विद्रोही ताकतों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया। तब से लेकर सीरिया जल रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो दुनिया ने सभ्य होने की तरफ लगातार कदम बढ़ाए। लेकिन इक्कीसवीं सदी का चौथाई हिस्सा बीतने के बाद लग रहा है कि एक बार फिर दुनिया आधुनिकता की चादर लपेटे मध्य युगीन बर्बरता की ओर बढ़ रही है। 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद ऐसी सोच वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहोल्लाह मुसावी खोमैनी समेत कई सैन्य अधिकारियों की मौत ने दुनिया को एक बार फिर हिलाकर रख दिया है। दुनिया के कमजोर देश एक बार फिर आशंकित हो उठे हैं। उन्हें यह डर सताने लगा है कि अमेरिका के खिलाफ अगर उन्होंने नीतियां अपनाईं तो हो सकता है कि अमेरिका अपने तरीके से योजना बनाकर उस पर हमला कर दे। अमेरिका ने ईरान पर हमले के लिए जिन कारणों को गिनाया है, उनमें सबसे प्रमुख कारण है, ईरान के परमाणु कार्यक्रम रोकना, ईरान की मिसाइल क्षमताओं को खत्म करना और वहां की मौजूदा शासन व्यवस्था को बदलना है। अमेरिका ने तर्क दिया है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के करीब था, जो दुनिया और क्षेत्रीय सहयोगियों के लिए एक अस्वीकार्य सुरक्षा खतरा है। ट्रंप का कहना है कि ईरान ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को त्यागने के हर अवसर को ठुकरा दिया था। ट्रंप का यह भी कहना है कि उसके ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का उद्देश्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल सुविधाओं और नौसैनिक संपत्तियों को पूरी तरह नष्ट करना है। यह ठीक है कि अयातुल्ला खोमैनी की अगुआई वाले ईरान में इस्लामिक शासन व्यवस्था काम कर रही है, जिसे उसके नागरिकों के बड़े वर्ग का समर्थन हासिल नहीं था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ईरान की संप्रभुता को चोट पहुंचाई जाए। अमेरिका ने वही किया है। अगर ईरान की जनता अयातुल्ला खोमैनी के शासन को खत्म करती तो और बात होती, लेकिन अमेरिकी हमले में खोमैनी का मारा जाना दूसरे तरह की बात है। इससे आने वाले दिनों में कई खतरे उत्पन्न होंगे। ईरान पर हमले के बाद यह आशंका बढ़ गई है कि अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ दुनिया में क्रोध पनपे। यह भी हो सकता है कि आतंकी घटनाएं बढ़ें। गुरिल्ला युद्ध और ईरान समर्थित ताकतों द्वारा आतंकवाद के मुखौटे में अमेरिका और उसके समर्थकों को निशाना बनाया जाए। इससे दुनिया की चिंताएं बढ़ना अस्वाभाविक नहीं है। अमेरिका की सैन्य कार्रवाइयों का हालिया इतिहास बताता है कि उनका घोषित उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। नौ सितंबर 2011 को न्यूयार्क के ट्विन टॉवर पर हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद का खात्मा करने के लिए अफगानिस्तान स्थित तालिबान और अलकायदा पर कार्रवाई की थी, उस अफगानिस्तान में अब तालिबान का शासन फिर से स्थापित हो चुका है। अफगानिस्तान को छोड़कर भागने का फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति रहते जो बाइडेन ने लिया था। अफगानिस्तानी तालिबान पर हमले का एक मकसद वहां लोकतंत्र की स्थापना थी, लेकिन अब वहां तालिबान का इस्लामी शासन है और अमेरिका किनारे है। दिलचस्प यह है कि अफगानिस्ता के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिस पाकिस्तान ने अमेरिका को सहयोग दिया था, वह पाकिस्तान अब अफगानिस्तान से जूझ रहा है। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन के खिलाफ अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों के साथ सैन्य कार्रवाई शुरू की। उसका बहाना इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार होने को बनाया गया। दिलचस्प यह है कि इराक में सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो गया। तीस दिसंबर 2006 को उन्हें फांसी पर अमेरिका समर्थित न्याय तंत्र के जरिए लटका दिया गया, लेकिन इराक में अब तक ना तो लोकतंत्र आ पाया है और न ही शांति। कुछ इसी तरह साल 2011 में लीबिया में अमेरिका ने सैन्य हस्तक्षेप किया। तब अमेरिका का उद्देश्य लीबिया के तानाशाह कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ हुए नागरिक विद्रोह को समर्थन देकर लीबिया में लोकतंत्र की स्थापना करना था। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को जरिया बनाया गया। इसके बाद 19 मार्च 2011 को अमेरिका ने अपने कुछ सहयोगी देशों के साथ मिलकर हवाई हमले और मिसाइल हमले शुरू किए। तब से लेकर अब तक अमेरिका में कार्रवाई जारी है। अमेरिकी विशेष बलों ने बेंगाज़ी में 2012 के लीबिया के अमेरिकी राजनयिक मिशन पर हमले के आरोपी अहमद अबू खट्टाला को गिरफ्तार किया। इसके बाद अमेरिका ने 2015 से लेकर 2019 के बाद तक आईएसआईएस और अल-कायदा के खिलाफ ड्रोन और हवाई हमले जारी रखे। जबकि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बीच लीबिया के ही लोगों के हाथों तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी 20 अक्टूबर 2011 को मारे जा चुके थे। भीड़ ने उन्हें उनके गृह नगर सिर्त में पकड़ा गया और वहीं उनकी हत्या कर दी गई। तब से लेकर लीबिया अब भी जल रहा है और वहां शांति और लोकतंत्र अब तक इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका की शह पर सीरिया के शासक के खिलाफ बशर अल-असद के शासन के खिलाफ कार्रवाई जारी रही। सीरिया में तेरह वर्षों तक खूनी गृहयुद्ध चलता रहा। इसके बाद हार कर सात दिसंबर 2024 को विद्रोही ताकतों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया। तब से लेकर सीरिया जल रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के शासक निकोलस मादुरो को अमेरिकी सैनिकों ने तीन जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर लिया। तब से वे अमेरिकी कैद में हैं और वहां नया शासन स्थापित हो गया है। अमेरिका दावा करता है कि वह लोकतांत्रिक देश है। वह पूरी दुनिया में अपनी तरह लोकतंत्र स्थापित करने का दावा करता है। लेकिन जहां भी वह कार्रवाई करता है, वहां लोकतंत्र आते हुए नहीं दिखता। ईरान में भी कुछ वैसा ही हो सकता है। यही वजह है कि अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ विश्व के बड़े हिस्से में क्षोभ है। ट्रंप के दौर में ऐसी कार्रवाइयों से विश्व आर्डर गड़बड़ा गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ किनारे बैठ घटनाओं को होते देखभर रहा है। अमेरिका की निगाह बहुत पहले से ईरान पर है। भूराजनीतिक मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि ईरान पर अमेरिकी हमला चीन की ताकत को रोकने की कोशिश भी है। इसकी वजह यह है कि चीन अपने तेल का तकरीबन नब्बे प्रतिशत हिस्सा ईरान से ही आयात करता रहा है। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद चीन की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने लगा है।

एक युद्ध मैदान में चल रहा है, दूसरा खबरों और बयानों में

(सुधीश पचौरी)

जो कल तक हर जगह युद्ध खोजते फिरते थे, अब उसके 'मुफ्त' के दृश्य दिखाते और विशेषज्ञों से चर्चा कराते रहते हैं कि ये युद्ध कब बंद होगा। और ईरान से एकदम 'फिल्मी शैली' में जवाब आता है कि शुरू तुमने किया है, खत्म हम करेंगे। खबरों में युद्ध है, खबरों का युद्ध है। हर खबर, हर बयान एक दूसरे को काटते-छांटते और एक दूसरे पर गिरते-पड़ते आते हैं। हर 'बाइट' एक दूसरे से 'फाइट' करती दिखती है। युद्ध एक है। व्याख्या अनंत हैं। कोई डर को बेचता है कि गैस खत्म है। गैस एजंसी वाले कहते हैं कि गैस की कमी नहीं। आप 'डर की खरीद' न करें। और चैनल जो कल तक हर जगह युद्ध खोजते फिरते थे, अब उसके 'मुफ्त' के दृश्य दिखाते और विशेषज्ञों से चर्चा कराते रहते हैं कि ये युद्ध कब बंद होगा। और ईरान से एकदम 'फिल्मी शैली' में जवाब आता है कि शुरू तुमने किया है, खत्म हम करेंगे। पक्ष-विपक्ष के बयान-वीर चैनलों पर गुत्थमगुत्था होते दिखते हैं। विपक्ष हर बात पर 'कूटता' है और सत्ता 'कुटती' रहती है। इस सप्ताह की कुछ 'चुनिंदा' खबरों और बयानों के जरिए आप युद्ध को इस तरह से भी पढ़ सकते हैं- एक खबर - सौ दिन तक दुनिया जलेगी, दूसरी खबर है- चालीस दिन का तेल बचा है। एक धिक्कार- मोदी ने समर्पण कर दिया हमले की निंदा तक नहीं। एक प्रवक्ता कहिन, 'भारत को कोई मजबूर नहीं कर सकता। विदेश नीति देशहित से तय होती है। दूसरी ओर एक विपक्षी प्रवक्ता ने कहा- वे युद्धोन्मादी के साथ खड़े हैं। दूसरा विपक्षी प्रवक्ता कहता है कि युद्ध दरवाजे पर खड़ा है। सत्ता प्रवक्ता का जवाब है कि दिल्ली ने खामेनेई की मौत पर शोक व्यक्त किया है।फिर एक विपक्षी नेता- देश गिरवी रख दिया है। इतने बड़े देश को अमेरिका की कालोनी बना दिया है। हम क्या उसकी कालोनी हैं कि हमें बताए कि हम किससे तेल खरीदें! सत्ता प्रवक्ता का जवाब, हमें कोई 'डिक्टेट' नहीं कर रहा। हम रूस से भी तेल खरीद रहे हैं। एक एंकर सवाल उछालता है कि क्या यह 'धर्मयुद्ध' हो रहा है। इस लाइन को कोई नहीं लपकता। फिर एक दिन अंकल सैम 'ओवल हाउस' में युद्ध जीतने के लिए प्रार्थना करते दिखते हैं। उनके सहयोगी इत्यादि उनको हाथ से छूकर प्रार्थना करते हैं कि इतनी शक्ति हमें देना दाता। एक दिन एक खबर आती है कि खामेनेई का उत्तराधिकारी भी घायल हुआ है, लेकिन दो दिन बाद ही उत्तराधिकारी के हवाले से बयान आता है- खून का बदला खून आखिर दम तक लड़ेंगे। लेकिन आप उस 'मोगेंबो' उर्फ 'कैप्टन अमेरिका' का क्या करें, जो एक दिन कहता है कि ईरान में कोई बचा ही नहीं और अगले दिन कहता है, आज रात सबसे बड़ा हमला करेंगे। चैनलों में पल-पल मिसाइलें दागी जाती दिखती हैं। बम गिरते दिखते हैं बस्तियों में। समुद्र में आग लगती दिखती है। फिर कहानी 'होर्मुज जलमार्ग' पर आ टिकती है कि होर्मुज बंद कि होर्मुज खुला कि वो जहाज मारा कि ये जहाज छोड़ा कि होर्मुज जलमार्ग में हम तय करेंगे कि कौन टैंकर आए कौन न जाए। भारत के दो जहाज छोड़े भारत की कूटनीतिक सफलता! उधर, खबर-दर-खबर कि दुबई बर्बाद, अबू धाबी बर्बाद कि भारत की चिंता कि खाड़ी देशों में फंसे नब्बे लाख भारतीयों को वापस कैसे लाएं! सत्ता कलपती है कि ऐसा गैरजिम्मेदार विपक्ष कभी नहीं देखा। विपक्ष कहता है कि इतना 'कंप्रोमाइज्ड बंदा' कभी न देखा। घायल ईरान की बहादुरी के भी क्या कहने कि बंदा इजराइल से लेकर खाड़ी के सभी अमेरिकी समर्थक देशों पर 'ड्रोन' मार रहा है। 'मिसाइलें' दाग रहा है और वे बिलबिला रहे हैं। युद्ध विशेषज्ञ चकित हैं कि ईरान के पास इतने हथियार कहां से आ गए।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6035

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6034

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

वर्ग पहेली 6035

1		2	3		4	5	6
	■	7		■	8		
9	10	■	11			■	
12		13	■	■	14		
15			■	16		■	
■	17		■		■	18	■
19	■	20	21		■	22	23
24		■	25				

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1906 को इस भारतीय क्रांतिकारी ने जन्म लिया था (8)
7. भुना हुआ दाना, लावा, कील (2)
8. जंगल, वन, अरण्य (3)
9. सिंह, वीर पुरूष, नाहर, केसरी (2)
11. दावा, फरियाद, अभियोग, मुकदमा (3)
12. डर, भय, आशंका, जोखिम (3)
14. गंध फैलाना (3)
15. चांदी, उजला (3)
16. एक प्रसिद्ध दिवंगत हास्य अभिनेता जिनका बेटा भी अभिनेता-निर्देशक था (2)
17. मिट्टी एवं पानी आदि का लेसदार घोल (2)
20. फर्श आदि पर बिछाई जाने वाली छपी हुई चादर (3)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)
24. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित पेरू देश की यह राजधनी है (2)
25. तारा शंकर बंदोपाध्याय की एक सुप्रसिद्ध कृति, समूह में बंटे हुए देवता (5)

ऊपर से नीचे

1. चंद्रमारूपी शिरोभूषण पहनने के कारण भगवान शिव का एक नाम (5)
2. अभिमान, दर्प, डींग, अकड़ (2)
3. अखरना, खटकना, बुरा लगना (3)
4. छोटे-छोटे तारों का समूह, मंदाकिनी (5)
5. प्राण, मूल तत्व, शरीरिक शक्ति, सामर्थ्य (2)
6. दन-दन शब्द होना, खुशी मनाना (5)
10. रात्रि में होने वाला जागरण (4)
13. उल्लू को यह भी कहा जाता है (4)
16. हमला करना, चढ़ाई करना (4)
18. पद के लिए उम्मीदवारों में से बहुमत के आधार पर चुनना (3)
19. इस देश में तांबे की विश्व की सबसे बडी खान है जो कि 3000 मीटर की ऊंचाई पर है (2)
21. संसार, विश्व, एक प्रकार का बर्तन (2)
23. रिश्ता, संबंध (2)

वर्ग पहेली 6034 का हल

मु	के	श	■	बे	ल	गा	म
म	ला	ल	■	त	ख	मी	ना
ता	■	भ	ग	वा	■	■	व
ज	य	■	री	■	ग	ब	न
■	क	री	ब	■	या	म	■
द	र	मा	■	बा	ना	■	र
ल	की	■	सा	दा	■	दा	ग
■	ब	ल	रा	म	जा	ख	ड़

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन आपके लिए बेहद खुशनुमा रहने वाला है। आप किसी भी काम में जल्दबाजी में निर्णय नहीं लेंगे, जिससे आपको सही परिणाम मिलेंगे। आपकी ऊर्जा और उत्साह आज भरपूर रहेगा, जिससे आप अपने कार्यों को आसानी से पूरा कर पाएंगे। परिवार के किसी सदस्य को लेकर जो चिंता थी, वह धीरे-धीरे कम होती नजर आएगी।

वृष
आज का दिन आपके लिए खुशियों और मौज-मस्ती से भरा रहेगा। आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे, जिससे मन की उलझनें भी दूर होंगी। बच्चों के साथ समय बिताकर आपको काफी सुकून और आनंद मिलेगा। जीवनसाथी को नौकरी में प्रमोशन या कोई अच्छी उपलब्धि मिलने से घर का माहौल और भी खुशहाल रहेगा। काम में मेहनत तो ज्यादा करनी पड़ेगी।

मिथुन
आज आपको किसी भी काम में लापरवाही से बचना होगा। यदि पिताजी से किसी बात को लेकर मतभेद था, तो वह बातचीत के जरिए सुलझ सकता है। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें, क्योंकि चोट लगने की आशंका हो सकती है। कार्यस्थल पर अपने बॉस की बातों को नजरअंदाज करना आपके लिए ठीक नहीं होगा।

कर्क
आज का दिन व्यापार और आय में वृद्धि लेकर आएगा। आपकी आमदनी पहले से बेहतर होगी और आप नए स्रोतों से कमाई के अवसर तलाशेंगे। यदि कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था, संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिलाने का विचार भी बन सकता है। घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

सिंह
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। हालांकि जीवनसाथी के साथ तालमेल की कमी के कारण छोटी-छोटी बातों पर बहस हो सकती है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत खराब होने से भागदौड़ बढ़ेगी। काम का बोझ भी आज ज्यादा रह सकता है क्योंकि कुछ सहकर्मी छुट्टी पर जा सकते हैं। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा।

कन्या
आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। कोई महत्वपूर्ण काम फाइनल होने की संभावना है, जिससे आप खुशी में किसी छोटी पार्टी का आयोजन भी कर सकते हैं। व्यापार में पार्टनरशिप आपके लिए लाभदायक साबित होगी और अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। आप अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए नई योजनाएं बना सकते हैं। नए वाहन की खरीदारी का विचार भी मन में आ सकता है।

तुला
आज आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। हालांकि लोगों से काम निकालने के लिए आपको थोड़ा नरम व्यवहार अपनाना होगा, क्योंकि आपका तेज स्वभाव कुछ लोगों को असहज कर सकता है। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना ही बेहतर रहेगा। पारिवारिक समस्याएं थोड़ी चिंता बढ़ा सकती हैं, लेकिन समझदारी से काम लेने पर सब संभल जाएगा।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी से हल्की-फुल्की नोक झोंक हो सकती है, लेकिन समझदारी से मामला सुलझ जाएगा। जो विद्यार्थी विदेश में शिक्षा प्राप्त करने का सपना देख रहे हैं, परिवार में चल रही पुरानी नाराजगी बातचीत से दूर होगी और रिश्तों में मधुरता आएगी। नए वाहन की खरीदारी को लेकर आप पिताजी से चर्चा कर सकते हैं।

मकर
आज का दिन आपको दिखावे और अनावश्यक खर्चों से दूर रहने की सलाह देता है। कोई सरकारी मामला आपको थोड़ी परेशानी में डाल सकता है और लेन-देन से जुड़ा कोई विवाद कानूनी रूप भी ले सकता है। संतान के एडमिशन को लेकर आप उनके सीनियर्स या किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं। अपने लिए कुछ नए कपड़े या जरूरी सामान खरीदने का भी मन बना सकते हैं।

कुंभ
आज आपको अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ही खर्च करना चाहिए, क्योंकि बढ़ते खर्च आपकी चिंता बढ़ा सकते हैं। कोई शारीरिक परेशानी भी आपको थोड़ा परेशान कर सकती है, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के मार्ग खुल सकते हैं। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। कार्यस्थल पर आपकी कोई पुरानी गलती सामने आ सकती है।

धनु
आज का दिन आपको उन्नति की राह पर आगे बढ़ाने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, लेकिन किसी सहयोगी की कोई बात आपको थोड़ी खटक सकती है। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो आज उसके पूरे होने के संकेत मिल रहे हैं। जमीन-जायदाद या संपत्ति से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

मीन
आज का दिन अच्छे कार्य करने और दूसरों की मदद करने का रहेगा। दूसरों के मामलों में बेवजह दखल देने से बचें। कार्यस्थल पर बॉस से किसी बात को लेकर हल्की तकरार हो सकती है, इसलिए संयम से काम लें। घर में मेहमानों के आने से माहौल खुशनुमा रहेगा। छोटी-छोटी बातों को बड़ा बनाने से रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है। माताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

सचिन तेंदुलकर और खेलना चाहते थे लेकिन 1 फोन कॉल ने खत्म किया वनडे करियर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक सचिन तेंदुलकर ने 18 मार्च 2012 को मीरपुर में पाकिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी वनडे मैच खेला था. इसके बाद 22 दिसंबर को सचिन ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था. 'क्रिकेट के भगवान' कहे जाने वाले दुनिया के सबसे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को रिटायर हुए एक दशक से भी ज्यादा समय हो गया है. इसके बावजूद भी सचिन के नाम कई वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बरकरार हैं. टीम इंडिया को साल 2011 के वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले सचिन ने 90 के दशक और 2000 के दशक में भारत को वनडे क्रिकेट में एक मजबूत टीम की पहचान दिलाई थी. उन्होंने अपने करियर का आखिरी वनडे मुकाबला 18 मार्च, 2012 को एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था. इसके बाद उन्होंने 22 दिसंबर 2012, को वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था.

संदीप पाटिल ने किया बड़ा खुलासा– भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चीफ सेलेक्टर संदीप पाटिल ने सचिन की वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट को लेकर बड़ा खुलासा किया है. 'मास्टर ब्लास्टर' ने साल 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया था, लेकिन बीसीसीआई ने पहले ही उन्हें बता दिया था कि वे उनके रिप्लेसमेंट की तलाश कर रही है. साल 2012 में सचिन ने वनडे क्रिकेट छोड़ दिया था और टी20 इंटरनेशनल भी खेलना बंद कर दिया था.

आईपीएल से पहले अर्जुन तेंदुलकर का खतरनाक फॉर्म!

नेट्स सेशन में फेंके जसप्रीत बुमराह जैसे यॉर्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है. इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले अर्जुन तेंदुलकर जमकर पसीना बहा रहे हैं. वे लखनऊ के नेट्स सेशन में खतरनाक यॉर्कर गेंद फेंकते हुए नजर आ रहे हैं. 'क्रिकेट के भगवान' कहे जाने वाले भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के लिए आईपीएल 2026 एक नई शुरुआत लेकर आया है. मुंबई इंडियंस के साथ सालों तक जुड़े रहने के बाद इस सीजन में अर्जुन लखनऊ सुपर जायंट्स की जर्सी में खेलते नजर आएंगे. नवंबर 2025 में हुए एक ट्रेड डील के तहत लखनऊ ने अर्जुन को उनकी मौजूदा फीस 30 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था. अब अर्जुन लखनऊ के ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहा रहे हैं, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी वायरल हो रहा है.

जसप्रीत बुमराह जैसी यॉर्कर फेंकते नजर आए अर्जुन तेंदुलकर– अर्जुन तेंदुलकर लखनऊ सुपर जायंट्स के ट्रेनिंग सेशन में शानदार गेंदबाजी करते हुए नजर आए हैं.

- **आईपीएल 2026 में लखनऊ के लिए खेलेंगे अर्जुन–** अर्जुन तेंदुलकर का आईपीएल का सफर साल 2021 में शुरू हुआ था, जब उन्हें मुंबई इंडियंस ने उनके बेस प्राइस पर ऑक्शन में खरीदा था. हालांकि, उन्हें शुरुआत के दो सालों में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला. अर्जुन का आधिकारिक डेब्यू साल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हुआ और अपने डेब्यू सीजन में उन्होंने 4 मैचों में सिर्फ 3 विकेट चटकाए थे. उनका पहला आईपीएल विकेट सनराइजर्स हैदराबाद के भुवनेश्वर कुमार का बना था. अब आईपीएल 2026 में अर्जुन लखनऊ के लिए खेलते नजर आएंगे.

ग्लेन फिलिप्स का दिखा नया अवतार, क्रिकेटर ने पायलट के रूप में फैंस को चौंकाया

ऑकलैंड, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स मैदान पर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, बेहतरीन स्पिन और हैरान करने वाली फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं। लेकिन, फिलिप्स सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि हवा में भी करतब दिखा सकते हैं। मंगलवार को ऑकलैंड के आकाश में उन्होंने कुछ ऐसा किया जिसे देख दुनियाभर के क्रिकेट फैंस हैरान हैं। ग्लेन फिलिप्स ने मंगलवार को ऑकलैंड के

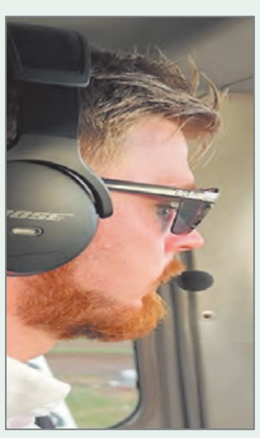

आर्डमोर एयरोड्रोम पर एक लाइट एयरक्राफ्ट को सफलतापूर्वक लैंड कराकर अपनी पायलट क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इसका वीडियो फिलिप्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया। फिलिप्स ने बताया कि वह कमर्शियल पायलट का लाइसेंस लेने की प्रक्रिया में हैं और इसके लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। ऑल-राउंडर ने हाल ही में आर्डमोर फ्लाइंग स्कूल में स्टूडेंट्स और इंस्ट्रक्टर्स से बातचीत भी की। फिलिप्स ने कहा, 'यह मेरा बड़ा पैशन है। अगर मैं क्रिकेट नहीं खेल रहा होता और मेरे पास दुनिया भर का पैसा होता, तो शायद मैं पायलट बनता। मुझे हवा में रहना बहुत पसंद है। पहाड़ों में जाकर अपने शौक पूरे करना और पायलट बनना मेरी प्राथमिकता है। दाएं हाथ से बल्लेबाजी के अलावा बाएं हाथ से बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में भी सक्षम फिलिप्स का एयरक्राफ्ट के कॉकपिट में भी हाथ आजमाना उनकी जिंदगी के आयामों को प्रदर्शित करता है और यह बताता है कि शायद ऐसा कुछ नहीं, जो फिलिप्स न कर सकें। ग्लेन फिलिप्स जल्द आईपीएल 2026 में दिखेंगे। वह लीग में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं। फिलिप्स को उनकी क्षमता के मुताबिक आईपीएल में मौके नहीं मिले हैं। देखना होगा आगामी सीजन में जीटी उनका कितना और कैसे इस्तेमाल करती है।

आईपीएल 2026:

विराट कोहली आरसीबी के लिए खिताब डिफेंड करने की चुनौती के साथ बेंगलुरु पहुंचे

बेंगलुरु एजेंसी। । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली आईपीएल 2026 के लिए टीम से जुड़ गए हैं। कोहली बुधवार सुबह बेंगलुरु पहुंचे। टीम मैनेजमेंट, खिलाड़ियों और फैंस को कोहली का बेसब्री से इंतजार था। बेंगलुरु पहुंचने से पहले कोहली लंदन में ही अभ्यास कर रहे थे। कोहली ने अपने अभ्यास की एक तस्वीर भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाली थी जिसे आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। कोहली के टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास सत्र में जोश और तेजी आएगी। आरसीबी आईपीएल 2026 में चैंपियन के रूप में उतरेगी। टीम का मुख्य लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना होगा। आरसीबी

ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। आरसीबी को चैंपियन बनाने में विराट कोहली का अहम योगदान रहा था। फ्रेंचाइजी के लिए पारी की शुरुआत करने वाले विराट कोहली ने पिछले सीजन में 15 मैचों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 8 अर्धशतक निकले थे। कोहली ने 66 चौके और 19 छक्के भी लगाए थे। आरसीबी को अगर आईपीएल 2026 में अपने खिताब की रक्षा करनी है, तो इसमें विराट कोहली की भूमिका अहम होने वाली है। टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में एक बार फिर उनसे निरंतर बेहतर और प्रभावी प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। हालांकि, विराट कोहली आरसीबी के साथ पहले सीजन से जुड़े हुए हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रहती है। लगभग हर साल वह टीम की तरफ से शीर्ष स्कोरर रहते हैं। कोहली लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनके नाम सर्वाधिक रन और शतक का रिकॉर्ड है।

कोहली ने 267 मैचों में 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। विराट 2013 से 2021 तक आरसीबी के कप्तान भी रहे हैं। कोहली की कप्तानी में आरसीबी 2016 का फाइनल खेली थी, लेकिन खिताब जीतने में सफल नहीं रही थी। आरसीबी ने पिछले सीजन अपना पहला खिताब रजत पाटीदार की कप्तानी में जीता था। आईपीएल 2026 में भी पाटीदार की कप्तानी और बल्लेबाजी पर आरसीबी फैंस की नजर रहेगी।

मोरक्को को एएफकॉन 2025 का चैंपियन घोषित किया गया

अफ्रीकी फुटबॉल फेडरेशन ने सेनेगल की जीत रद्द की, मैच के बीच मैदान छोड़ाना गलत माना

मोरक्को (एजेंसी)। मोरक्को को एएफकॉन 2025 का चैंपियन घोषित किया गया है। कॉन्फेडरेशन ऑफ अफ्रीकन फुटबॉल (सीएएफ) ने सेनेगल की 1-0 की जीत को रद्द कर दिया है। यह फैसला 18 जनवरी को खेले गए फाइनल मैच के दौरान हुए विवाद के बाद लिया गया है।दरअसल, मैच के आखिरी समय में सेनेगल के खिलाड़ियों ने रेफरी के एक फैसले के विरोध में मैदान छोड़ दिया था,जिसे नियमों का उल्लंघन माना गया है।

क्या था विवाद –18 जनवरी को खेले गए फाइनल मैच में निर्धारित समय तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर था। स्टॉपेज टाइम (इंजुरी टाइम) में रेफरी ने मेजबान मोरक्को के पक्ष में एक पेनल्टी दी। इस फैसले से सेनेगल के खिलाड़ी नाराज हो गए और विरोध स्वरूप मैदान से बाहर चले गए। करीब 17 मिनट तक खेल रुका रहा। बाद में खिलाड़ी वापस लौटे, मोरक्को के ब्राहिम डियाज पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए और एक्स्ट्रा टाइम में सेनेगल के पापे गुये ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 से जीत दिला दी थी।

नियमों के आधार पर पलटा गया फैसला मोरक्को फुटबॉल फेडरेशन (एफआरएमएफ) ने मैच के नतीजों को लेकर सीएएफ की अपील कमेटी में चुनौती दी थी। सीएएफ ने अपनी जांच में पाया कि सेनेगल ने एएफकॉन रेगुलेशन के आर्टिकल 82 का उल्लंघन किया है। इस नियम के मुताबिक, अगर कोई टीम रेफरी की अनुमति के बिना मैच खत्म होने से पहले मैदान छोड़ती है, तो उसे हारा हुआ माना जाता है। आर्टिकल 84 के तहत ऐसी स्थिति में विरोधी टीम को 3-0 से विजेता घोषित कर दिया जाता है। इसी आधार पर सेनेगल को अयोग्य ठहराते हुए मोरक्को को 3-0 से विजेता मान लिया गया।

मोरक्को फेडरेशन ने कहा- यह सिर्फ नियमों की जीत – फैसला आने के बाद मोरक्को फुटबॉल फेडरेशन ने बयान जारी कर कहा कि उनकी अपील किसी टीम के प्रदर्शन को चुनौती देने के लिए नहीं थी, बल्कि टूर्नामेंट के नियमों को लागू कराने के लिए थी। फेडरेशन ने कहा हम नियमों के सम्मान और अफ्रीकी प्रतियोगिताओं में स्पष्टता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले सभी देशों की सराहना करते हैं।

सेनेगल फेडरेशन की तरफ से अभी कोई कमेंट नहीं

सेनेगल फुटबॉल फेडरेशन ने अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन उनकी नेशनल टीम के X अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट हुआ। इसमें प्लेयर्स बस परेड में ट्रॉफी के साथ सेलिब्रेट करते दिखे। साथ में 'ओके' इमोजी था।

अफ्रीका कप में पहले भी हो चुके हैं ऐसे विवाद

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के इतिहास में यह पहली बार नहीं है जब बड़े मुकाबले विवादों में घिरे हों।

2010 अफ्रीका कप में टोगो टीम पर बस अटैक के बाद टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे।

2015 अफ्रीका कप में मेजबान इक्वेटोरियल गिनी पर रेफरी फैसलों को प्रभावित करने के आरोप लगे थे, जिससे घाना के खिलाड़ी और अधिकारी खुले तौर पर नाराज दिखे।

2022 अफ्रीका कप में ट्यूनीशिया और माली के बीच खेले गए मैच में रेफरी ने समय से पहले मैच खत्म कर दिया था, जिस पर भारी विवाद हुआ था। उस मुकाबले के बाद सीएएफ (अफ्रीकन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन) को आधिकारिक सफाई तक देनी पड़ी थी।

आईआईसी टी-20 रैंकिंग- बुमराह बिना मैच खेले टॉप-5 में पहुंचे

अफ्रीकी बॉलर बॉश के पॉइंट्स गिरने से फायदा; अभिषेक लगातार 8 महीने से नंबर-1 बैटर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग के टॉप-5 में वापसी कर ली है। वे बिना कोई मैच खेले टॉप-5 में पहुंच गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टी-20 वर्ल्डकप के बाद हुई साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की 5 मैच की सीरीज में अफ्रीकी टीम में कॉर्बिन बॉश को मौका नहीं मिला है। इससे उन्हें रैंकिंग में नुकसान हुआ और वह छठे स्थान पर खिसक गए। आईसीसी ने बुधवार को ताजा प्लेयर रैंकिंग जारी की। इसमें जसप्रीत 702 रेटिंग अंक के साथ पांचवें पहुंच गए। बुमराह टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। बैटर्स की रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। भारत के अभिषेक शर्मा (875 रेटिंग पॉइंट्स) टॉप पर हैं। वे जुलाई 2025 से टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं।

कॉन्वे ने बैटर्स रैंकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाई

बल्लेबाजों की टी–20 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। ईशान किशन भी पिछले हफ्ते की तरह दूसरे नंबर पर हैं। दोनों में सिर्फ 4 पॉइंट का अंतर है। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई। अब वह 70वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

बॉलर्स रैंकिंग में कीवी कप्तान सैंटनर को भी फायदा

टी–20 इंटरनेशनल रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को फायदा मिला है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में उन्होंने 3 विकेट लेने के साथ 35 रन भी बनाए, जिसकी बदौलत सीरीज फिलहाल 1–1 से बराबरी पर है। वहीं, अभी तीन मैच बाकी हैं। इस प्रदर्शन के दम पर सैंटनर गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पिछले हफ्ते वह 24वें नंबर पर थे। टी–20 के ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी मिचेल सैंटनर करियर की बेस्ट रैंकिंग में पहुंच गए हैं। वे दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर आ गए हैं।

रियल मैड्रिड चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में: मैनचेस्टर सिटी को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। 15 बार की चैंपियन रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है। प्री क्वार्टरफाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उसी के घर में हराकर अंतिम-8 में जगह बना ली हैं। मैड्रिड के अलावा आर्सनल, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) और स्पोर्टिंग सीपी ने भी क्वार्टरफाइनल का टिकट कटा लिया है। इस राउंड के सबसे बड़े उलटफेर में स्पोर्टिंग सीपी ने पहले लेग में 0-3 से पिछड़ने के बाद दूसरे लेग में बोडो ग्लिम्ट को 5-0 से रौंदकर शानदार वापसी की।

रियल मैड्रिड ने सिटी को 2-1 से हराया, ओवरऑल स्कोर 5-1 रहा – मैनचेस्टर के एतिहाद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने सिटी को 2-1 से मात दी। एग्रीगेट (दोनों मैचों का कुल स्कोर) के आधार पर मैड्रिड ने 5-1 से जीत दर्ज की। मैच के 20वें मिनट में सिटी के बर्नाडो सिल्वा को हैंडबॉल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे टीम 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई। 22वें मिनट में विनीशियस जूनियर ने पेनल्टी को गोल में बदलकर मैड्रिड को बढ़त दिलाई।

थॉमस और उबर कप में भारत को कठिन ड्रॉ मिला

मेंस और विमेंस टीमें पहला मैच चीन से खेलेंगी, 24 अप्रैल से 3 मई तक टूर्नामेंट होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। थॉमस और उबर कप 2026 में भारत को कठिन ड्रॉ मिला है। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने बुधवार को टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ जारी किया। इसके अनुसार भारत को पहले ही मैच में डिफेंडिंग चैंपियन चीन की कठिन चुनौती का सामना करना है। भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप ए में चीन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के साथ रखा गया है। वहीं, भारतीय महिला टीम भी ग्रुप में चीन के साथ है, जहां मेजबान डेनमार्क और यूक्रेन भी शामिल हैं। थॉमस कप का 34वां और उबर कप का 31वां संस्करण 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में खेला जाएगा। थॉमस कप मेंस और उबर कप विमेंस टीमों के बीच अयोजित होता है।

चीन की टीम मजबूत, भारत को लक्ष्य से उम्मीदें – चीन की पुरुष टीम इस बार भी मजबूत मानी जा रही है, जिसमें वर्ल्ड नंबर-2 शी यू क्वी और नंबर-7 ली शी फेंग जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। हालांकि, भारत को लक्ष्य सेन के हालिया शानदार प्रदर्शन से उम्मीदें होंगी। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

पिछले एडीशन में क्वार्टर फाइनल हार गई थीं भारतीय टीमें – भारत की दोनों टीमें पिछले एडीशन में क्वार्टर फाइनल राउंड से बाहर हो गई थीं। मेंस टीम को टॉप-8 मैच में चीन से हार गया था। वहीं, महिला टीम को क्वार्टर फाइनल में जापान ने हराकर बाहर का रास्ता दिखाया था।

भारत ने 2022 में जीता था थॉमस कप – भारत ने 2022 में पहली बार थॉमस कप का खिताब जीता था। उसने बैंकॉक में फाइनल में इंडोनेशिया को 3-0 से हराया था।

1949 से हो रही है चैंपियनशिप – थॉमस कप चैंपियनशिप 1949 से खेली जा रही है। वहीं, उबर कप का आयोजन 1956 से हो रहा है। 1984 से दोनों टूर्नामेंट एक साथ आयोजित कराए जा रहे हैं।

क्या 2028 ओलंपिक में नहीं खेलेगा इंग्लैंड?

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम स्थित प्रतिष्ठित 'वैगेनर स्टेडियम' में एक रोमांचक आधिकारिक ड्रॉ समारोह आयोजित किया गया। यह उन दो स्थानों में से एक है, जहां आगामी विश्व कप के मैच खेले जाएंगे। दूसरा स्थान बेल्जियम के वेव्रे में स्थित बिल्कुल नया 'बेल्फियस हॉकी एरिना' है। ड्रॉ के जरिए एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026) के ग्रुप चरण के लिए पुरुष और महिला वर्गों के आठ पूलों का निर्धारण किया गया। इस ड्रॉ में 16 टीमों को चार-चार के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत, पाकिस्तान के अलावा, पूल डी की अन्य दो टीमें इंग्लैंड और वेल्स हैं। भारत के लिए यह एक कठिन ड्रॉ है, क्योंकि क्वार्टरफाइनल में सीधे जगह बनाने के लिए उसे इंग्लैंड और पाकिस्तान से आगे निकलना होगा, जबकि प्रत्येक ग्रुप में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें टॉप-8 चरण में अपनी जगह पक्की करने के लिए 'क्रॉस-ओवर' मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। विमेंस एफआईएच वर्ल्ड कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स में इन्हीं तारीखों पर आयोजित किया जाएगा। भारतीय महिला टीम का मुकाबला एक बार फिर इंग्लैंड से होगा। पूल डी में उनके साथ एशियन चैंपियन चीन और

अफ्रीकन चैंपियन दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम को कुछ दिन पहले ही तेलंगाना के हैदराबाद में खेले गए एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर के फाइनल में इंग्लैंड के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद टीम दूसरे स्थान पर रही थी। मुख्य टूर्नामेंट में ये दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी।

पुरुष

- **पूल ए :** नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, जापान (नीदरलैंड्स में खेलेंगे)।
- **पूल बी :** बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस, मलेशिया (बेल्जियम)।
- **पूल सी :** ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, आयरलैंड, साउथ अफ्रीका (बेल्जियम)।
- **पूल डी :** इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, वेल्स (नीदरलैंड्स)।

महिला:

- **पूल ए :** नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया, चिली, जापान (नीदरलैंड्स में खेलेंगे)।
- **पूल बी :** अर्जेंटीना, जर्मनी, यूएसए, स्कॉटलैंड (बेल्जियम)।
- **पूल सी :** बेल्जियम, स्पेन, न्यूजीलैंड, आयरलैंड (बेल्जियम)।
- **पूल डी :** चीन, इंग्लैंड, भारत, साउथ अफ्रीका (नीदरलैंड्स)।

न्यूज बाइट्स

दाउदनगर महाविद्यालय के छात्र बिहार दिवस में करेंगे मगध विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। दाउदनगर महाविद्यालय, दाउदनगर के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए मगध विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर हासिल किया है। 22 से 24 मार्च 2026 को पटना में आयोजित होने वाले बिहार दिवस कार्यक्रम में ये छात्र विश्वविद्यालय की ओर से भाग लेंगे। इस उपलब्धि की पृष्ठभूमि में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता रही, जिसमें विभिन्न विधाओं में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डिबेटिंग सोसाइटी के डॉ. आकाश कुमार (हिंदी विभाग) के मार्गदर्शन में दाउदनगर महाविद्यालय की टीम ने प्रतियोगिता में भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में सेमेस्टर चार के भौतिकी के छात्र अंकित कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अंग्रेजी की छात्रा गुड़िया कुमारी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का विषय था—"शिक्षा में ए.आई. का उपयोगः प्रगति की दिशा या खतरे की घंटी", जिस पर प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। वहीं मेहंदी प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं आरती कुमारी और शिवानी ने भाग लिया, जिसमें आरती कुमारी का चयन हुआ। इन तीनों प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन अब बिहार दिवस के मुख्य कार्यक्रम के लिए किया गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) एम. एस. इस्लाम ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी को नोटिस, जेजे बोर्ड ने मांगा स्पष्टीकरण

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। औरंगाबाद में किशोर न्याय बोर्ड ने लापरवाही के एक मामले में सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित बाल कल्याण पुलिस अधिकारी सह अनुसंधानकर्ता को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। प्रधान दंडाधिकारी सह एसीजेएम सुशील प्रसाद सिंह ने यह कार्रवाई कासमा थाना कांड संख्या-79/25 की सुनवाई के दौरान की। मामला एक विधि-विरुद्ध किशोर की लंबित जमानत याचिका से जुड़ा है, जो 25 फरवरी से बोर्ड में विचाराधीन है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही के अनुसार, सुनवाई के दौरान कई बार कांड दैनिकी (केस डायरी) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया, लेकिन अब तक इसे बोर्ड के समक्ष पेश नहीं किया गया। इसे न्यायिक प्रक्रिया में बाधा और किशोर के अधिकारों की अनदेखी माना गया है। बोर्ड ने इस लापरवाही को कर्तव्यहीनता करार देते हुए संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है। आदेश में कहा गया है कि अनुसंधानकर्ता 24 मार्च को स्वयं उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करें। साथ ही बोर्ड ने चेतावनी दी है कि यदि आदेश की अवहेलना जारी रहती है, तो किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2016 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कदम को न्यायिक प्रक्रिया में जवाबदेही सुनिश्चित करने और किशोर मामलों में लापरवाही पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ईद पर्व को लेकर हाई अलर्ट

बिहार में विधि-व्यवस्था की समीक्षा औरंगाबाद में प्रशासन सतर्क

- संवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती का निर्देश।
- लगातार गश्ती, निगरानी और चौकसी बनाए रखने पर जोर।
- पेयजल, बिजली और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार के गृह विभाग के सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी प्रमंडलीय आयुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के साथ आगामी ईद पर्व को लेकर विधि-व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य त्योहार के दौरान पूरे राज्य में शांति और सौहार्द बनाए रखना था। इस बैठक में औरंगाबाद जिले से जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा और पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल शामिल हुए। बैठक के दौरान सभी जिलों को निर्देश दिया गया कि ईद पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं। संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रशासन को निर्देशित किया गया कि लगातार गश्ती, निगरानी और सतर्कता बनाए रखी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके साथ ही पेयजल, निर्बाध बिजली आपूर्ति और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा गया। बैठक के बाद औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि ईद के मौके पर सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह सुदृढ़ और व्यवस्थित रखी जाएं। उन्होंने विशेष रूप से सोशल मीडिया पर नजर रखने और अफवाह फैलाने वालों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन ने अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों और शांति समिति के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा है। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि वे आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखते हुए ईद का त्योहार मनाएं और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

नहर से 55 वर्षीय वृद्ध का शव बरामद

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र में पटना मेन कैनाल से 55 वर्षीय एक वृद्ध का शव बरामद किया गया है। घटना के करीब 24 घंटे बाद शव मिलने से इलाके में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान वार्ड संख्या नौ, अंजान शहीद निवासी संजय सोनी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को संजय सोनी शौच के लिए नहर किनारे गए थे, इसी दौरान उनके नहर में गिरने की आशंका जताई गई। परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से तत्काल खोज अभियान शुरू किया गया, लेकिन पहले दिन देर शाम तक कोई सफलता नहीं मिल सकी।

बुधवार को दोबारा बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया। स्थानीय गोताखोरों के साथ-साथ गया से राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। लगातार प्रयासों के बाद अंततः नहर से शव बरामद कर लिया गया। इस दौरान अपर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार पूरे समय मौके पर मौजूद रहकर अभियान की निगरानी करते रहे।

वहीं प्रखंड प्रमुख विपुल कुमार और बीपीआरओ सह प्रभारी अंचल अधिकारी ऋषु राज भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में शोक और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है। लोगों ने प्रशासन से नहर किनारे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

बिजली बिल बकाएदारों को चेतावनी, भुगतान नहीं किया तो कटेगी आपूर्ति

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि.सं.)। जिले के रफीगंज क्षेत्र में बिजली विभाग ने बकाया बिल रखने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को चेतावनी दी गई है कि वे जल्द से जल्द अपना बकाया बिजली बिल जमा करें, अन्यथा उनकी बिजली आपूर्ति काट दी जाएगी। सहायक विद्युत अभियंता अशोक राज और कनीय विद्युत अभियंता (शहरी) मारुतिनंदन प्रियदर्शी ने बताया कि बकाया वसूली के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। यह टीम घर-घर जाकर उपभोक्ताओं के बिजली बिल की जांच करेगी और बकाएदारों की सूची के आधार पर कार्रवाई करेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं करने पर संबंधित उपभोक्ताओं का कनेक्शन काट दिया जाएगा। इसके बाद बिजली आपूर्ति बहाल कराने के लिए उपभोक्ताओं को पूरा बकाया बिल जमा करने के साथ-साथ पुनः कनेक्शन शुल्क भी देना होगा। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय पर बिल जमा कर इस तरह की कार्रवाई से बचें।

चैती छठ मेला की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

जिले में चैती छठ मेला की तैयारियों को लेकर जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने देव प्रखंड स्थित मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुव्यवस्थित व्यवस्था को लेकर किए जा रहे इंतजामों का गहन जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में डीएम ने घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, बैरिकेडिंग, जलस्तर की स्थिति तथा आवागमन व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं। जिला पदाधिकारी ने श्रद्धालुओं के ठहराव के लिए चिन्हित आवासन स्थलों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, पर्याप्त रोशनी और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि मेला अवधि के दौरान पर्याप्त संख्या में चिकित्सीय दल, एम्बुलेंस और आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

इस निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, अपर समाहर्ता (आपदा) उपेंद्र पंडित, अपर समाहर्ता (विशेष शाखा) मोहम्मद सादुल हसन खां, अपर समाहर्ता (जिला लोक शिकायत निवारण) जयप्रकाश नारायण, अनुमंडल पदाधिकारी सदर संतन कुमार सिंह, डीसीएलआर सदर श्वेतांक लाल, सिविल सर्जन, जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी, डीपीएम स्वास्थ्य मोहम्मद अनवर आलम, अंचल अधिकारी देव सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपभोक्ता अदालत के आदेश पर बीमा कंपनी ने दी पीड़िता को 2.20 लाख की राहत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला उपभोक्ता अदालत ने एक अहम फैसले में पीड़ित महिला को राहत देते हुए बीमा कंपनी को 2.20 लाख रुपये भुगतान करने का निर्देश दिया। उपभोक्ता वाद संख्या 108/23 में सुनाए गए इस फैसले के तहत अदालत के सदस्य बद्री नारायण सिंह ने वादिनी बिन्दु देवी को श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की ओर से 2.20 लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

मामले के अनुसार, बिन्दु देवी के पति प्रवीण सिंह एक सीमेंट ट्रांसपोर्टर में कार्यरत थे और उन्होंने 7 फरवरी 2022 को बीमा पॉलिसी की पहली किश्त के रूप में 17,364 रुपये जमा किए थे। इसके कुछ ही समय बाद 15 अप्रैल 2022 को घर लौटते समय वे सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। प्रारंभिक इलाज सदर अस्पताल में कराया गया, इसके बाद जमुहार और वाराणसी में लगभग एक महीने तक उनका उपचार चला, जहां अंततः उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद प्राथमिकी दर्ज नहीं होने और पोस्टमार्टम नहीं कराए जाने के आधार पर बीमा कंपनी ने दावा भुगतान में देरी की। कई बार अनुरोध के बावजूद जब भुगतान नहीं हुआ, तो पीड़िता ने 13 सितंबर 2023 को नोटिस भेजा और 15 अक्टूबर 2023 को उपभोक्ता अदालत में वाद दायर किया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही के अनुसार, अदालत ने तथ्यों के आधार पर स्पष्ट किया कि तकनीकी कारणों से दावा खारिज करना उचित नहीं है, खासकर तब जब मृत्यु दुर्घटना के बाद इलाज के दौरान हुई हो। इस फैसले से न केवल पीड़िता को न्याय मिला, बल्कि उपभोक्ता अधिकारों को भी मजबूती मिली है। यह निर्णय बीमा कंपनियों के लिए भी एक संदेश है कि वैध दावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

फाग पंचायत में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ पैक्स मतदान, 68.05% मतदान दर्ज

गोह (औरंगाबाद)(नि.सं.)। जिले के गोह प्रखंड अंतर्गत फाग पंचायत में पैक्स अध्यक्ष पद के लिए बुधवार को मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। मतदान के दौरान मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया और कुल 68.05 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चुनाव मैदान में कुल छह प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनकी तकदीर अब मतपेटियों में बंद हो गई है। मतदान प्रक्रिया प्रशासन की कड़ी निगरानी में कराई गई, जिससे पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रही। अब सभी की निगाहें मतगणना पर टिकी हैं, जहां परिणाम घोषित होने के बाद यह तय होगा कि फाग पंचायत का नया पैक्स अध्यक्ष कौन बनेगा।

दो सड़क हादसे, तीन युवक घायल, दो की हालत गंभीर

निज सं. | अंबा/कुटुंबा (औरंगाबाद)

जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन युवक घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है, जबकि तीसरे घायल का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। पहली घटना कुटुंबा थाना क्षेत्र के संत जोसेफ पब्लिक स्कूल के पास सोनबरसा-दधपा रोड पर हुई। यहां दधपा गांव निवासी नीतेश कुमार और रिसीयप थाना क्षेत्र के दुधार गांव निवासी सनोज मालाकार बाइक से लौट रहे थे। दोनों मंगलवार देर शाम अंबा बाजार गए थे और रात में वापस घर आ रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को कुटुंबा रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत नाजुक देखते हुए औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में भी स्थिति गंभीर रहने पर चिकित्सकों ने दोनों को हायर सेंटर भेज दिया। इसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए वाराणसी ट्रॉमा सेंटर ले गए।

दूसरी घटना अंबा थाना क्षेत्र के जगई पुल के पास हुई, जहां दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में गंगहर गांव निवासी मुकेश पासवान घायल हो गए। बताया जा रहा है कि मुकेश किसी काम से बजराही गांव जा रहे थे, तभी सामने से आ रही बाइक से उनकी टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दूसरे बाइक चालक को भी चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने मुकेश को कुटुंबा रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें भी औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर किया गया।

अग्निशमन विभाग की जागरूकता मुहिम गांव-गांव में मॉकड्रिल और प्रशिक्षण

- ग्रामीण, किसान, जनप्रतिनिधि, जीविका दीदी और स्कूली बच्चे शामिल हुए।
- कुल 15 स्थानों पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम हुए।
- स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और निजी अस्पतालों में भी मॉकड्रिल की गई।

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

जिले के रफीगंज प्रखंड में अग्निशमन विभाग द्वारा आग से बचाव को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न पंचायतों और गांवों में मॉकड्रिल आयोजित कर लोगों को आग लगने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही पम्पलेट वितरित कर लोगों को जागरूक किया गया। अभियान के तहत बलिगांव और भदुकीकला पंचायत के कई गांवों में ग्रामीणों, किसानों, जनप्रतिनिधियों, जीविका दीदियों और स्कूली बच्चों को शामिल कर प्रशिक्षण दिया गया। गोपालपुर बिगहा, गौपालपुर, कड़ियां टोला विश्रामपुर, खड़वां, खड़वां टोला, अकौना और अकौनी समेत कुल 15 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वास्थ्य उपकेंद्र, स्कूल और निजी अस्पतालों में भी विशेष रूप से मॉकड्रिल कर आग लगने की स्थिति में क्या करना चाहिए, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को थ्रेसर और अन्य कृषि उपकरणों के उपयोग के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई, ताकि आगजनी की घटनाओं से बचा जा सके।

अग्निशामालय प्रभारी मुन्ना कुमार के नेतृत्व में टीम के सदस्य नीरज कुमार, सुषमा कुमारी, बंटी कुमार और रंजीत कुमार ने लोगों को आग लगने के कारण, उससे बचाव के उपाय और प्राथमिक उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं को कम करना और लोगों को समय रहते सतर्क करना है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे काफी उपयोगी बताया।

सिविल कोर्ट में अनोखी शादी, आठ महीने जेल के बाद जमानत पर रचाया विवाह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले से एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां सिविल कोर्ट परिसर में ही एक युवक ने जमानत मिलने के बाद अपनी प्रेमिका से शादी रचा ली। यह युवक पिछले आठ महीने से पोक्सो मामले में जेल में बंद था और बेल मिलने के तुरंत बाद उसने यह कदम उठाया। जानकारी के अनुसार, मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सिलाढ़ गांव निवासी 19 वर्षीय विपुल कुमार और नबीनगर प्रखंड के टंडवा थाना क्षेत्र के गंभीडीह गांव की रहने वाली 19 वर्षीय गूंजा कुमारी के बीच प्रेम संबंध था। दोनों की मुलाकात तब हुई जब विपुल अपनी मौसी के घर आता-जाता था। धीरे-धीरे यह रिश्ता गहराता गया और दोनों ने साथ रहने का फैसला कर लिया। परिवार की असहमति और जातीय भिन्नता के कारण दोनों ने घर छोड़ दिया और दिल्ली जाकर लिव-इन में रहने लगे। इस दौरान गूंजा ने एक बच्चे को जन्म दिया। कुछ समय बाद विपुल ने गूंजा को उसके मायके भेज दिया और खुद संपर्क से बाहर हो गया। इसके बाद लड़की के परिजनों ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने विपुल को गिरफ्तार कर लिया। करीब आठ महीने जेल में रहने के बाद जब विपुल को जमानत मिली, तो दोनों पक्षों के वकीलों और परिजनों ने पहल करते हुए आपसी समझौते की कोशिश की। पंचायत के माध्यम से बातचीत हुई, जिसमें विपुल ने गूंजा को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करने की सहमति दी। इसके बाद दोनों परिवारों की मौजूदगी में और अधिवक्ताओं की देखरेख में व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित मंदिर में पूरे विधि-विधान के साथ दोनों की शादी कराई गई। इस दौरान वर-वधू ने एक-दूसरे को माला पहनाकर विवाह संपन्न किया, जिसके गवाह परिवार के सदस्य, वकील और अन्य लोग बने।

यह मामला न सिर्फ सामाजिक दृष्टिकोण से चर्चा का विषय बना है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि कानूनी प्रक्रिया और पारिवारिक सहमति के बीच किस तरह एक रिश्ते को नया रूप दिया गया।

मद्य निषेध कांड में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

नवीनगर (औरंगाबाद)(नि.सं.)। जिले के नबीनगर थाना क्षेत्र में मद्य निषेध कानून के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जनकपुर पोखरा निवासी बाबूलाल चौधरी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि अभियुक्त लंबे समय से मद्य निषेध से जुड़े मामलों में संलिप्त था और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा बताया।

दो अजमानतीय वारंटी गिरफ्तार

निज संवाददाता | नबीनगर (औरंगाबाद)

जिले के नबीनगर प्रखंड अंतर्गत माली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अजमानतीय वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में चैनपुर भटौलिया निवासी शंकर पासवान और मोती बिगहा निवासी हरिहर यादव शामिल हैं। थानाध्यक्ष दीपक कुमार राय ने बताया कि बीती रात विशेष छापेमारी अभियान चलाकर दोनों आरोपियों को उनके ठिकानों से गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ पहले से ही न्यायालय द्वारा वारंट जारी था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आगे की कानूनी प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अपराधियों के बीच पुलिस का खौफ देखने को मिल रहा है, वहीं स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना की है।

इफ्तार पार्टी में शामिल हुए विधायक प्रमोद कुमार सिंह, सौहार्द और भाईचारे का दिया संदेश

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

जिले के मदनपुर प्रखंड अंतर्गत सलैया पंचायत के बसंत गांव में आयोजित इफ्तार पार्टी में रफीगंज के विधायक प्रमोद कुमार सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की सुंदर मिसाल देखने को मिली।

इफ्तार पार्टी का आयोजन भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष औरंग खान द्वारा किया गया था, जिसमें विधायक ने रोजेदारों के साथ इफ्तार कर एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं और सभी वर्गों को एक मंच पर लाने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर अमन-चैन और क्षेत्र की तरक्की के लिए दुआ मांगी।

रामनवमी पर औरंगाबाद में 28 मार्च को निकलेगी भव्य शोभायात्रा, तैयारियां तेज

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर में रामनवमी के अवसर पर 28 मार्च को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसको लेकर शहर की चार प्रमुख पूजा समितियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें शोभायात्रा को ऐतिहासिक और आकर्षक बनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न समितियों के बीच जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया, ताकि आयोजन को सुव्यवस्थित और अनुशासित तरीके से संपन्न कराया जा सके। आयोजकों के अनुसार शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, धार्मिक ध्वज, बैंड-बाजे और भक्ति गीतों के माध्यम से पूरे शहर को भक्तिमय माहौल में रंगने की तैयारी है।

बैठक के बाद प्रखंड कार्यालय मोड़ पर विधिवत पूजा-अर्चना कर महावीरी झंडा फहराया गया, जिसे आयोजन की औपचारिक शुरुआत माना गया। तय कार्यक्रम के अनुसार 19 मार्च को जलभरी यात्रा और 27 मार्च को पैदल संपर्क यात्रा भी निकाली जाएगी, जिससे लोगों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने घरों और चौक-चौराहों पर भगवा झंडे लगाकर पूरे शहर को भगवामय बनाने में सहयोग करें।